राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 15
अंक : 68
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
शुक्रवार 06 फरवरी 2026
मूल्य :2 /-
RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट

पेज 3 सुपरटेक के 51 हजार फ्लैट बायर्स को राहत

पेज 4 उन्नाव में पति-पत्नी और 2 बच्चों की मौत

पेज 6 टी20 विश्वकप में सैमसन नहीं ईशान करेंगे पारी की शुरुआत

संक्षिप्त खबरें

श्रीनगर में पिता के साथ बेटा-बेटी ड्रग तस्करी करते गिरफ्तार, कार के साथ लाखों रुपए की हेरोइन जब्त

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर स्थित खानयार इलाके में पुलिस ने ड्रग तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक ही परिवार के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से लाखों रुपए की हेरोइन बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गुलजार अहमद मीर, उनकी बेटी मुस्कान गुलजार मीर और बेटे उबैद गुलजार के रूप में हुई है। पुलिस ने उस कार को भी जब्त कर लिया है, जिसका इस्तेमाल ड्रग सप्लाई में किया जा रहा था। पुलिस के मुताबिक, ये लोग लंबे समय से श्रीनगर में नशीले पदार्थों की सप्लाई करते थे।

मणिपुर की नई डिप्टी सीएम नेमचा किपगेन का विरोध

नई दिल्ली/इंफाल। मणिपुर में विधानसभा का नया सत्र शुरू हो गया है। यह सत्र नए मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह के शपथ ग्रहण के एक दिन बाद बुलाया गया है। राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने गुरुवार शाम 4 बजे से सत्र बुलाया। इधर, दिल्ली में बुधवार शाम को कुकी-जो समूह से जुड़े लोगों ने मणिपुर भवन के बाहर प्रदर्शन किया। मणिपुर में जॉइंट फोरम ऑफ सेवन ने शुक्रवार को सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक कुकी बहुल इलाकों में बंद का आह्वान किया है। ये विरोध प्रदर्शन कुकी समुदाय से आने वाली उपमुख्यमंत्री नेमचा किपगेन का किया जा रहा है।

हैप्पी मॉर्निंग

मोहन- लड़कियों की सही उम्र जानने के लिए क्या करना चाहिए?
सुरेश- लड़कियों से उनकी उम्र पूछने से अच्छा है,
कि उन्हें एक बार आंटी बोल दो
मोहन- इससे क्या होगा?
सुरेश- वो खुद कहेगी की,
हैलो मैं अभी 21 की हूं.....

शायरी

सच्चाई अक्सर आक्रामकता का
एक भयानक हथियार होता है।
सच के साथ झूठ बोलना और यहाँ
तक कि हत्या करना भी संभव है।

अर्थसार

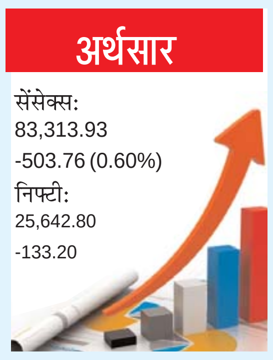

संसेक्स:
83,313.93
-503.76 (0.60%)
निफ्टी:
25,642.80
-133.20

मौसम

अधिकतम : 22 डिग्री से0
न्यूनतम : 09 डिग्री से0
सूर्योदय शनिवार : 7 : 07
सूर्यास्त शुक्रवार : 6 : 05

अवैध कोयला खदान में धमाका, 16 की मौत

कई मजदूरों के फंसे होने की आशंका, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

शिलांग। मेघालय के ईस्ट जैंतिया हिल्स जिले में गुरुवार को अवैध कोयला खदान में धमाका हो गया। हादसे में कम से कम 16 मजदूरों की मौत हो गई। कई मजदूरों के अब भी खदान में फंसे होने की आशंका है। यह जानकारी राज्य की पुलिस महानिदेशक आई. नोंग्रांग ने दी।

बचाव दल राहत और खोज अभियान में लगे हुए हैं। यह हादसा सुबह थांग्स्कु इलाके में हुआ। पुलिस महानिदेशक ने कहा, अब तक 16 शव बरामद किए जा चुके हैं।

धमाके के समय खदान के अंदर कितने मजदूर थे, यह अभी साफ नहीं है। और लोगों के फंसे होने की आशंका है।

धमाके का कारण के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है और मामले की जांच की जा रही है।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने हादसे पर दुख जताते हुए पीएम नेशनल रिलीफ फंड से हर मृतक के परिवार को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए देने का ऐलान किया है।

एक घायल शिलांग रैफर

ईस्ट जैंतिया हिल्स के एसपी विकाश कुमार ने बताया कि एक घायल व्यक्ति को पहले सुतंगा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से उसे बेहतर इलाज के लिए शिलांग के अस्पताल में रैफर किया गया। पुलिस के मुताबिक विस्फोट कोयला खनन के दौरान हुआ और यह खदान अवैध रूप से चल रही थी।

गुजरात में हुक्का और शराब पार्टी के दौरान छापा, 43 गिरफ्तार; मोबाइल फोन जब्त

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद स्थित एक विला में आयोजित हुक्का और शराब पार्टी के दौरान पुलिस ने 43 पुरुषों को गिरफ्तार कर लिया और 38 महिलाओं को हिरासत में लिया। पार्टी स्थल से शराब की बोतलें, हुक्का, कारें और मोबाइल फोन जब्त किए गए, जिनकी कुल कीमत 2.3 करोड़ रुपये है। अधिकारी ने बताया कि बुधवार आधी रात के समय विला में आयोजित शादी की सालगिरह पार्टी के दौरान कार्रवाई की गई। गुजरात में शराब का निर्माण, बिक्री और सेवन प्रतिबंधित है। पुलिस ने बताया कि मुंबई के एक व्यक्ति ने गुरुवार रात सानंद के पास अपने साले की शादी की 25वीं सालगिरह मनाने के लिए पार्टी आयोजित की। उसने करीबी दोस्तों को आमंत्रित किया था। छापेमारी के दौरान पार्टी में मौजूद 81 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई। अहमदाबाद ग्रामीण पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश जाट ने बताया, पार्टी में शामिल 43 पुरुषों को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि 38 महिलाओं को हिरासत में लेकर बाद में रिहा कर दिया गया। इन महिलाओं को नोटिस जारी किए गए हैं।

विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली में शिक्षा मंत्रालय के समक्ष परिसरों में जाति आधारित भेदभाव को रोकने संबंधी 2026 के यूजीसी नियमों के विरोध में प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों ने छात्र संघ (एसएफआई) के एक सदस्य को हिरासत में लिया।

स्पीकर बोले-कल पीएम के साथ कुछ भी हो सकता था

इसलिए मैंने लोकसभा में उनकी स्पीच टाली; दावा- कांग्रेस ने हमले की प्लानिंग की थी

नई दिल्ली। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने गुरुवार को कहा कि बुधवार को लोकसभा में पीएम मोदी के साथ अप्रत्याशित घटना हो सकती थी। इसलिए उनकी कल शाम 5 बजे होने वाली स्पीच टालनी पड़ी। आशंका के चलते मैंने ही उनसे न आने का आग्रह किया था।

न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि बुधवार को पीएम की स्पीच के दौरान कांग्रेस लोकसभा में

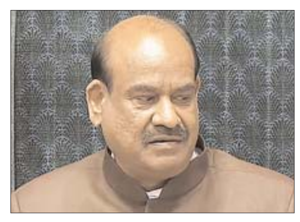

उन पर हमला करने की योजना बना रही थी, इसी आशंका के चलते स्पीकर ने सदन स्थगित करने का फैसला लिया। दरअसल, पीएम मोदी 5 फरवरी को लोकसभा में शाम 5 बजे धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देने वाले थे, लेकिन विपक्ष की महिला सांसदों के हंगामे के चलते स्पीकर संध्या राय ने कार्यवाही अगले दिन तक स्थगित कर दी। इससे पीएम नरेंद्र मोदी का संबोधन भी टल गया था। वहीं, धन्यवाद प्रस्ताव को हंगामे के बीच गुरुवार पास कराया गया। 2004 के बाद पहली बार यह प्रस्ताव प्रधानमंत्री के भाषण के बिना पास हुआ है।

बिरला ने विपक्षी सांसदों से कहा कि आप पोस्टर लेकर आएंगे तो सदन नहीं चलेगा। जिस तरह से महिला सदस्य पीएम की सीट तक पहुंची, उसे देश ने देखा। ये उचित नहीं था। ये सदन की गरिमा के अनुकूल भी नहीं था।

इस बीच विपक्ष के सांसद हंगामा कर रहे थे, इसको देखते हुए स्पीकर ओम बिरला ने लोकसभा की कार्यवाई शुक्रवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी।

यूपीएससी-सेवा में रहते हुए बार-बार परीक्षा देने का रास्ता बंद

रैंक सुधारने का मौका सिर्फ एक बार; नए नियम 2026 से लागू

नई दिल्ली। संघ लोकसेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सेवा परीक्षा 2026 का नोटिफिकेशन बुधवार को जारी किया है। आयोग ने इस बार 933 पदों के लिए भर्ती विज्ञापन जारी किया है। आवेदन की आखिरी तारीख 24 फरवरी है।

परीक्षा केंद्र में फेस ऑथेंटिकेशन के बाद ही एंट्री दी जाएगी। इस बार प्रयास और पात्रता से जुड़े नियमों में भी बड़ा बदलाव किया गया है।

इसके मुताबिक अब सिलेक्शन के बाद दोबारा परीक्षा देने की आजादी पहले जैसी नहीं रहेगी। नए प्रावधानों में सेवा में रहते हुए बार-बार परीक्षा देने का रास्ता बंद कर दिया गया है।

वहीं, आईएएस और आईएफएस को लेकर पुराने नियम जस के तस रखे गए हैं। चयनित अफसर को एक बार परफॉर्मेंस बेहतर करने का मौका मिलेगा।

जैसे किसी का 2026 में आईपीएस में सिलेक्शन हुआ तो वह 2027 में परफॉर्मेंस बेहतर करने की परीक्षा देने का पात्र होगा। उसके बाद अगर वह परीक्षा देना चाहता है तो उसे सेवा से इस्तीफा देना होगा।

पहले से आईपीएस को दोबारा आईपीएस नहीं

पहले से आईपीएस में चयनित या नियुक्त उम्मीदवार सीएसई 2026 से दोबारा आईपीएस नहीं पा सकेंगे। वहीं प्रीलिम्स के बाद लेकिन मेन्स से पहले अगर आईएएस या आईएफएस बनते हैं, तो मेन्स लिखने की अनुमति नहीं मिलेगी।

ये बदलाव यूपीएससी 2026 में पहली बार दिखेंगे

सिविल सर्विस एग्जाम-2026 में अगर ग्रुप-ए या फिर आईपीएस मिलती है, तो उम्मीदवार को सिर्फ एक बार यानी सीएसई-2027 में रैंक सुधारने का मौका मिलेगा। मौका तभी मिलेगा जब उम्मीदवार को ट्रेनिंग जॉइन न करने की वन टाइम एक्जेम्शन (एक बार की छूट) मिले।

छूट फाउंडेशन कोर्स तक सीमित होगी। यदि उम्मीदवार न ट्रेनिंग जॉइन करता है, और न छूट लेता है, तो सीएसई-2026 और सीएसई-2027 दोनों के आधार पर मिली सेवा अपने आप रद्द हो जाएगी।

सीएसई 2026 से चयनित उम्मीदवार सीएसई 2027 देना चाहते हैं, तो अनुमति जरूरी होगी। सीएसई 2028 या उसके बाद परीक्षा देने के लिए इस्तीफा अनिवार्य होगा।

'ईसी' बोला-बंगाल में एसआईआर के दौरान हिंसा और धमकी मिली

सुप्रीम कोर्ट में बताया- बीएलओ की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर भी नहीं की

नई दिल्ली। इलेक्शन कमीशन ने सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को पश्चिम बंगाल में जारी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर हलफनामा दाखिल किया। ईसी ने कोर्ट में बताया कि बंगाल में एसआईआर के दौरान चुनाव अधिकारियों को हिंसा, धमकी और काम में रुकावट जैसे हालात का सामना करना पड़ा। हलफनामे में कहा गया कि पश्चिम बंगाल की स्थिति अन्य राज्यों से अलग थी, जहां एसआईआर की प्रक्रिया बिना किसी बड़ी घटना या

रुकावट के पूरी हुई। ईसी ने कहा कि 2025 की वोटर लिस्ट को आगामी विधानसभा चुनावों में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता, क्योंकि एसआईआर के दौरान 58 लाख से ज्यादा मृत, स्थानांतरित और गैर-हाजिर वोटरों की पहचान की गई। ईसी ने आरोप लगाया कि बूथ लेवल ऑफिसर्स की शिकायतों पर लोकल पुलिस आमतौर पर एफआईआर दर्ज करने से बचती रही। कई मामलों में जिला चुनाव अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद ही केस दर्ज हुए। राज्य सरकार ने जानबूझकर एफआईआर दर्ज करने और अनुशासनात्मक कार्रवाई से जुड़े ईसी के निर्देशों का पालन नहीं किया।

चुनावी रेवड़ियों के वादों के विरुद्ध याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई के लिए सहमत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट गुरुवार को एक जनहित याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हो गया, जिसमें चुनाव से पहले तर्कहीन रेवड़ियां बांटने वाले राजनीतिक दल का चुनाव चिन्ह जब्त करने या उसे अपंजीकृत करने का निर्देश देने की मांग की गई है।

वकील एवं याचिकाकर्ता अश्विनी उपाध्याय ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाल्या बागची की पीठ को बताया कि उनकी जनहित याचिका पर केंद्र और चुनाव आयोग को 2022 में ही नोटिस जारी किए गए

थे। उन्होंने मामले को जल्द सूचीबद्ध करने का आग्रह किया।

उपाध्याय ने कहा, राजनीतिक दल चांद और सूरज को छोड़कर चुनाव के दौरान मतदाताओं को सब कुछ देने का वादा करते हैं और यह भ्रष्ट आचरण के बराबर है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। कृपया हमें याद दिलाएं और माह के अंत में बताएं। हम इसे मार्च में सूचीबद्ध करेंगे।

25 जनवरी, 2022 को तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश एनवी रमणा की अध्यक्षता वाली पीठ ने केंद्र और चुनाव आयोग से इस जनहित याचिका पर जवाब मांगा था।

पीठ ने इसे एक गंभीर मुद्दा बताया था और कहा था कि कभी-कभी मुफ्त का बजट नियमित बजट से आगे निकल जाता है।

अल-फलाह यूनिवर्सिटी का चेयरमैन जवाद अहमद गिरफ्तार

क्राइम ब्रांच ने उठाया, कोर्ट ने 4 दिन की रिमांड दी; यूजीसी ने दर्ज कराई थी 2 एफआईआर

फरीदाबाद। फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जवाद अहमद सिद्दीकी को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से कोर्ट ने 4 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया। सूत्रों की माने तो पुलिस सिद्दीक से यूनिवर्सिटी के प्रशासन, वित्तीय लेन-देन और अन्य गतिविधियों से जुड़े कई अहम बिंदुओं पर पूछताछ करेगी।

जवाद अहमद सिद्दीकी

क्राइम ब्रांच ने निजी विश्वविद्यालय के संचालन से जुड़े कथित अनियमितताओं और फर्जीवाड़े के आरोपों में यूजीसी की शिकायत पर 2 मामले दर्ज किए थे। जिसमें दिल्ली पुलिस ने यह कार्रवाई की। बता दें कि आतंकी गतिविधियों में अल फलाह के डॉक्टरों की गिरफ्तारी के बाद यूनिवर्सिटी निशाने पर आई थी। इसके बाद ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम के तहत सिद्दीकी और अन्य के खिलाफ चार्जशीट दायर की थी। वहीं, ईडी इस मामले में करीब 54 एकड़ जमीन और उस पर बनी 139.97 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क कर चुकी है।

यूजीसी की ओर से दिल्ली ब्लास्ट के बाद 2 एफआईआर दर्ज करवाई गई थी। उसी में दिल्ली पुलिस द्वारा यह कार्रवाई की गई है। वहीं, चेयरमैन जवाद अहमद सिद्दीकी और अल-फलाह चैरिटेबल ट्रस्ट के खिलाफ ईडी ने चार्जशीट दाखिल की थी। इसी चार्जशीट पर संज्ञान लेने के लिए दिल्ली की साकेत कोर्ट में 31 जनवरी को सुनवाई हुई। जहां ग्रुप की 54 एकड़ जमीन कुर्क करने के आदेश दिए थे।

22 जवानों के बलिदान के लिए जिम्मेदार माओवादी ढेर, 12 ने छोड़े हथियार

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के सुकमा में 2021 में टेकुलुगुडम मुठभेड़ में 22 जवानों के बलिदान के लिए जिम्मेदार माओवादी उधम सिंह गुरुवार को बीजापुर में मुठभेड़ में मारा गया। उस पर आठ लाख रुपये का इनाम था। घटनास्थल से एक एके 47 और विस्फोटक बरामद हुए हैं।

सुरक्षा बलों की माओवादियों के साथ चिन्नागेलूर जंगल में मुठभेड़ हुई। एसपी डा. जितेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि माओवादी उधम सिंह दक्षिण बस्तर डिवीजन का सदस्य था। उसके मारे जाने के बाद एरिया कमेटी नेतृत्व विहीन हो गई है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, पापाराव एकमात्र जीवित जोनल सदस्य है, जिसकी तलाश जारी है। एसपी जितेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि इसके साथ ही साउथ सब

जोनल ब्यूरो से जुड़े 12 माओवादियों ने हिंसा छोड़कर समाज की मुख्यधारा में वापसी की है। उन पर कुल 54 लाख रुपये का इनाम घोषित था। वर्ष 2026 में 11 माओवादी ढेर हुए हैं।

पुलिस के अनुसार, एक जनवरी 2024 से अब तक बीजापुर जिले में 888 माओवादी मुख्यधारा में लौट चुके हैं। 1,163 माओवादी गिरफ्तार किए गए हैं, जबकि 231 माओवादी विभिन्न मुठभेड़ों में मारे गए हैं।

अवैध निर्माण

हाईकोर्ट ने याचिका खारिज की, सरकार का 45,000 वर्गमीटर जमीन लेने का रास्ता साफ

अहमदाबाद- आसाराम के आश्रम पर बुलडोजर चलेगा, 32 अवैध निर्माण

अहमदाबाद। आसाराम का अहमदाबाद स्थित आश्रम टूटेगा। गुजरात हाईकोर्ट ने गुरुवार को मोटेरा आश्रम ट्रस्ट की तरफ से दायर याचिका खारिज कर दी। इस याचिका में शहर के मोटेरा इलाके में स्थित भूखंड को खाली कराने की सरकारी कार्रवाई को चुनौती दी गई थी।

कोर्ट के फैसले से राज्य सरकार के लिए आश्रम की जमीन अपने कब्जे में लेने का रास्ता साफ हो गया है। आश्रम की 45,000 वर्ग मीटर से ज्यादा की जमीन पर 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाया जाना है।

वर्तमान में इस जमीन की मार्केट

वैल्यू 500 करोड़ रुपए से ज्यादा की है। गुजरात हाईकोर्ट की जस्टिस वैभवी नानावटी ने इस मामले में सुनवाई की। कोर्ट ने गुरुवार को अपने आदेश में कहा कि आश्रम में नियमों का उल्लंघन हुआ। उस जगह अब विकास परियोजना की जरूरत भी है, इसलिए सरकार की मांग सही है।

इस फैसले के बाद अहमदाबाद नगर निगम कभी भी आश्रम में बने अवैध निर्माणों को हटाने की कार्रवाई शुरू कर सकता है।

आश्रम में 32 अवैध निर्माण थे

राज्य सरकार की ओर से पेश हुए सीनियर पब्लिक प्रॉसीक्यूटर जीएच विर्क ने कोर्ट को बताया कि यह जमीन दशकों पहले सीमित धार्मिक उपयोग के लिए दी गई थी। लेकिन, धीरे-धीरे इसका विस्तार होता चला गया।

जबकि, भूमि आवंटन की शर्तों के अनुसार इसका व्यावसायिक उपयोग, अनधिकृत निर्माण और बिना अनुमति विस्तार प्रतिबंधित था।

आश्रम परिसर में करीब 32 अवैध स्ट्रक्चर बना लिए गए, जो कानूनी सीमाओं से बाहर हैं।

उन्होंने बताया कि अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (एएमसी) ने आश्रम को कई बार नोटिस भेजे थे। इसके बाद 21 जनवरी 2026 को नगर निगम ने आश्रम का आवेदन भी खारिज कर दिया था। आसाराम ने 1972 में कुटिया बनाई, बाद में यही आश्रम बन गया

साबरमती नदी किनारे इस आश्रम की स्थापना आसाराम ने 1972 में की थी।

आसाराम ने यहां सबसे पहले एक कुटिया बनाई थी, जिसे मोक्ष कुटिया के रूप में पहचाना जाता था। धीरे-धीरे इसी कुटिया के आसपास निर्माण कार्य होता चला गया और बाद में इसे आसाराम मोटेरा आश्रम के नाम से पहचाना जाने लगा।

यह आश्रम आसाराम से देश-दुनिया के सभी आश्रमों का हेड ऑफिस भी था।

संपादकीय

गाजियाबाद सुसाइड : डिजिटल एडिक्शन का खतरनाक खेल

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

4 फरवरी 2026 की सुबह गाजियाबाद के भारत सिटी सोसाइटी में एक दिल दहला देने वाली घटना हुई। तीन नाबालिग बहनें—पखी (12), प्राची (14) और विशिका (16)—नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर लीं। घटनास्थल पर मिली सुसाइड नोट में सिर्फ दो शब्द लिखे थे : मम्मी, पापा, सॉरी। पुलिस जांच में सामने आया कि तीनों बहनें एक कोरियन टास्क-बेस्ड ऑनलाइन गेम की लत में इतनी डूबी हुई थीं कि वे एक-दूसरे को कोरियन नामों से बुलाने लगी थीं। माता-पिता के फोन छीनने और गेम खेलने पर रोक लगाने के बाद हुई बहस ने उन्हें यह कदम उठाने पर मजबूर कर दिया। यह घटना अकेली नहीं है—यह डिजिटल एडिक्शन के खतरनाक परिणामों का एक चेहरा है, जो भारत में युवाओं और बच्चों की जान ले रहा है।

डिजिटल एडिक्शन अब कोई छोटी समस्या नहीं रही। यह एक गंभीर व्यसन है, जहां व्यक्ति स्क्रीन, सोशल मीडिया, गेमिंग या ऑनलाइन कंटेंट के बिना रह नहीं पाता। आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 ने इसे 'साइलेंट क्राइसिस' कहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, 15-24 साल के युवा सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। भारत में इंटरनेट यूजर्स 2014 में 25 करोड़ से बढ़कर 2024 में लगभग 97 करोड़ हो गए। 2024 में भारतीयों ने स्मार्टफोन पर कुल 1 लाख करोड़ घंटे बिताए। ASER 2024 के अनुसार, किशोरों में सिर्फ 57 प्रतिशत फोन का इस्तेमाल पढ़ाई के लिए करते हैं, जबकि 76 प्रतिशत सोशल मीडिया और गेमिंग के लिए।

इस लत के सबसे घातक परिणामों में से एक है आत्महत्या की प्रवृत्ति। अध्ययनों से पता चलता है कि इंटरनेट एडिक्शन से डिप्रेशन, एंग्जायटी, नींद की कमी, कम आत्मसम्मान और साइबरबुलिंग बढ़ती है, जो सुसाइडल विचारों को ट्रिगर करती है। PGI चंडीगढ़ के एक अध्ययन में 15.9 प्रतिशत युवाओं में इंटरनेट एडिक्शन पाया गया, जो डिप्रेशन और एंग्जायटी से जुड़ा है। एक अन्य रिसर्च में इंटरनेट एडिक्ट्स में सुसाइडल विचारों की संभावना 23.7 प्रतिशत थी, जबकि गैर-एडिक्ट्स में सिर्फ 8त्न। गेमिंग डिसऑर्डर से आक्रामकता, वित्तीय नुकसान और भावनात्मक संकट बढ़ता है। गाजियाबाद की घटना से पहले भी कई मामले सामने आए—2025 में मदुरै में 17 साल का लड़का, बालासोर में क्लास 8 का छात्र, और तमिलनाडु में दर्जनों गेमिंग से जुड़ी सुसाइड्स।

कारण गहरे हैं। सस्ता डेटा, हर हाथ में स्मार्टफोन, गेम्स की डोपामाइन-ट्रिगर डिजाइन (टास्क पूरा करने पर रिवॉर्ड, नोटिफिकेशन), और तनाव से बचने का आसान रास्ता—ये सब लत को बढ़ावा देते हैं। कोविड के बाद स्क्रीन टाइम में भारी उछाल आया। टास्क-बेस्ड गेम्स जैसे 'कोरियन लव गेम' में 50 टास्क होते हैं, जो यूजर को भावनात्मक रूप से बांधते हैं। बच्चे वर्चुअल दुनिया में इतने खो जाते हैं कि असली रिश्ते, पढ़ाई और नींद पीछे छूट जाती है। गाजियाबाद की बहनों ने कोविड के बाद स्कूल जाना बंद कर दिया था—बड़ी बहन क्लास 4 में थी, जबकि उम्र 16 साल।

प्रभाव बहुआयामी हैं। शारीरिक- आंखों की रोशनी कम होना, गर्दन-कमर दर्द, मोटापा। मानसिक- अवसाद, अलगाव, आक्रामकता। सामाजिक- परिवार से दूरी, दोस्तों से कटाव। आर्थिक- भविष्य की वर्कफोर्स प्रभावित—सर्वेक्षण चेतावनी देता है कि अगर यह जारी रहा तो देश की जीडीपी और डेमोग्राफिक डिविडेंड पर बुरा असर पड़ेगा।

समाधान क्या हैं? सबसे पहले जागरूकता। माता-पिता बच्चों के स्क्रीन टाइम पर नजर रखें—दिन में 2 घंटे से ज्यादा मनोरंजन नहीं। डिजिटल डिटॉक्स के दिन रखें। परिवार में साथ समय बिताएं, खेलकूद और शौक को प्रोत्साहन दें। स्कूलों में साइबर-सेफ्टी एजुकेशन, पैरेंटल ट्रेनिंग और फिजिकल एक्टिविटी अनिवार्य करें। सरकार को प्लेटफॉर्म्स पर जिम्मेदारी डालनी होगी—नाबालिगों के लिए टारगेटेड ऐड्स रोकना, डिफॉल्ट सेफ्टी सेटिंग्स, और टेली-मानस जैसे कार्यक्रमों का विस्तार।

डिजिटल दुनिया सुविधा देती है, लेकिन बिना नियंत्रण के यह जहर बन जाती है। गाजियाबाद की तीन बहनों की मौत एक चेतावनी है—अगर हमने अभी नहीं जागा, तो यह खतरनाक खेल और जिंदगियां लील जाएगा। असली खुशी स्क्रीन में नहीं, रिश्तों, अनुभवों और संतुलित जीवन में है। समय रहते संभलें, वरना बहुत देर हो जाएगी।

खनन पर हो मनन

सत्ताधीशों की इच्छा शक्ति की कमी और प्रवर्तन एजेंसियों की लापरवाही से खनन माफिया के हौसल बुलंद हैं। कहीं न कहीं नागरिकों की उदासीनता भी इसके मूल में हैं। पंजाब के रोपड़ जिले की शिवालिक पहाड़ियों में हो रही तबाही उस भयावह स्थिति को दर्शाती है, जिसका खमियाजा आने वाली पीढ़ियों को भी भुगतना पड़ेगा। वजह साफ है कि अंधाधुंध खनन से शिवालिक पहाड़ियों के पारिस्थितिकीय तंत्र को भारी क्षति पहुंच रही है। जो हमें यह भी बताता है कि नीति और प्रवर्तन के बीच खाई में पर्यावरणीय अपराध कैसे और किस तेजी से पनपते हैं। प्रशासन की नाक के नीचे खुदाई करने वाली भारी मशीनों का खुलेआम प्रयोग अवैध खनन हेतु किया जा रहा है। इस पारिस्थितिक रूप से नाजुक क्षेत्र की पूरी पहाड़ियों को समतल किया जा रहा है। जो हमारे पर्यावरण के लिये एक गंभीर चुनौती है। यह क्षति शिवालिक पहाड़ियों के मूल पारिस्थितिक कार्यों मसलन भूजल पुनर्भरण, मृदा-स्थिरता और जैव-विविधता संरक्षण जैसे जीवन रक्षक लक्ष्यों को गंभीर रूप से प्रभावित करती है। दरअसल, यह शिवालिक पर्वतमाला भू-संरचना की दृष्टि से नयी बनी हुई है और स्वाभाविक रूप से अस्थिर है। निर्विवाद रूप से किसी भी स्थान पर होने वाली अनियंत्रित खुदाई से भूमि का कटाव बहुत तेजी से होता है। जिसके चलते वर्षा ऋतु और उसके बाद भूस्खलन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ती है। वहीं इन क्षेत्रों में गाद जमाव का संकट भी गहरा जाता है। कालांतर इसके चलते जल निकासी के पैटर्न में अप्रत्याशित बदलाव देखने में आता है। यह सर्वविदित है कि एक बार इन पहाड़ियों को अवैध रूप से काटकर समतल कर दिया जाता है तो उसके मूल स्वरूप को फिर प्राप्त कर पाना लगभग असंभव है। दूसरे शब्दों में कहें उस क्षेत्र विशेष का प्राकृतिक संरक्षण कवच हमेशा के लिए नष्ट हो जाता है। ऐसे में प्राकृतिक सुरक्षा को नष्ट करने वाला विकास कालांतर आपदा का कारक बन सकता है। दरअसल, यह ऐसा प्राकृतिक सुरक्षा तंत्र होता है जो निचले मैदानी इलाकों को बाढ़ और जल संकट से बचाता है। यह विडंबना ही कही जाएगी कि इस बाबत जवाबदेह अधिकारियों द्वारा दलील दी जाती रही है कि इस क्षेत्र में खनन की प्रक्रिया पर्यावरण संबंधी स्वीकृतियों के आधार पर की जाती रही है। साथ ही यह भी सफाई दी जाती है कि ऐसी स्वीकृतियों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाया जाता है। लेकिन हकीकत तब उजागर हो जाती है जब स्थानीय लोग रात के समय होने वाले खनन कार्यों, निर्धारित सीमा से अधिक और बड़े पैमाने पर पहाड़ी इलाकों में कटाई होने के आरोप लगाते हैं। ऐसे में अधिकारियों की तमाम दलीलें खोखली ही साबित होती हैं। दरअसल,सवाल नियम-कानूनों की प्रभावकारिता का नहीं है बल्कि असली दिक्कत प्रवर्तन एजेंसियों की उदासीनता की है। जो वस्तु-स्थिति से अवगत होने के बावजूद इन आपराधिक कृत्यों के प्रति आंखें मूंदे रहती हैं। दरअसल, खनन कार्यों से जुड़े ठेकेदारों को आपराधिक तत्वों व राजनेताओं का संरक्षण भी एक बड़ी चुनौती है। इसमें दो राय नहीं है कि जब अवैध खनन के खिलाफ जमीनी स्तर पर निगरानी के बजाय महज कागजी कार्रवाई का सहारा लिया जाता है तो अवैध खनन को संबल मिलता है।

डराने लगी है ऑनलाइन गेमिंग की लत एवं आभासी दुनिया

- ललित गर्ग-

ऑनलाइन गेमिंग की लत एवं आभासी दुनिया कितनी भयावह एवं घातक हो सकती है, इसकी एक ही दिन में दो अलग-अलग जगह घटी घटनाओं ने न केवल झकझोरा है, बल्कि यह हमारे समय, हमारी सामाजिक संरचना और हमारी सामूहिक असावधानी पर लगा हुआ एक गहरा प्रश्नचिह्न बना है। धीरे-धीरे किशोरवय को अपने चपेट में लेने वाली यह प्रवृत्ति कितनी हृदयविदारक हो सकती है, उसका उदाहरण बुधवार को घटी ये दो भयावह घटनाएं हैं। एक हृदयविदारक घटना में गाजियाबाद की तीन अल्पवयस्क बहनों ने नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में 12, 14 और 16 साल की तीन सुकोमल बहनें असमय काल-कवलित हो गईं। ऑनलाइन कोरियन गेम की दीवानी बहनें कोरिया में जाकर बसने और वहीं नया जीवन शुरू करने का सपना देखती थीं। घर वालों ने जब उनकी ऑनलाइन सनक से परेशान होकर उनसे मोबाइल छीन लिए, तो वे तनाव व अवसाद में घिर गईं। फिर तीनों बहनों ने नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। ऐसी ही घटना हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में भी घटी जहां एक पंद्रह वर्षीय किशोर ने ऑनलाइन गेम के अपने एक विदेशी साथी के बिछुड़ने के गम में घर में आत्महत्या कर ली। किशोर दसवीं का छात्र था। इन घटनाओं ने समाज को स्तब्ध ही नहीं किया, बल्कि भीतर तक गहरा घाव दिया है। यह कोई आकस्मिक या अलग-थलग घटना नहीं है। इससे पहले झाबुआ, भोपाल और देश के अन्य हिस्सों में सामने आई ऐसी घटनाएं यह संकेत देती हैं कि आभासी दुनिया किस तरह वास्तविक जीवन पर हावी होती जा रही है और हम अनजाने में एक ऐसे समाज का निर्माण कर रहे हैं जहां संवेदनाएं, संवाद और जीवन-मूल्य स्क्रीन के पीछे दम तोड़ते जा रहे हैं।

ऑनलाइन गेमिंग अपने आप में अपराध नहीं है, न ही तकनीक शत्रु है, लेकिन जब यह बच्चों और किशोरों के लिए लत बन जाए, तो यह एक धीमा जहर बन जाती है। यह जहर चुपचाप बच्चों के मस्तिष्क में प्रवेश करता है, उनकी सोच, उनकी भावनात्मक संरचना और उनके निर्णय लेने की क्षमता को विकृत करता है। गेमिंग की दुनिया बच्चों को तात्कालिक रोमांच, आभासी जीत और काल्पनिक पहचान देती है, लेकिन धीरे-धीरे वही दुनिया उन्हें वास्तविक जीवन से काट देती है। परिवार, मित्र, पढ़ाई, प्रकृति, खेल और संवाद-सब कुछ पीछे छूटने लगता है। गाजियाबाद की तीनों बहनों का यह कदम इसी कटाव का चरम और भयावह परिणाम है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अत्यधिक ऑनलाइन गेमिंग बच्चों के मस्तिष्क में आवेग नियंत्रण को कमजोर करती है। जोखिम का आकलन करने की क्षमता घटती है और भावनात्मक अस्थिरता बढ़ती है। हार, असफलता या गेम से वंचित किए जाने की स्थिति में अवसाद, क्रोध और निराशा गहराने लगती है। कई बार बच्चे आत्महत्या जैसे चरम कदम को भी एक 'गेम ओवर' की तरह देखने लगते हैं। यह सोच अपने आप में अत्यंत खतरनाक है। आत्महत्या की प्रवृत्ति का बढ़ना केवल मानसिक स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक चुनौती है, जो हमारी परवरिश, हमारी प्राथमिकताओं और हमारी नीतियों पर सवाल उठाती है।

आज के परिवारों में माता-पिता की व्यस्तता, एकल परिवारों की बढ़ती संख्या और संवाद की कमी ने बच्चों को अकेलेपन की ओर धकेला है। स्मार्टफोन कई घरों में बच्चों की चुप्पी खरीदने का सबसे आसान साधन बन गया है। रोता बच्चा हो, जिद करता बच्चा हो या समय न देने की मजबूरी-मोबाइल फोन एक त्वरित समाधान बन चुका है। लेकिन यही समाधान आगे चलकर सबसे बड़ी समस्या बन जाता है। हम यह भूल जाते हैं कि बच्चा केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि मार्गदर्शन, स्नेह और समय चाहता है। जब यह सब उसे स्क्रीन से मिलने लगता है, तो परिवार की भूमिका स्वत: कमजोर हो जाती है। यह भी एक कठोर सत्य है कि कई माता-पिता स्वयं डिजिटल लत के शिकार हैं। ऐसे में बच्चों को रोकने का नैतिक और व्यवहारिक अधिकार भी कमजोर पड़ जाता है। हम बच्चों से अपेक्षा करते हैं कि वे मोबाइल कम चलाएं, जबकि हमारे अपने हाथों में हर समय फोन रहता है। यह दोहरा व्यवहार बच्चों के मन में भ्रम और विद्रोह दोनों पैदा करता है। इसलिए समस्या का समाधान केवल बच्चों पर नियंत्रण नहीं, बल्कि पूरे पारिवारिक वातावरण में संतुलन लाने से जुड़ा है।

सरकार और समाज की भूमिका भी इस संकट में कम महत्वपूर्ण नहीं है। ऑनलाइन गेमिंग उद्योग तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन उसके सामाजिक प्रभावों पर पर्याप्त नियंत्रण और निगरानी का अभाव है। कई गेम्स में हिंसा, आक्रामकता और जोखिम भरे व्यवहार को सामान्य और रोमांचक रूप में प्रस्तुत किया जाता है। बच्चों के लिए आयु-उपयुक्त सामग्री, समय-सीमा और चेतावनी संकेतों को सख्ती से लागू करना अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता बन चुका है। सरकार को चाहिए कि वह ऑनलाइन गेमिंग और डिजिटल कंटेंट के लिए स्पष्ट और कठोर नियामक ढाँचा विकसित करे, जिसमें बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि हो। विद्यालयों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रह सकती। डिजिटल साक्षरता, मानसिक स्वास्थ्य और जीवन-कौशल को शिक्षा का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए। बच्चों को यह सिखाना आवश्यक है कि तकनीक का उपयोग कैसे किया जाए, न कि तकनीक के गुलाम कैसे बना जाए। शिक्षकों को भी बच्चों के व्यवहार में होने वाले बदलावों, अकेलेपन, चिड़चिड़ेपन और अचानक गिरते शैक्षणिक प्रदर्शन जैसे संकेतों को गंभीरता से लेना होगा।

मनोवैज्ञानिक सहायता को लेकर समाज में जो झिझक और संकोच है, उसे भी तोड़ना होगा। मानसिक स्वास्थ्य को कमजोरी नहीं, बल्कि स्वास्थ्य का अभिन्न अंग माना जाना चाहिए। यदि किसी बच्चे में अवसाद, अत्यधिक चुप्पी, आक्रामकता या आत्मघाती विचारों के संकेत दिखें, तो समय रहते विशेषज्ञ की मदद लेना अत्यंत आवश्यक है। देर करना कई बार अपूरणीय क्षति में बदल जाता है। निस्संदेह, ये आत्मघात की घटनाएं, ऑनलाइन गतिविधियों के अतिरेक से मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभाव को लेकर गंभीर सवालों को जन्म देती हैं। निश्चित रूप से आत्मघात की ये घटनाएं हमारे नीति-नियंताओं और अभिभावकों को आसन्न संकट के प्रति सचेत करती हैं। दरअसल,ये दुखद घटनाएं एक घातक प्रवृत्ति को ही उजागर करती हैं कि गेमिंग और डिजिटल संपर्क लाखों युवाओं को आभासी समुदाय और मनोरंजन तो प्रदान कर सकते हैं, लेकिन साथ ही ये भावनात्मक कमजोरियों,सामाजिक अलगाव और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों की पूर्ति न होने जैसी समस्याओं को भी जन्म दे सकते हैं। हालांकि, वहीं दूसरी ओर समाज विज्ञानी इस बात पर भी बल देते हैं कि केवल गेमिंग या ऑनलाइन मित्रता ही आत्महत्या का कारण नहीं बन सकती हैं। निस्संदेह, आत्महत्या एक जटिल और बहुआयामी घटना है। लेकिन समस्याग्रस्त डिजिटल जुड़ाव, विशेष रूप से जब यह ऑफलाइन जीवन से अलगाव, बाधित शिक्षा और तीव्र भावनात्मक तनाव के साथ होता है तो संवेदनशील युवा मन में परेशानी को और बढ़ा सकता है।

गाजियाबाद की यह घटना हमें यह भी सोचने पर मजबूर करती है कि हमने बच्चों के लिए कैसी दुनिया बनाई है। क्या हमने उन्हें संवाद दिया, या केवल उपकरण थमा दिए? क्या हमने उन्हें संस्कार दिए, या केवल सुविधाएं? क्या हमने उन्हें सुनने का समय दिया, या केवल आदेश? यह आत्ममंथन केवल पीड़ित परिवारों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि पूरे समाज को अपने भीतर झांककर देखना होगा। यह घटना एक चेतावनी है, एक टर्निंग पॉइंट है। यदि अब भी हमने इसे एक सामान्य समाचार की तरह भुला दिया, तो भविष्य में ऐसी घटनाएं और बढ़ेंगी। समाज को, सरकार को और प्रत्येक परिवार को मिलकर कड़े और संवेदनशील कदम उठाने होंगे। तकनीक को नकारना समाधान नहीं है, लेकिन उसे बिना नियंत्रण स्वीकार करना भी आत्मघाती है। संतुलन, संवाद और सहभागिता ही बच्चों की सुरक्षा का वास्तविक आधार हैं। गाजियाबाद की तीनों बहनों हो या कूल्लु के किशोर की असमय मृत्यु हमें यह याद दिलाती है कि अगर हमने अभी नहीं संभला, तो यह इलेक्ट्रॉनिक खतरा हमारे घरों, हमारे भविष्य और हमारी संवेदनाओं को निगलता चला जाएगा। यह समय है जागने का, सोचने का और ठोस कदम उठाने का-क्योंकि यह सवाल केवल तकनीक का नहीं, बल्कि जीवन का है।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3792

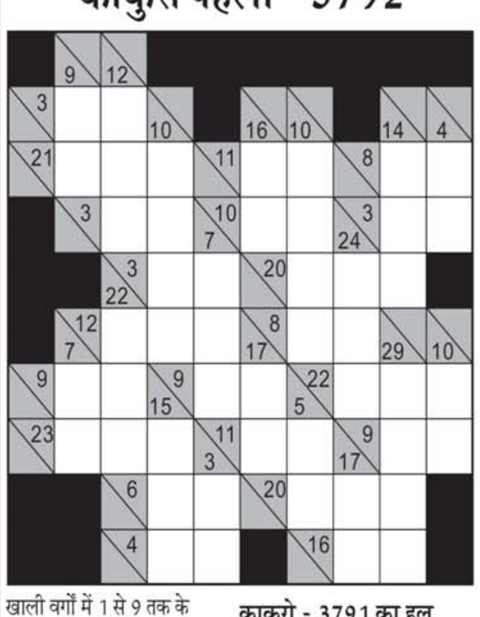

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

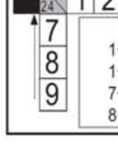

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3791 का हल

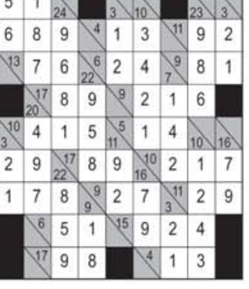

लॉफिंग जौन्स

एक पुस्तक व्यापारी कुछ किताबें खरीदने हेतु एक सप्ताह के लिए लखनऊ गया। उसे लखनऊ में ऊँची चीज मिल गई और उसका दिल वहीं रह गया। जब कई दिन फालतू लग गए तो उसने अपनी पत्नी को तार दिया- 'अभी खरीददारी जारी है अगले सप्ताह हम...।'

पत्नी पति को जानती थी। वह तुरंत समझ गई।

उसने वापसी में तार भेजा- तुरंत लौट आओ...! यदि कल शाम तक वापसी नहीं हुई तो वही बेचना शुरू कर दूँगी जो तुम खरीद रहे हो।

□ □ □

रमन के बड़े भैया नरेश पिछले कई महीनों से बहुत परेशान थे। वे रमन से बोले- छोटे! मैं बहुत परेशान हूँ। मेरी बीवी हमेशा अपने पुराने पति का जिक्र करके मुझे ताना देती रहती है।

रमन बोला- भैया! ये तो कुछ भी नहीं है। मेरी बीवी ने तो अभी से मुझे उसके अगले होने वाले पति का ताना देना शुरू कर दिया है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3792

बायें से दायें:-

१. शाहरूख, अपूर्व अग्निहोत्री, महिमा की 'किसी रोज तुम से' गीत वाली फिल्म-४
४. 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली धर्मेन्द्र, जीनत अमान की फिल्म-४
६. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मुझे दुनियावलों शरबी' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
११. अजय, सैफ, विवेक, करीना, बिपाशा की 'बीड़ी जलई' गीतवाली फिल्म-४
१३. 'आ ये हसीना रात' गीत वाली जीतेंद्र, आदित्य, एकता की फिल्म-४
१६. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आँखों से दिल में' गीत वाली फराज खान, सुमन रंगनाथन की फिल्म-३
१८. दिलीपकुमार, सायरा की 'सारे शहर में आपसा कोई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'रात दुल्हन बनी चाँद दूल्हा बना' गीत वाली जीतेंद्र, बिस्वजीत, माला सिन्हा, मुमताज की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, संजीव, शर्मिला की 'जिंदगी है क्या बोलो' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'दिल गम से' गीत वाली विजय, सुरैया की फिल्म जो सुरैया की अंतिम फिल्म थी-२
२६. संजयदत्त, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम दीवानों को' गीत वाली फिल्म-२
२७. आमिर, ममता कुलकर्णी की 'बाजी' में मुख्यमंत्री विश्वासराव चौधरी की भूमिका किसने की थी-२,३
२८. सनी, सुनील शेट्टी, शिल्पा की 'कोई परी आती नहीं' गीत वाली फिल्म-२
२९. फिल्म 'सात रंग के सपने' में अरविंद स्वामी के साथ नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, शाहरूख, सुनील, रानी, जूही की फिल्म-३
२. 'दुनिया में ऐसा कहाँ सबका नसीब' गीत वाली फिल्म-३
३. नसीरूद्दीनशाह, पूजा भट्ट की फिल्म-२
४. 'आते जाते हुए मैं सब पे नजर' गीत वाली फिल्म-२
५. इंद्रकुमार, आयशा जुल्का की फिल्म-३
७. आर्यन वैद, सोनाली कुलकर्णी की मकरंद देशपांडे निर्देशित फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
१०. 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
११. अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-२
१२. 'लम्हा लम्हा जिंदगी है' गीत वाली फिल्म-४
१३. मोहित अहलावत, निशा की फिल्म-२
१४. 'ये वादा करो चाँद' गीत वाली फिल्म-४
१५. मनोज बाजपेयी, रेखा, करिश्मा की फिल्म-३
१६. 'हम दर्द के मारों का इतना ही' गीत वाली फिल्म-२
२०. धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा की फिल्म-३
२१. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली फिल्म-३
२२. आफताब शिवदासानी, अमीषा पटेल, एशा देओल की फिल्म-४
२३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली फिल्म-३
२४. जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२५. 'इंतहा हो गई इंतजार की' गीत वाली अमिताभ, जया प्रदा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3791

सूडोकु -3792

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3791 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्द पहेली - 3792

बाएँ से दाएँ

1.सरदार,अगुआ-4
5.जनमत,एक राय-4
9.पुराना जुकाम-3
10.चिंता,परवाह-3
12.पैंदा,तल्ला-2
14.ताल,सुर,आलाप-2
15.महोदय (अंग्रेजी-2)
16.लाडला,दुलारा-2
17.निवास करना-3
19.डोली उठाने वाले-3
21.नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22.तड़फाना-4
24.जल में रहनेवाला-4
25.दरियादिल,करुण-5
26.इराक की राजधानी-4
29.भेंट,पुरस्कार-4
33.पासों से भविष्य देखना-3
34.अश्ववाहक,घुड़सवार-3
36.चौकसी,रखवाली-3
37.हलक,कंठ-2
38.सदैव-2
39.लार -2
42.निश्चित-2
42.कालीन-3
43.बंदर,मर्कट-3
45.किसान-4
46.इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे

2.क्रिकेट में बनते हैं-2
3.नगमा,गीत (उर्दू-3)
4.जो लायक न हो-4
5.अधिकारी,अफसर-4
6.राशिचक्र की एक राशि -3
7.झगड़ा,बैर-2
8.आदत,व्यवहार-4
11.शमशीर-4
13.तरंग,हिलोर-3
16.तृष्णा,लोभ-3
18.अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20.जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21.नीर,पानी-2
23.देवर्षि-3
24.ईर्ष्या,डाह-3
26.वटवृक्ष-4
27.जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28.दलहन-2
30.मंत्र जाप-2
31.तसल्ली,आराम-3
32.भगवान विष्णु-4
34.धर्मशीलता-4
35.पैजामा-4
38.तमीज-3
40.साजन,प्रेमपात्र-3
42.पहरा,चौकसी-2
44.अवकाश-2

शब्द पहेली -3791 का हल

सुपरटेक के 51 हजार फ्लैट बायर्स को राहत

सुप्रीम कोर्ट ने सुपरटेक के 16 प्रोजेक्ट को एनबीसीसी को बनाने का आदेश दिया

नोएडा। सुप्रीम कोर्ट ने सुपरटेक मामले में घर खरीदारों को बड़ी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी विशेष शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए NCLAT के उस आदेश को बरकरार रखा है, जिसमें एनबीसीसी को सुपरटेक की रुकी हुई परियोजनाओं को पूरा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

यानी अब ये तय हो गया है कि सुपरटेक के सभी 16 प्रोजेक्ट का निर्माण एनबीसीसी करेगा। जिसमें उसे 51 हजार फ्लैट बनाने होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण को उनका बकाया भुगतान तभी मिलेगा, जब घर खरीदारों को उनके फ्लैट मिल जाएंगे। इन फ्लैट के आसपास सभी प्रकार की यूटिलिटी को भी शामिल किया गया है।

परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने अन्य सभी ट्रिब्यूनल और हाई कोर्ट पर भी रोक लगा दी है। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि कोई भी अन्य न्यायिक निकाय ऐसा कोई आदेश पारित नहीं करेगा जिससे एनबीसीसी द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की बाधा आए।

इन प्रोजेक्ट पर होगा काम

इकोविलेज-3, स्पोर्टस विलेज, इकोसिटी, नाथआई, अपकंट्री, इकोविलेज-1, मेरठ स्पोर्टस सिटी, ग्रीन विलेज, हिलटाउन, अरावली, रिवर फ्रेंष्ट, इकोविलेज, केपटाउन आदि प्रोजेक्ट शामिल है। जिनको पूरा करने की जिम्मेदारी अब एनबीसीसी को होगी।

नोएडा के 20 हजार बायर्स को फायदा

नोएडा, ग्रेटर नोएडा, ग्रेटर नोएडा वेस्ट, गुरुग्राम, देहरादून, मेरठ के प्रोजेक्ट है। इन प्रोजेक्ट्स में से ज्यादातर में लंबे समय से काम लटका हुआ है। इन प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए करीब 9945 करोड़ रुपए का खर्च होंगे। हालांकि सुपरटेक के कुल 16 प्रोजेक्ट है। नोएडा ग्रेटरनोएडा और ग्रेनो वेस्ट के करीब 20 से 25 हजार बायर्स को फायदा होगा। उन्हे सपनो का आशियाना मिलेगा।

जल्द शुरू कर सकती है निर्माण

निर्माण कार्य जल्द शुरू किया जा सकता है। इससे पहले कंपनी को एक एस्क्रो खाता खोलना होगा। ये खाता एनबीसीसी और आईआरपी दोनों की निगाह में रहेगा। इसी खाते से पैसा निर्माण में खर्च किया जाएगा। इस फैसले के बाद घर खरीदार, एक-दूसरे को बधाई दे रहे हैं।

रेरा के मानदंडों पर फैसला

एनबीसीसी के आने से अटके हुए प्रोजेक्ट्स में निर्माण को गति मिलेगी और घर खरीदारों के हितों की भी रक्षा होगी। रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण के मानदंडों के अनुरूप ही यह निर्णय लिया गया है। जानकारों का मानना है कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से रियल ऐस्टेट के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा। इससे घर निवेशकों और खरीदारों का भरोसा बढ़ेगा।

गौतमबुद्ध नगर में छह जल चौकियां बनाई जाएंगी

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने कमिश्नरेट क्षेत्र में छह जल पुलिस चौकियां स्थापित करने का निर्णय लिया है। इसका उद्देश्य धार्मिक स्थलों, घाटों और जल पर्यटन स्थलों पर आने वाले नागरिकों की सुरक्षा और राहत कार्यों को बेहतर करना है। पुलिस की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि कमिश्नरेट क्षेत्र में धार्मिक आयोजनों श्रावण मास की कांवड़ यात्रा, छठ पूजा, दुर्गा पूजा एवं अन्य पर्वों के दौरान घाटों पर भारी भीड़ एकत्रित होती है। इस दौरान दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। इन्हीं परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए जल पुलिस चौकियों की स्थापना आवश्यक हैं।प्रत्येक जल पुलिस चौकी आधुनिक उपकरणों से लैस होगी। जिनमें प्रशिक्षित जनशक्ति, रबरयुक्त बचाव नौकाएं, प्रशिक्षित नाव चालक, स्थानीय गोताखोर एवं आपदा मित्र उपलब्ध रहेंगे। प्रशिक्षण एवं वित्तीय सहयोग राहत आयुक्त कार्यालय द्वारा प्रदान किया जाएगा। इसका उद्देश्य जल पुलिस चौकी क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था की कमी के कारण उत्पन्न होने वाली आकस्मिक घटनाओं पर त्वरित बचाव कार्य करना तथा घाटों, नहरों और जल पर्यटन स्थलों पर श्रद्धालुओं और नागरिकों की सुरक्षा, बचाव और राहत कार्यों को प्रभावी ढंग से सुनिश्चित करना है। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के नेतृत्व में यह पहल जल सुरक्षा, जन सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे श्रद्धालुओं एवं नागरिकों की सुरक्षा प्रभावी रूप से सुनिश्चित की जा सकेगी।

तैनात कर्मियों की ये होंगी जिम्मेदारी जल पुलिस चौकियों पर तैनात कर्मियों की जिम्मेदारी भी तय की गई हैं। घाटों पर शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखना। भीड़ प्रबंधन, बैरीकेडिंग एवं बचाव कार्य, नौकाओं पर निर्धारित क्षमता के अनुसार संचालन और स्थानीय नाविकों, गोताखोरों एवं आपदा मित्रों से समन्वय स्थापित करना होगा।

नोएडा में सुपरवाइज़र-तीन सफाईकर्मी की सेवा समाप्त

▸ सफाई में लापरवाही बरतने पर एक्शन, ठेकेदार कंपनी पर लगाया 50 हजार का जुर्माना

नोएडा। सफाई व्यवस्था में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ प्राधिकरण सख्त हो गया है। संविदाकार की ओर से की गई लापरवाही के लिए एक्समैन राधव सिक्योरिटी सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड पर 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। जन स्वास्थ्य विभाग एपीई का स्पष्टीकरण मांगा गया। जेई को चेतावनी जारी की गई है।

क्षेत्र में तैनात तीन सफाईकर्मियों की सेवा समाप्त की गई। इसके साथ ही कार्यरत सुपरवाइजर कपिल की सेवाएं भी समाप्त करने के आदेश जारी किया गया है।

प्राधिकरण सीईओ कृष्णा करुणेश के निर्देश पर ये कार्रवाई की गई है।

दरअसल, अधिकारियों ने सेक्टर-81, ग्राम भूड़ा, नगला चरणदास में औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान कूड़े के ढेर जगह जगह पाया गया। नालियां बंद थी। सीवर का गंदा पानी सड़क पर ओवर फ्लो होकर बह रहा था।

इससे नाराज अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि विभिन्न मार्गों / सेक्टरों / ग्रामों / मुख्य नालों में मुख्य कार्यपालक अधिकारी के निर्देशों के क्रम में गहन सफाई अभियान चलाया जा रहा है।

इसमें विभिन्न मार्गों से कूड़े का रोजाना निवारण, नालियों से फ्लोटिंग मैटेरियल के निवारण व डोर टू डोर कलेक्शन का कार्य भी प्रत्येक गांव, प्रत्येक सेक्टर में कर समस्त क्षेत्र को कवर करने के निर्देश दिए गए है लेकिन इसका पालन नहीं होते पाया गया है।

नोएडा प्राधिकरण की नई स्कीम लॉन्च, नीलामी से होगा आवंटन

कॉर्पोरेट ऑफिस से लेकर होटल और ग्रुप हाउसिंग बनाने का मौका

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण ने कॉर्पोरेट ऑफिस, होटल, कमर्शियल बिल्डर और ग्रुप हाउसिंग के लिए नई प्लाट स्कीम लॉन्च की है। स्कीम के तहत 5 फरवरी से आवेदन किए जा सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 26 फरवरी शाम 5 बजे तक तय की गई है। सभी प्लाटों का आवंटन ई-ऑक्शन के जरिए किया जाएगा।

नोएडा में कॉर्पोरेट ऑफिस निर्माण के लिए 10 प्लाटों की स्कीम लाई गई है। इनमें 9 प्लाट 1000-1000 वर्गमीटर और एक प्लाट 4002.62 वर्गमीटर का है। ये सभी प्लाट सेक्टर-153 में स्थित हैं।

पंजीकरण प्राधिकरण की वेबसाइट पर 29,500 रुपए में कराया जा सकता है। इन प्लाटों की कीमत 1.08 करोड़ रुपए से लेकर 4.41 करोड़ रुपए तक रखी गई है।

धार्मिक स्थल के लिए भी मौका

धार्मिक उपयोग के लिए प्राधिकरण ने दो प्लाटों की स्कीम निकाली है। ये प्लाट सेक्टर-15ए और सेक्टर-93बी में स्थित हैं, जिनका उपयोग मंदिर निर्माण के लिए किया जा सकता है। इन प्लाटों के लिए 23,600 रुपए में पंजीकरण कराया जा सकता है। प्लाटों की कीमत 2.7 करोड़ और 4.1 करोड़ रुपए तय की गई है। इनका आवंटन साक्षात्कार के जरिए किया जाएगा।

छोटे और बड़े दोनों साइज के कमर्शियल प्लाट

कमर्शियल बिल्डरों के लिए कुल छह प्लाटों की स्कीम लाई गई है। ये प्लाट सेक्टर-96 (एच-03), सेक्टर-98 (एच-08, एच-09), सेक्टर-62 (ए-06), सेक्टर-108 (कमर्शियल-01) और सेक्टर-132 (कमर्शियल-01) में स्थित हैं।

इन प्लाटों का साइज 22 हजार से 49 हजार वर्गमीटर तक है और इनका आवंटन ई-नीलामी के जरिए किया जाएगा।

इसके अलावा 5 हजार से 14 हजार वर्गमीटर तक के छोटे कमर्शियल प्लाट भी सेक्टर-61, 142, 135, 126 और 135 में उपलब्ध हैं।

होटल बनाने का भी अवसर

नोएडा में होटल निर्माण के लिए भी छह प्लाटों की स्कीम लॉन्च की गई है। इन प्लाटों का साइज 2 हजार से 24 हजार वर्गमीटर तक है। ये प्लाट सेक्टर-93बी, 105, 135 और 142 में स्थित हैं। इनका रिजर्व प्राइस 1.41 लाख रुपए प्रति वर्गमीटर से 1.83 लाख रुपए प्रति वर्गमीटर तक तय किया गया है। होटल प्लाटों के लिए भी 26 फरवरी तक आवेदन किए जा सकते हैं और आवंटन ई-ऑक्शन के जरिए होगा।

ग्रुप हाउसिंग के लिए दो प्लाट

ग्रुप हाउसिंग के लिए सेक्टर-151 में जीएच-03 और जीएच-04 नाम से दो प्लाट निकाले गए हैं। दोनों प्लाटों का साइज 20 हजार वर्गमीटर है। इनका आवंटन भी ई-ऑक्शन के माध्यम से किया जाएगा। आवेदन की अंतिम तिथि 26 फरवरी तय की गई है।

नोएडा में 25-25 हजार के 2 इनामी बदमाश गिरफ्तार

दिल्ली-नोएडा में 50 से ज्यादा केस दर्ज, अगस्त में मुठभेड़ के बाद से थे फरार

नोएडा। नोएडा पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। दोनों पर 25-25 हजार का इनाम रखा गया था। दोनों ही बदमाश वांछित थे और घटना के बाद से फरार चल रहे थे। इनको पकड़ने के लिए लगातार दबिश दी जा रही थी।

थाना फेज-1 केस-1

नोएडा के थाना फेज-1 पुलिस ने 25 हजार के इनामी को गिरफ्तार किया है। इसका नाम गोलू उर्फ विनोद निवासी थाना कल्याणपुरी दिल्ली है। इसकी उम्र करीब 27 साल है। इसे नोएडा पुलिस ने सेक्टर-14ए से लोकल इंटेलिजेंस की सूचना पर पकड़ा है। इस पर 50 से ज्यादा मुकदमा दर्ज है।

पूछताछ के दौरान गोलू ने बताया कि वह अपने साथियों के साथ चोरी और स्नैचिंग जैसी घटना करता है। अधिकांश मामले में दिल्ली में रजिस्टर्ड है। ये आमतौर पर कंपनियों के बाहर या सड़क पर खड़े वाहनों की रैकी करता था और उन्हें चोरी कर फरार हो जाता है। इसके अलावा, चोरी किए गए वाहनों से ही स्नैचिंग की घटनाओं को अंजाम देता है।

गोलू उर्फ विनोद का साथी दानिश पुत्र मंजूर अली को 30 अगस्त 2025 को थाना फेस -1 पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया था। उसे जेल भेजा जा चुका है। जबकि गोलू मौके से फरार हो गया था। गोलू के खिलाफ दिल्ली और नोएडा में करीब 50 से अधिक मामले दर्ज है। वह थाना फेस -1, नोएडा के चोरी और पुलिस मुठभेड़ के मामलों में वांछित चल रहा है।

थाना सेक्टर-58 केस-2

थाना सेक्टर-58 पुलिस द्वारा मैनुअल इंटेलिजेंस व गोपनीय सूचना पर 25,000 के एक इनामी बदमाश नितिन उर्फ विपिन कठेरिया को सेक्टर-60 से गिरफ्तार किया। इसने अपने साथियों के साथ 26 अप्रैल 2025 को साथियों के साथ मिलकर प्राधिकरण की सेक्टर-60 स्थित नर्सरी से महिन्द्रा अर्जुन यूवो एवं महिन्द्रा 265 डीआई दो ट्रैक्टर चोरी किए थे।

इस मामले में सेक्टर-58 पुलिस ने पहले 03 बदमाशों को गिरफ्तार किया। उनकी निशानदेही पर चोरी गए दोनों ट्रैक्टरों के साथ एक अन्य चोरी का ट्रैक्टर, रैकी करने में प्रयुक्त चोरी की मोटरसाइकिल, एक वैगनआर कार तथा एक अवैध तमंचा बरामद किया गया। इसी घटना के बाद से बदमाश फरार था।

ग्रेटर नोएडा में अंतरराष्ट्रीय शूटर पर हमला

कार का पीछा कर दो बार मारी टक्कर, पुलिस ने गोली चलने से किया इनकार

ग्रेटर नोएडा। अंतरराष्ट्रीय शूटर शिवम ठाकुर ने ग्रेटर नोएडा में उनके ऊपर जानलेवा हमले का आरोप लगाया है। शिवम का कहना है कि बुधवार देर रात कार सवार युवकों ने उनकी गाड़ी का पीछा किया, दो बार टक्कर मारी और जान से मारने की नीयत से फायरिंग भी की। हालांकि पुलिस ने फायरिंग की घटना से इनकार किया है, लेकिन कार में टक्कर लगने की पुष्टि की है।

मामले को लेकर शिवम ठाकुर ने एक वीडियो जारी कर पुलिस प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। सेक्टर-168 निवासी शिवम ठाकुर पुत्र अरुण कुमार ठाकुर अंतरराष्ट्रीय स्तर के शूटर हैं।

उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिताओं में 30 से अधिक गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। उनके माता-पिता ईकोटेक-3 कोतवाली क्षेत्र के कुलेसरा गांव में रहते हैं।

शिवम ठाकुर के अनुसार, यह घटना बुधवार रात करीब 12 बजे हुई, जब वह अपनी ग्रैंड विटारा कार से सेक्टर-168 स्थित अपने घर से कुलेसरा में माता-पिता के पास जा रहे थे। कुलेसरा पुश्ते के पास बोलेरो सवार कुछ युवकों ने उनकी कार का पीछा करना शुरू कर दिया।

जेवर में फर्जी कागजात से करोड़ों का प्लॉट हड़पा

कोर्ट के आदेश पर 2 लोगों पर केस दर्ज

जेवर। ग्रेटर नोएडा के इकोटेक-1 कोतवाली क्षेत्र में करोड़ों रुपये के एक प्लॉट को फर्जी कागजात बनाकर हड़पने का मामला सामने आया है। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने गुरुवार को दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बुलंदशहर के लुहारली गांव निवासी सुरेंद्र और मुखराज ने शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनके पिता प्यारेलाल ने वर्षों पहले ग्रेटर नोएडा के चूहड़पुर गांव में जमीन खरीदी थी। इस जमीन का अधिग्रहण बाद में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने कर लिया था।

अधिग्रहण के बदले प्राधिकरण ने मुआवजे के साथ 5 प्रतिशत आबादी भूखंड के तहत करीब 1260 वर्ग मीटर का एक प्लॉट आवंटित किया था। आरोप है कि चूहड़पुर गांव निवासी सतीश कसाना और हरीश कसाना ने इस करोड़ों रुपये के प्लॉट के फर्जी दस्तावेज तैयार कर उसे अपने नाम दर्ज करा लिया।

जब पीड़ित पक्ष को इस धोखाधड़ी की जानकारी हुई, तो उन्होंने इसका विरोध किया। आरोप है कि आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी।

पीड़ितों ने पहले स्थानीय पुलिस और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से शिकायत की थी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने न्याय के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

कोर्ट के आदेश पर इकोटेक-1 कोतवाली में आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया है। कोतवाली प्रभारी अरविंद वर्मा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बिल्डर साइट पर कर्मचारी को पीटा

जेवर। ग्रेटर नोएडा के यमुना प्राधिकरण के सेक्टर 22 डी स्थित चपरगढ़ गांव के पास एक बिल्डर साइट पर गुरुवार को एक कर्मचारी की पिटाई कर दी गई। असामाजिक तत्वों ने उसे निर्माण कार्य न करने की धमकी भी दी। पीड़ित ने दनकौर कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है और उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। दिल्ली के रोहिणी निवासी अजय कुमार, जो रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र में रहते हैं, ने बताया कि उनकी कंपनी को चपरगढ़ गांव के पास 10 एकड़ में हाईराइज बिल्डिंग बनाने का टेंडर मिला है। बुधवार को वह अपनी टीम के साथ साइट पर निर्माण कार्य शुरू करने की तैयारी कर रहे थे। आरोप है कि इसी दौरान कुछ असामाजिक तत्व वहां पहुंचे और निर्माण कार्य रोकने की धमकी देने लगे। उन्होंने निर्माण कार्य का ठेका लेने के लिए दबाव बनाया। जब अजय कुमार ने इसका विरोध किया, तो उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट की गई। वहां मौजूद अन्य लोगों ने उन्हें बचाया।

यमुना एक्सप्रेसवे के नजदीक किसानों की महापंचायत

मुआवजे पर प्राधिकरण का आश्वासन, 2 मार्च तक कार्रवाई न होने पर धरने की चेतावनी

जेवर। भारतीय किसान यूनियन (कृषक शक्ति) ने गुरुवार को यमुना एक्सप्रेसवे के रौनीजा अंडरपास के पास एक किसान महापंचायत का आयोजन किया। इसमें सैकड़ों किसानों ने हिस्सा लिया और अतिरिक्त मुआवजे सहित विभिन्न मांगों को उठाया।

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमन ठाकुर ने यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र के किसानों के लिए 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजे का मुद्दा प्रमुखता से उठाया।

अन्य मांगों में दस प्रतिशत आबादी भूखंड, 2013 के कृषि कानून को लागू करना और सर्किल रेट बढ़ाना शामिल था।

महापंचायत में मौजूद यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से घोषणा की कि 28 फरवरी से मुआवजे का वितरण शुरू कर दिया जाएगा।

नीतिगत मुद्दों, जैसे आबादी प्लॉट और सर्किल रेट बढ़ाने पर, अधिकारियों ने संगठन के साथ जल्द ही एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित करने का वादा किया।

कृषक शक्ति संगठन ने स्पष्ट किया है कि यदि 2 मार्च तक अन्य मांगों पर संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई, तो प्राधिकरण कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा। महापंचायत में प्राधिकरण के ओएसडी अभिषेक साही, ओएसडी शिव अवतार, जेवर एसडीएम अभय कुमार सिंह और जेवर एसीपी सार्थक सेंगर सहित कई अधिकारी मौजूद थे। इन अधिकारियों ने किसानों से वार्ता कर सभी मांगों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया।

शार्ट न्यूज

ग्रेटर नोएडा में ग्राम प्रधान पर केस दर्ज

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र के राजपुर कलां गांव में ग्राम प्रधान और उसके भाई के खिलाफ पड़ोसी से मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने गुरुवार को दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। गांव निवासी सतीश शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बुधवार रात वह अपने घेर में मिट्टी का भराव कर रहे थे। इसी दौरान गांव के ग्राम प्रधान गौरव भाटी और उसका भाई सौरभ वहां पहुंचे। आरोप है कि दोनों ने सतीश से उनका घेर किराए पर देने की बात कही। जब पीड़ित और उसके परिजनों ने घेर किराए पर देने से इनकार कर दिया, तो आरोपी भड़क गए। पीड़ित का आरोप है कि इसके बाद ग्राम प्रधान और उसके भाई ने उनके साथ गाली-गलौच की और मारपीट शुरू कर दी। शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित ने कोतवाली पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई।

घर के सामने से डंपर निकालने पर दो पक्ष भिड़े

ग्रेटर नोएडा। नॉलेज पार्क कोतवाली क्षेत्र के झट्टा गांव में घर के सामने से मिट्टी से भरे डंपर निकालने को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। इससे तीन लोग घायल हो गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति पर काबू पाया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक झट्टा गांव निवासी सागर भाटी के परिवार में कुछ दिन बाद मांगलिक कार्यक्रम होना है। कार्यक्रम में आने वाले लोगों के बैठने के इंतजाम के लिए सागर अपने एक खाली भूखंड में डंपर से मिट्टी डलवा रहे थे। मिट्टी भरे डंपर सुंदर के घर के सामने की निकल रहे थे।सुंदर ने घर के सामने से डंपर निकालने का विरोध किया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे चले। एक पक्ष के तीन लोगों को चोटें आईं। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मामले में पीड़ित पक्ष की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

महामाया फ्लाइओवर के पास कार में लगी

नोएडा। नोएडा के महामाया फ्लाइओवर के पास एक कार में आग लग गई। आग की वजह शॉट सर्किट बताई गई। बोनट से कार का धुंआ देखते ही कार चालक गाड़ी से उतर गया। वहां मौजूद लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दमकल विभाग को दी। मौके पर दमकल की एक गाड़ी पहुंची। 20 मिनट में आग पर काबू पाया गया। इस दौरान यातायात को दो लेन से होकर निकाला गया। कार नोएडा से ग्रेटरनोएडा की ओर जा रही थी। इसी दौरान महामाया फ्लाइओवर के पास कार में आग लगी। आग लगते ही चालक ने कार को साइड किया और उतर गया। इसके बाद दमकल की एक गाड़ी पहुंची। लेन को बंद किया गया और पानी के जरिए कार में लगी आग को बुझा दिया गया। कार जलकर राख हो गई। किसी के हताहत होने की सुचना नहीं है।

घर में घुसकर दो भाइयों पर हमला

ग्रेटर नोएडा। कासना कोतवाली क्षेत्र के लड़पुरा गांव में पड़ोसियों ने घर में घुस कर दो भाइयों पर जानलेवा कर दिया। दोनों भाइयों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक लड़पुरा गांव निवासी वीरेंद्र कुमार ने बताया कि वह तीन फरवरी की शाम अपने घर में था। आरोप है कि इसी दौरान गांव के सतेंद्र, राकी, जसराम और मयंक लाडी ठंडे और लोहे की रॉड लेकर उनके घर में घुस आए। गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में वीरेंद्र कुमार और उसका भाई ललित गंभीर रूप से घायल हो गए।आरोपी धमकी देकर वहां से भाग गए। हमले में घायल दोनों भाइयों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

भूखंड दिलाने के नाम पर ठगी, दो लोगों पर मुकदमा

नोएडा। कंपनी के प्रतिनिधि समेत दो लोगों ने भूखंड दिलाने के नाम पर एक व्यक्ति से चार लाख 61 हजार रुपये की ठगी कर ली। शिकायत पर सेक्टर-113 थाने की पुलिस ने दो नामजद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। दिल्ली के आरके पुरम निवासी अभिनव कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वर्ष 2016 में उन्होंने एक प्रॉपर्टी प्रोजेक्ट में भूखंड खरीदने के लिए आवेदन किया था। भूखंड उन्हें मेसर्स निया कंस्ट्रक्शन से मिलना था। आरोप है कि उन्हें नोएडा के ग्राम सफीपुर में भूखंड दिलाने का भरोसा दिया गया। इस दौरान आरोपी पक्ष के रविंद्र अग्रवाल ने उनसे किस्तों में चार लाख 61 हजार रुपये ले लिए।19 जनवरी 2016 को बुकिंग के तौर पर 11 हजार रुपये जमा कराए गए। इसके बाद 21 जनवरी 2016 को 1.25 लाख रुपये, 29 जनवरी को 1.75 लाख रुपये, 29 फरवरी को एक लाख रुपये तथा 29 मार्च को 50 हजार रुपये जमा कराए गए।

घर से चोर को रंगे हाथ दबोचा, भेजा जेल

नोएडा। सेक्टर-39 थाना क्षेत्र स्थित एक फ्लैट से चोरी कर रहे युवक को मकान मालिक ने दबोच लिया। उसके पास से चोरी का सामान बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। सेक्टर-104 स्थित स्मार्ट होम में रहने वाले तनवीर सिंह ने पुलिस को बताया कि चार फरवरी की शाम करीब चार बजे अज्ञात व्यक्ति उनके घर में घुस आया। उसने घर की अलमारी से सामान चोरी कर लिया। आहट हुई तो शिकायतकर्ता उस कमरे में जाने लगे, जिसमें चोर घुसा हुआ था। तनवीर को देखते ही चोर भागने लगा। शोर मचाते हुए चोर का पीछा किया और उसे दबोच लिया।पहचान पूछने पर आरोपी ने अपनी पहचान जिला बुलंदशहर के कस्बा शिकारपुर निवासी शाहरुख के रूप में हुई बताई। उसने बताया कि वह वर्तमान में सेक्टर-49 स्थित बरौला गांव में किराए पर रहता है। उसके पास से 8500 रुपये, आठ ऑस्ट्रेलियन डॉलर, सोने के दो कड़े, दो ब्रेसलेट, झुमके, एक अंगूठी, 20 ग्राम चांदी का सिक्का बरामद हुआ।

रेकी कर बाइक चुराने वाले बदमाश गिरफ्तार

नोएडा। सेक्टर-39 थाने की पुलिस ने रेकी करने के बाद बाइक चुराने वाले गिरोह का गुरुवार को पर्दाफाश कर तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। बदमाशों की निशानदेही पर चोरी की बाइक और तमंचा बरामद हुआ। एडिशनल डीसीपी शैव्या गोयल ने बताया कि बीते दिनों थाना क्षेत्र से एक बाइक चोरी हुई थी। मामला संज्ञान में आते ही थाना प्रभारी की अगुवाई में एक टीम वारदात करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करने के लिए बनाई गई। टीम गुरुवार को जब सेक्टर-37 में गश्त कर रही थी, तभी मुखबिर से सूचना मिली कि पास में ही चोरी की बाइक के साथ तीन युवक खड़े हैं।सभी बाइक चोरी करने की योजना बना रहे हैं। पुलिस ने मुखबिर द्वारा बताए स्थान पर पहुंचकर तीनों संदिग्धों को दबोच लिया। पूछताछ में संदिग्धों ने बताया कि वे वाहन चुराते हैं। चोरी के बाइक से वे रेकी करने आए थे। आरोपियों की पहचान हरियाणा के गुरुग्राम निवासी 22 वर्षीय प्रदीप, 24 वर्षीय आकाश और 19 वर्षीय करन के रूप में हुई।

कैंसर जांच से जुड़ीं मशीन बनाने के लिए समझौता

ग्रेटर नोएडा। लखनऊ में आयोजित फार्मा कॉन्क्लेव में मेडिकल डिवाइस पार्क का दबदबा रहा। कॉन्क्लेव में यमुना प्राधिकरण (यीडा) और कैंसर उपकरण बनाने वाली कंपनी शुक्रा फार्मास्यूटिकल के बीच समझौता हुआ। कंपनी मेडिकल डिवाइस पार्क में 10 एकड़ में अपनी इकाई लगाएगी और उन्नत एवं जीवनरक्षक चिकित्सा तकनीकों का निर्माण करेगी। फार्मा कॉन्क्लेव में यीडा सीईओ आरके सिंह और एसीईओ शैलेंद्र भाटिया ने शिरकत की। यहां शुक्रा फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड और यीडा के बीच समझौता हुआ। यह अत्याधुनिक सुविधा बीएनसीटी का उत्पादन करेगी, जिसे कैंसर रोगों से जूझ रहे मरीजों के लिए सबसे उन्नत उपचार पद्धतियों में से एक माना जाता है।इस संयंत्र में रेडियोलॉजी एवं इमेजिंग उपकरणों की श्रृंखला का निर्माण किया जाएगा।

उन्नाव में पति-पत्नी और 2 बच्चों की मौत

ट्रक ने बाइक को टक्कर मारी, फिर रौंदता हुआ निकला; शव खुरच कर निकाले

उन्नाव। उन्नाव में तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार पति-पत्नी और दो बच्चों टक्कर मार दी। चारों को कुचलते हुए निकल गया। ट्रक ड्राइवर कंटेनर को टक्कर मारने के बाद बचने के लिए भाग रहा था। परिवार की बड़ी बेटी पीछे से आ रहे साढ़ू की बाइक पर बैठी थी, जिससे वह बच गई। अब परिवार में सिर्फ तीन बेटियां बची हैं।

हादसे में सभी की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रक के पहियों के नीचे आने से शव बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। मांस के लोथड़े सड़क पर फैल गए। पुलिस ने खुरच-खुरच कर शवों को सड़क से उठाया और पॉलीथिन में पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

बाइक भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन समेत फरार हो गया। बाद में उसे पकड़ लिया गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने हाईवे पर पड़े शवों को हटवाकर यातायात सामान्य कराया। हादसा बुधवार देर रात जिला मुख्यालय से 40 किलोमीटर दूर सोहरामऊ थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे पर हुआ। परिवार में अब सिर्फ तीन बेटियां बची हैं।

अजगैन कोतवाली के रहने वाले वीरेंद्र (35) परिवार के साथ बुधवार को लखनऊ के बंथरा थानाक्षेत्र के दयालपुर बेती बंथरा गांव में वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। कार्यक्रम समापन के बाद रात में बाइक पर पत्नी रीतू (33), बेटी अनुराधा (9) और बेटे रुद्र (6) के साथ बाइक से घर लौट रहे थे।

दूसरी बाइक पर उनकी बड़ी बेटी नैना (14) साढ़ू रंजीत के साथ बैठी थी। वीरेंद्र बाइक से आगे चल रहे थे। भल्ला फार्म तिराहे के पास पीछे आ रहे साढ़ू रंजीत को न देख बाइक रोक दी और उसका इंतजार करने लगा। तभी एक तेज रफ्तार ट्रक ने आगे चल रहे कंटेनर में टक्कर मार दी, जिससे कंटेनर हाईवे पर पलट गया।

भागने के प्रयास में ट्रक अनियंत्रित होकर बाइक सवार परिवार को कुचल दिया। हादसे में दंपती और उसके दो बच्चों की मौत हो गई। हादसे की सूचना पर पुलिस पहुंची और आनन फानन शवों को किनारे कराया। थानाध्यक्ष अरविंद पांडेय ने बताया कि चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

आगरा : भाई ने बहन के सिर में मारी गोली, मौत

आगरा। आगरा में भाई ने अपनी बहन के सिर में गोली मारकर हत्या कर दी। वह बिजली ठीक करने का बहाना बनाकर देर रात में दरवाजा खुलवाया। जैसे ही दरवाजा खुला, उसने तमंचे से फायर कर दिया। गोली लगते ही महिला की मौके पर ही मौत हो गई।

हत्या के बाद आरोपी अपने दो दोस्तों के साथ फरार हो गया। बुधवार देर रात हुई यह वारदात शाहगंज थाना क्षेत्र के अर्जुन नगर की है। आरोपी की पहचान हरि सिंह के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, रुपए के लेन-देन को लेकर भाई-बहन के बीच काफी दिनों से विवाद चल रहा था।

ताजगंज का रहने वाला हरि सिंह बिजली का काम करता है। करीब चार साल पहले वह एक मामले में जेल गया था। बताया जा रहा कि जेल जाने के पहले उसने अपनी बड़ी बहन अनीता को कुछ रुपए और गहने दिए थे।

जेल से बाहर आने के बाद हरि सिंह ने अपनी बहन से गहने और रुपए मांगे। बहन ने बताया कि उसकी जमानत में काफी रुपए लगे। उसने पास रखे रुपए के अलावा गहने बेचकर उसकी जमानत कराई।

बहन के जवाब से भाई बिफर गया। दोनों के बीच काफी झगड़ा हुआ। इसके बाद से आए दिन दोनों के बीच गहने और रुपए के लिए झगड़े होते रहे। पड़ोसियों व रिश्तेदारों की माने तो भाई-बहन में कई बार विवाद हुआ और उसने बहन पर जानलेवा हमला किया।

मेरठ में स्कूल बस की टक्कर, दो दोस्तों की मौत

एक्सप्रेसवे अंडरपास के पास हादसा, 10 फीट दूर जा गिरे; चालक बस छोड़कर फरार

मेरठ। मेरठ में एक भीषण सड़क हादसा हो गया। खरखौदा-मुंडाली मार्ग पर एक्सप्रेसवे अंडरपास के पास बीआर इंटरनेशनल स्कूल कैली की बस ने सामने से आ रही बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दो दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों उछल कर 10 फीट दूर जा गिरे।

बस चालक मौके से फरार हो गया है। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है। हादसा खरखौदा थाना क्षेत्र के बिजौली का है।

गाजियाबाद के भोजपुर थाना क्षेत्र के गांव त्योड़ी निवासी सुहेल (25) पुत्र अंजार अपने दोस्त फैजान (24) पुत्र जब्बार के साथ पैशन प्रो बाइक से अजराड़ा की ओर जा रहे थे। जैसे ही वे बिजौली के पास गंगा एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर पहुंचे, सामने से आ रही एक स्कूल बस से उनकी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े।

राहगीरों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। दोनों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया। सुहेल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और फैजान को मेरठ के सरस अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों का पंचनामा भर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। बस की पहचान एक बीआर इंटरनेशनल कैली की बस के रूप में होने की बात सामने आई है।

जिलाधिकारी का चीनी मिल व विकासखंड कार्यालय का औचक निरीक्षण

किसानों की सुविधाओं, गन्ना तौल व मतदाता पुनरीक्षण कार्य का लिया जायजा

पीलीभीत। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने बीसलपुर क्षेत्र में विभिन्न सरकारी संस्थानों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बीसलपुर चीनी मिल, विकासखंड कार्यालय बीसलपुर तथा मतदाता विशेष पुनरीक्षण-2026 के अंतर्गत चल रही सुनवाई प्रक्रिया का निरीक्षण किया।

चीनी मिल में किसानों से ली सुविधाओं की जानकारी

जिलाधिकारी ने चीनी मिल में गन्ना से भरी ट्रालियों की तौल कराई और वहां मौजूद किसानों से पेयजल, रात्रि विश्राम, गन्ना तौल तथा अन्य सुविधाओं के संबंध में फीडबैक लिया।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गन्ना पर्चियां नियमित रूप से जारी की जाएं, ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो और सभी किसानों का गन्ना समय से तौल कराया जा सके।

उन्होंने अब तक किए गए गन्ना भुगतान की स्थिति की जानकारी भी ली और भुगतान प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए।

विकासखंड कार्यालय में साफ-सफाई व अभिलेखों पर जोर

इसके बाद जिलाधिकारी ने विकासखंड कार्यालय बीसलपुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कैंटीन, कार्यालय कक्ष, सभागार और विभिन्न पटल देखे। उन्होंने पत्रावलियों को व्यवस्थित रखने और कार्यालय परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। खंड विकास अधिकारी के आवासीय भवन की जानकारी लेते हुए बताया गया कि वहां रंगाई-पुताई का कार्य प्रगति पर है।

मतदाता विशेष पुनरीक्षण कार्य की जांच

जिलाधिकारी ने विधानसभा बीसलपुर के उच्च प्राथमिक विद्यालय में चल रहे विशेष पुनरीक्षण-2026 के अंतर्गत नो-मैपिंग मतदाताओं को नोटिस के क्रम में की जा रही सुनवाई प्रक्रिया का भी निरीक्षण किया।

उन्होंने अब तक प्राप्त फार्मों की जानकारी ली और उपस्थित नोटिस प्राप्तकर्ताओं से संवाद कर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर प्रक्रिया पूर्ण करने की अपील की, जिससे किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से न छूटे।

निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी बीसलपुर, खंड विकास अधिकारी बीसलपुर, चीनी मिल के अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

22 फरवरी को पीलीभीत में मेगा विधिक सहायता शिविर, 14 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत

सफल आयोजन के लिए 7 फरवरी को विभागीय अधिकारियों की बैठक

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश पर जनपद पीलीभीत में आगामी दिनों में विधिक सहायता से जुड़े दो बड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके तहत 22 फरवरी 2026 को मेगा/वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर तथा 14 मार्च 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तृतीय सचिव सतीश कुमार ने बताया कि उक्त कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए 7 फरवरी 2026 को सायं 4 बजे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पीलीभीत के विश्राम कक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी।

लाभार्थियों की सूची के साथ उपस्थित होने के निर्देश

उन्होंने बताया कि सभी संबंधित विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया गया है कि वे 22 फरवरी को आयोजित होने वाले मेगा विधिक सहायता शिविर में लाभ प्राप्त करने वाले पात्र लाभार्थियों की सूची तैयार कर बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित हों। इससे शिविर के दौरान आमजन को अधिकतम लाभ प्रदान किया जा सकेगा।

मेगा विधिक सहायता शिविर में गरीब, असहाय, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, श्रमिकों और अन्य पात्र वर्गों को निशुल्क कानूनी सहायता, परामर्श तथा योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा।

वहीं राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से लंबित वादों का आपसी सुलह-समझौते के आधार पर त्वरित निस्तारण किया जाएगा।

प्राधिकरण ने सभी विभागों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि समन्वय के साथ कार्य करने से इन कार्यक्रमों को सफल बनाया जा सकता है।

11वीं के छात्र ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

ललितपुर। ललितपुर के मोहल्ला नेहरू नगर में गुरुवार शाम एक 11वीं कक्षा के छात्र ने अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने उसे तत्काल फंदे से नीचे उतारा और उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान 16 वर्षीय हर्ष रैकवार पुत्र मनमोहन के रूप में हुई है। वह राजकीय इंटर कॉलेज में कक्षा 11 का छात्र था और अपने दो भाइयों में छोटा था। घटना के बाद से परिवार में शोक का माहौल है। परिजनों के अनुसार, गुरुवार शाम करीब चार बजे हर्ष अपने ऊपर वाले कमरे में था। कुछ देर बाद उसकी मां ने उसे दूध लाने के लिए आवाज दी, लेकिन वह घर में नहीं दिखा।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 वर्ष का कठोर कारावास

ललितपुर । पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 लखनऊ के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक द्वारा जनपद में चिन्हित अभियोगो में अपराधियों को शीघ्र अधिक से अधिक सजा दिलाये जाने हेतु प्रभावी पैरवी के लिये सम्बन्धित थाना प्रभारी व पैरोकारों को निर्देशित किया गया था । इसी क्रम में अभियुक्त बलराम पुत्र मुलू निवासी ग्राम ककरूआ थाना नाराहट जनपद ललितपुर के विरूद्ध कोतवाली ललितपुर जनपद ललितपुर में मु0अ0सं0 614/2019 धारा 376,363,366 भादवि व ङ पाक्सो एक्ट का अभियोग पंजीकृत हुआ था । जिसमे डेडीकेटेड टीम गठित कर वैज्ञानिक व तथ्यपरक साक्ष्यों के आधार पर समयवद्ध व गुणवत्तापूर्ण विवेचना संपादित कर अभियुक्त उपरोक्त के विरूद्ध आरोप पत्र माननीय न्यायालय प्रेषित किया गया था ।पुलिस अधीक्षक द्वारा उपरोक्त प्रकरण की निरन्तर प्रभावी पैरवी करवायी गयी जिसमें कोतवाली ललितपुर पुलिस, कोर्ट पैरोकार व अभियोजन पक्ष के द्वारा अथक प्रयास एवं प्रभावी पैरवी करते हुए दिनांक 05.02.2026 को माननीय न्यायालय DJ/पाक्सो जनपद ललितपुर द्वारा अभियुक्त बलराम उपरोक्त को दोषी पाते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा व 23,000/-रूपये की धनराशि के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया

वाराणसी एयरपोर्ट पर चेकिंग में पकड़े गए चार कारतूस

वाराणसी। वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गुरुवार शाम सुरक्षा जांच के दौरान उस समय हड़कंप मच गया, जब एक यात्री के हैंड बैग से चार जिंदा कारतूस बरामद हुआ।

सीआईएसएफ के जवानों ने तत्काल यात्री को पकड़कर पूछताछ शुरू कर दी। पूछताछ के बाद यात्री को सीआईएसएफ द्वारा पुलिस को सौंपा गया। हालांकि, बाद में यात्री द्वारा वैध शस्त्र लाइसेंस दिखाया गया और भूलवश कारतूस लेकर आने की बात स्वीकार किया। घटना शाम करीब 05 : 10 बजे की है। बलिया जनपद के बेल्थरा रोड (ग्राम चौकियां) निवासी 55 वर्षीय मंजूर आलम खा स्पाइसजेट की फ्लाइट संख्या एसजी-330 से वाराणसी से मुंबई जाने के लिए एयरपोर्ट पहुंचे थे। मंजूर के हैंड बैग को जब सुरक्षा जांच के लिए स्कैनर मशीन में डाला गया तो सीआईएसएफ जवानों को उसमें संदिग्ध वस्तु दिखाई दी।

मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत पुलिस ने किया जागरूक

ललितपुर । माननीय मुख्यमंत्री उ0प्र0 सरकार की महत्वकांक्षी योजना मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के अन्तर्गत नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन के प्रति जनपद ललितपुर में महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज- 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद के थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र एवं एंटी रोमियो टीम द्वारा बस अड्डों, बाजारों, पार्कों, स्कूलों व गाँव-गाँव आदि जगहों पर जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता, यौन उत्पीड़न से बचाव व उसके खिलाफ आवाज उठाने, साइबर अपराध से बचाव के तरीके, महिलाओं व किशोरियों के कानूनी अधिकार व हेल्प लाइन से सम्बंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की। विशेष रूप से यह स्पष्ट किया गया कि साइबर अपराधी डर और लालच का सहारा लेते हैं, ऐसे में किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक या ओटीपी साझा न करने की सलाह दी गई। मिशन शक्ति टीम द्वारा आपात सहायता हेतु हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए उनके त्वरित उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। 112 आपातकालीन सेवा 1090 / 1091 महिला सुरक्षा हेल्पलाइन 181 महिला हेल्पलाइन 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन मिशन शक्ति की टीमों द्वारा उपस्थित जनसमूह को यह भरोसा दिलाया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न या साइबर ठगी की सूचना तुरंत देने पर पुलिस पूरी गंभीरता से कार्रवाई करेगी। नारी की सुरक्षा केवल जिम्मेदारी नहीं, ललितपुर पुलिस का संकल्प है।

अयोध्या में बुलडोजर एक्शन, जानकी वार्ड में अतिक्रमण हटाया गया

कॉम्प्लेक्स निर्माण का रास्ता साफ, स्थानीय लोगों में नाराजगी

अयोध्या। अयोध्या में एक बार फिर प्रशासन की ओर से बुलडोजर कार्रवाई की गई।

आदर्श नगर पंचायत मां कामाख्या धाम के जानकी वार्ड में गाटा संख्या 1565 की जमीन पर किए गए अतिक्रमण को हटाया गया। यह भूमि नगर पंचायत के कॉम्प्लेक्स और दुकानों के निर्माण के लिए शासन स्तर से पहले ही स्वीकृत है, लेकिन अतिक्रमण के चलते निर्माण कार्य लंबे समय से बाधित चल रहा था।

नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी निखिलेश मिश्रा के नेतृत्व में राजस्व टीम और पुलिस बल की मौजूदगी में बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण हटाया गया। कार्रवाई के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए भारी पुलिस बल तैनात रहा।

प्रशासन की कार्रवाई से जमीन को अतिक्रमण मुक्त करा लिया गया, लेकिन इसको लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी भी देखने को मिली।

पूर्व प्रधान सैय्यद नफीसुल हसन 'आबिद' ने आरोप लगाया कि जिस जमीन पर बुलडोजर कार्रवाई की गई है, उसका मामला माननीय न्यायालय में विचाराधीन है और 10 फरवरी को इसकी अगली सुनवाई प्रस्तावित थी।

इसके बावजूद प्रशासन ने जबरन कार्रवाई करते हुए गरीबों की दुकानों पर बुलडोजर चलवा दिया, जो न्यायसंगत नहीं है।

वहीं, नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी निखिलेश मिश्रा ने बताया कि अतिक्रमणकारियों को 15 दिन पहले नोटिस जारी की गई थी। तय समय सीमा बीत जाने के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाया गया, जिसके चलते राजस्व टीम और पुलिस बल की मौजूदगी में मजबूरन बुलडोजर कार्रवाई करनी पड़ी।

रामपुर में नवविवाहिता की संदिग्ध मौत

रामपुर। रामपुर में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। गुरुवार सुबह करीब 8 बजे ससुराल पक्ष के लोग महिला को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों द्वारा मृत घोषित किए जाने के तुरंत बाद ससुराल पक्ष के लोग शव को अस्पताल में छोड़कर फरार हो गए। मामला थाना अजीमनगर क्षेत्र के इमरता गांव का है। कुछ समय बाद मृतका के मायके पक्ष के लोग भी जिला अस्पताल पहुंचे। लेकिन वे भी शव को वहीं छोड़कर चले गए। घटना के 12 घंटे बीत जाने के बावजूद गुरुवार रात 8 बजे तक न तो मृतका के परिजनों और न ही ससुराल पक्ष की ओर से पुलिस को कोई तहरीर दी गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने स्वयं संज्ञान लिया और पंचनामा तथा पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस मृतका के मायके और ससुराल पक्ष को बुलाकर वैधानिक प्रक्रिया पूरी कराने में जुटी हुई है। अपर पुलिस अधीक्षक अनुराग सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत का प्रतीत हो रहा है।

शार्ट न्यूज

मेडिकल कॉलेज में दिव्यांग शौचालय तथा एक सामान्य शौचालय का निर्माण कार्य का लोकार्पण

ललितपुर। मरीजों के हितों को ध्यान में रखते हुए स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, ललितपुर के प्रधानाचार्य के निर्देशन में एक अतिरिक्त दिव्यांग शौचालय तथा एक सामान्य शौचालय का निर्माण कार्य तीव्र गति से पूर्ण कर उन्हें उपयोग हेतु प्रारंभ कराया गया। इन सुविधाओं का लोकार्पण माननीय सदर विधायक रामरतन कुशवाहा द्वारा किया गया। लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय विधायक ने अस्पताल परिसर में उनके द्वारा कराए गए विभिन्न विकास एवं जनहितकारी कार्यों की जानकारी उपस्थित जनसमुदाय को दी। उन्होंने कहा कि आम जनता को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है तथा वे भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर जनसेवा के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ. मयंक शुक्ल ने माननीय विधायक द्वारा अस्पताल के विकास में किए जा रहे निरंतर सहयोग एवं योगदान के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

करंट की चपेट में आने से किसान की मौत

ललितपुर में खेत में मोटर चालू करते समय हुआ हादसा

ललितपुर। ललितपुर के गुढ़ा गांव में गुरुवार को एक बुजुर्ग किसान की करंट लगने से मौत हो गई। किसान मौजी कुशवाहा अपने खेत में सिंचाई करने गया था, जहां मोटर चालू करते समय वह हादसे का शिकार हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। ग्राम गुढ़ा निवासी मौजी कुशवाहा (65) पुत्र नाथूराम गुरुवार को अपने खेत में सिंचाई कर रहे थे। दोपहर लगभग 11 से 12 बजे के बीच बिजली बार-बार आ-जा रही थी। बिजली चले जाने पर वह खेत से बाहर आ गए थे। बिजली वापस आने पर उन्होंने मोटर चालू करने के लिए तार जोड़े। इसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। आस-पास के खेतों में काम कर रहे लोगों ने घटना की सूचना परिजनों और थाना सोजना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, घटनास्थल का मुआयना किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मिर्जापुर में शादी के दिन दूल्हे की मौत

लालगंज (मिर्जापुर)। मिर्जापुर में बारात के दिन दूल्हे की नहर में डूबने से मौत हो गई। बुधवार को दोनों भाइयों की तिलक हुई थी। गुरुवार को बड़े भाई की बारात जानी थी। जिसको लेकर वह अकेले बाइक से बाजार सामान लेने जा रहा था। रास्ते में अचानक उसकी बाइक अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई। नहर में गिरी बाइक को देखकर गांव के बच्चों ने शोर मचाया। काफी देर तक दूल्हे के बाजार से वापस न लौटने पर परिजनों को चिंता हुई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बाइक नंबर के आधार पर परिजनों को जानकारी दी। परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और बाइक की पहचान की। शादी के दिन मौत की खबर मिलते ही घर में चीख-पुकार मच गई। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मामला लालगंज थाना क्षेत्र का है। निनवार दक्षिण गांव में 27 वर्षीय पुष्पेंद्र कुमार सिंह अपने परिवार के साथ रहते थे। बुधवार को पुष्पेंद्र और उनके छोटे भाई उपेंद्र का तिलक कार्यक्रम संपन्न हुआ था। गुरुवार को पुष्पेंद्र की बारात जानी थी।

महिला ने युवक पर तेजाब फेंक कर की हत्या

आगरा। आगरा के थाना हरी पर्वत में चार साल पुरानी व्यक्तिगत नाराजगी के चलते एक महिला ने युवक को नशीली चाय पिला कर बेहोश किया और उस पर तेजाब डाल दिया, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। आज विशेष न्यायाधीश ने आरोपी सोनम पाण्डेय को हत्या और अन्य गंभीर अपराधों के आरोप में आजिवन कारावास और 40 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया। मामले के अनुसार, मृतक देबेन्द्र शास्त्री आगरा के पुरम खंदारी में किराये पर रहकर पुष्पांजलि अस्पताल में नौकरी करता था। उसकी सोनम पाण्डेय से चार साल पुरानी दोस्ती थी। 24 मार्च 2021 को सोनम ने पंखा खराब होने का बहाना बनाकर देबेन्द्र को अपने घर बुलाया। युवक ने चाय पी और बेहोश हो गया, तब आरोपी ने उसके ऊपर तेजाब डाल दिया। गंभीर जलन और दर्द के कारण देबेन्द्र की हालत बिगड़ गई। उसे तत्काल पुष्पांजलि अस्पताल में भर्ती कराया गया और स्थिति गंभीर होने पर दिल्ली रेफर किया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

कन्नौज में नाले में मिला ग्रामीण का शव

कन्नौज। कन्नौज जिले के मोहनपुर-रतनपुर गांव में एक व्यक्ति का शव पंचायत भवन के पास नाले में मिला है। मृतक की पहचान 46 वर्षीय नरेंद्र भारद्वाज के रूप में हुई है। वह बुधवार शाम को घर से निकले थे और गुरुवार शाम को स्थानीय लोगों ने उन्हें नाले में पड़ा देखा। सूचना मिलने पर गुरसहायगंज कोतवाली की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को नाले से बाहर निकलवाया, लेकिन तब तक नरेंद्र भारद्वाज की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया यह मामला नशे में गिरने से हुई मौत का प्रतीत होता है। बताया गया है कि मृतक नरेंद्र भारद्वाज नशे के आदी थे। आशंका है कि नशे की हालत में वह नाले में गिर गए और फिर उठ नहीं पाए। कोतवाली प्रभारी अजय अवस्थी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पुष्टि की कि शुरुआती जांच में यह घटना नशे के कारण नाले में गिरने से हुई लग रही है।

गाजीपुर में स्मार्ट मीटर की घर-घर चेकिंग

गाजीपुर। गाजीपुर में विद्युत विभाग ने स्मार्ट मीटर की स्थिति सुधारने और बिलिंग प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए नगर क्षेत्र में डोर-टू-डोर अभियान चलाया। इस अभियान के तहत अधिकारियों की टीम ने घर-घर जाकर स्मार्ट मीटर की जांच की और उपभोक्ताओं को प्री-पेड बिलिंग सिस्टम के बारे में जानकारी दी। यह अभियान अधिशाषी अभियंता गोपाल सिंह के नेतृत्व में मिश्रबाजार, विशेश्वरगंज और महुवाबाग जैसे इलाकों में चलाया गया। टीम ने स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं से सीधा संवाद स्थापित किया। उन्हें ऊर्जावान ऐप% और यूपीपीसीएल स्मार्ट ऐप के उपयोग के बारे में बताया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इन ऐप्स के जरिए उपभोक्ता अपनी दैनिक बिजली खपत, रिचार्ज की स्थिति और बिल का पूरा विवरण देख सकते हैं। अधिशासी अभियंता गोपाल सिंह ने जानकारी दी कि गाजीपुर जिले में 90 प्रतिशत से अधिक स्मार्ट मीटरों को पोस्ट-पेड से प्री-पेड प्रणाली में परिवर्तित किया जा चुका है।

युवक की करंट लगने से मौत, मारपीट

फर्रुखाबाद। फर्रुखाबाद के मऊदरवाजा थाना क्षेत्र में खेत की रखवाली के लिए लगाए गए बिजली के तारों की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के परिजनों और खेत मालिक के बीच विवाद हो गया, जो मारपीट में बदल गया। सूचना मिलने पर तीन थानों की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। मृतक की पहचान मऊदरवाजा क्षेत्र के ग्राम अर्रा पहाड़पुर निवासी 40 वर्षीय सर्वेश यादव के रूप में हुई है। वह सचिन यादव की सब्जी आढ़त पर काम करते थे। उनके भाई देवेंद्र यादव ने बताया कि बुधवार शाम करीब आठ बजे सर्वेश आढ़त से पैदल घर लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। गुरुवार सुबह जब लोग खेतों पर गए, तब उन्हें सर्वेश का शव खेत में पड़े लोहे के तारों के पास मिला। परिजनों को सूचना दी गई, जिसके बाद वे मौके पर पहुंचे।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में दंपती ने अपने ही दो बच्चों के सिर काटे, उम्रकैद की सजा मिली

कैलिफोर्निया, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक दंपती को उनके दो बच्चों की क्रूर हत्या के लिए उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। मॉरिस ज्वेल टेलर सीनियर (39 वर्ष) और उनकी पत्नी नताली सुमिको ब्रॉथवेल (49 वर्ष) को सोमवार को अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई, साथ ही अतिरिक्त छह साल की सजा भी दी गई। जज ने इस अपराध को राक्षसी करार देते हुए कहा कि यह बेहद क्रूर हरकत है, जिसमें उन्होंने अपने 13 साल की बेटी मालियाका और 12 साल के बेटे मॉरिस की हत्या की, जिसमें चाकू से वार कर सिर काट दिया गया। यह घटना 29 नवंबर 2020 को उनके घर में हुई थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, हत्या के बाद दंपती ने अपने दो छोटे बेटों को जबरन अपने भाई-बहन के कटे हुए शव देखने के लिए मजबूर किया और उन्हें कई दिनों तक बिना खाना दिए कमरों में बंद रखा। नवंबर 2025 में जूरी ने दोनों को दो मामलों में प्रथम श्रेणी की हत्या और बच्चों के साथ क्रूरता से दुर्व्यवहार के दो मामलों में दोषी ठहराया था। पुलिस को इस मामले की जानकारी तब मिली जब टेलर, जो एक पर्सनल ट्रेनर थे और कोविड-19 महामारी के दौरान ऑनलाइन जूम सेशन्स लेते थे, अचानक अपने शेड्यूल्ड मीटिंग्स में लॉग इन करना बंद कर दिया। चिंतित क्लाइंट्स ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस पहुंची तो घर में दो बच्चों के शव अलग-अलग बेडरूम में मिले, जिन पर तेज धार वाले हथियार से हमले के निशान थे। टेलर को कुछ दिनों बाद गिरफ्तार किया गया, जबकि ब्रॉथवेल को लगभग एक साल बाद 2021 में पकड़ा गया।

कनाडा में घर पर गोली चलाने के आरोप में तीन भारतीय गिरफ्तार

ओटावा, एजेंसी। जबरन वसूली विरोधी गश्त पर निकली कनाडाई पुलिस ने एक घर पर गोलीबारी करने के आरोप में तीन भारतीयों को गिरफ्तार कर उन पर मामला दर्ज किया है। सरे पुलिस सेवा ने आरोपियों की पहचान हरजोत सिंह (21), तरनवीर सिंह (19) और दयाजीत सिंह बिलिंग (21) के रूप में की है। इन पर एक-एक बार हथियार चलाने का आरोप है। तीनों को बृहस्पतिवार 5 फरवरी तक हिरासत में भेज दिया गया है। दरअसल 1 फरवरी की दोपहर सरे पुलिस को गोलीबारी और एक छोटी सी आग लगने की सूचना मिली। पुलिसकर्मी उस समय प्रोजेक्ट एश्योरेंस (जबरन वसूली) के हिस्से के रूप में सरे के क्रिसेंट बीच पड़ोस में गश्त कर रहे थे। उनके मौके पर पहुंचने के बाद जल्द ही तीनों को गिरफ्तार कर लिया। तीनों आरोपी भारत के रहने वाले हैं। अभी यह साफ नहीं है कि ये किस गैंग से जुड़े हैं। मामले की जानकारी कनाडा सीमा सेवा एजेंसी को भी दे दी गई है। दोष सिद्ध होने पर इसका असर उनकी आव्रजन स्थिति पर भी पड़ सकता है। जांच एजेंसियों का कहना है कि आने वाले दिनों में और धाराएं जोड़ी जा सकती हैं।

म्यांमार में 6 तीव्रता की भूकंप से कांपी धरती

नेपिदाव, एजेंसी। म्यांमार में मंगलवार को रात करीब 9 बजे भूकंप आया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6 माफी गई। इसका केंद्र जमीन के 20 किमी नीचे था। भूकंप 20.45 डिग्री उत्तरी अक्षांश व 93.86 डिग्री पूर्वी देशांतर पर महसूस हु। हालांकि, इसमें जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है।

नेपाल सरकार ने सोशल मीडिया को नियंत्रित करने वाला विवादित विधेयक वापस लिया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सरकार ने मंगलवार को विवादित सोशल मीडिया विधेयक को वापस लेने का फैसला किया है। पिछले साल अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार की तरफ से पेश सोशल मीडिया विधेयक 2025 की सभी तरफ आलोचना हुई थी। इसका उद्देश्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को नियंत्रित करना था। गृह मंत्री ओम प्रकाश आर्यल ने मीडिया को बताया कि मंगलवार को कैबिनेट बैठक में विधेयक वापस लेने का फैसला किया गया। आर्यल ने कहा, सरकार ने सोशल मीडिया बिल-2025 को संघीय संसद से वापस लेने का फैसला किया है। तत्कालीन संचार और सूचना मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग ने सोशल मीडिया साइट्स को नियंत्रित करने के मकसद से 28 जनवरी, 2025 को नेशनल असेंबली में यह विधेयक पेश किया था। ओली के नेतृत्व वाली सरकार ने संसद द्वारा विधेयक पास होने से पहले ही 26 सोशल मीडिया साइट्स को प्रतिबंधित कर दिया था। नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने मंगलवार को संकेत दिया कि देश में आम चुनाव दो चरणों में हो सकते हैं। कार्की ने कहा, अगर मौसम ने साथ नहीं दिया तो पर्वतीय जिलों में चुनाव दूसरे चरण में हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार तय कार्यक्रम के अनुसार चुनाव कराने में हर जरूरी मदद करेगी। नेपाल की पीएम ने पांच मार्च को होने वाले चुनाव में सभी से प्रतिभाग करने की अपील की।

बांग्लादेश : चुनाव से पहले बढ़ी राजनीतिक हिंसा, 11 की मौत, 616 गंभीर घायल

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के दौरान कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ती जा रही है। आगामी 12 फरवरी को होने वाले राष्ट्रीय चुनाव से पहले देशभर में राजनीतिक हिंसा में तेज़ बढ़ोतरी देखी गई है। जनवरी महीने में हिंसा से जुड़ी घटनाओं में दिसंबर 2025 की तुलना में भारी इजाफा हुआ है। यह जानकारी ढाका स्थित मानवाधिकार संगठन के हवाले से स्थानीय मीडिया ने मंगलवार को दी। मानवाधिकार संगठन आइन ओ सालिश केंद्र (एएसके) की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी में राजनीतिक हिंसा की 75 घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें 616 लोग घायल हुए और 11 लोगों की मौत हो गई। इसके मुकाबले दिसंबर 2025 में 18 घटनाएं सामने आई थीं, जिनमें 268 लोग घायल और चार की मौत हुई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि 22 जनवरी को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा और प्रचार अभियान शुरू होने के बाद हिंसक झड़पों में और तेजी आई। एएसके के अनुसार, 21 से 31 जनवरी के बीच 49 झड़पें हुईं, जिनमें चार लोगों की मौत और 414 लोग घायल हुए। इससे साफ है कि मतदान की तारीख नजदीक आते ही हिंसा बढ़ती जा रही है।

मानवाधिकार संगठन ने यह भी बताया कि बढ़ती राजनीतिक हिंसा के बीच पत्रकारों को भी निशाना बनाया जा रहा है। दिसंबर में जहां ड्यूटी के दौरान 11 पत्रकारों के साथ बाधा या हमले की घटनाएं सामने आई थीं, वहीं जनवरी में यह संख्या बढ़कर 16 हो गई। बांग्लादेश के प्रमुख अखबार द डेली स्टार ने यह जानकारी दी।

हिंसा पर चिंता जताते हुए एएसके ने सभी राजनीतिक दलों से संयम बरतने और चुनाव प्रचार के दौरान शांति बनाए रखने की अपील की है। साथ ही, कानून प्रवर्तन एजेंसियों से नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उनके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करने का आग्रह किया गया है। पिछले सप्ताह स्थानीय मीडिया ने बताया था कि चुनाव प्रचार शुरू होते ही उम्मीदवारों और कानून व्यवस्था से जुड़े कर्मियों को निशाना बनाकर धमकियों और हमलों की घटनाएं बढ़ गई हैं, जिससे पूरे देश में चुनावी प्रक्रिया की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं।

चुनावी अभियान की शुरुआत से ही कई निर्वाचन क्षेत्रों में गोलीबारी, चाकूबाजी, तोड़फोड़ और झड़पों की घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें कई लोग घायल हुए और कुछ की जान चली गई। इसके अलावा, कई इलाकों में चुनाव से जुड़ा बुनियादी ढांचा- जैसे कैंप, माइक्रोफोन, कार्यालय, वाहन और यहां तक कि मतदान केंद्रों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरे- तोड़फोड़ या लूट का शिकार हुए हैं।

12 फरवरी के चुनाव से पहले बांग्लादेश में राजनीतिक हिंसा लगातार बढ़ रही है। जो राजनीतिक दल पहले अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के साथ मिलकर शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग की निर्वाचित सरकार को हटाने में शामिल थे, वही अब आगामी चुनाव जीतने के लिए आपसी सत्ता संघर्ष में उलझे हुए हैं।

रूस से बंद कर अमेरिका-वेनेजुएला से तेल खरीदेगा भारत, ट्रेड डील पर ट्रंप की प्रेस सचिव का बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच नए व्यापारिक युग की शुरुआत हो चुकी है। सोमवार (02 फरवरी) को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर लगाया पारस्परिक टैरिफ 18 फीसदी कर दिया। इसी के साथ लंबे समय से अटके व्यापार समझौते पर भी ट्रंप ने सहमति जताई है। ऐसे में अब व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने भारत-अमेरिका के व्यापार समझौते पर जानकारी साझा की है। उन्होंने दावा किया कि पीएम मोदी ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था में बड़े निवेश का वादा किया है। प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बुधवार को अमेरिका-भारत समझौते, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों का जिक्र किया। लेविट ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी रूसी तेल की खरीद बंद करने और इसके बजाय अमेरिका और संभवत वेनेजुएला से तेल खरीदने पर सहमत हो गए।

कैरोलिन लेविट ने ट्रेड डील पर क्या बताया : वॉशिंगटन में मीडिया से बात करते हुए कैरोलिन लेविट ने कहा, 'भारत ने न सिर्फ रूस से तेल खरीदना बंद करने की प्रतिबद्धता जताई है, बल्कि अमेरिका से तेल खरीदने की भी प्रतिबद्धता जताई है, और संभवतः वेनेजुएला से भी, जिसका सीधा लाभ अब अमेरिका

और अमेरिकी जनता को मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने ऊर्जा, परिवहन और कृषि उत्पादों सहित अमेरिका में 500 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है।'

दोनों देशों के बीच बहुत अच्छे संबंधः लेविट : पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच हुई बातचीत के बाद व्हाइट हाउस के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए कैरोलिन लेविट ने कहा कि ये प्रतिबद्धताएं दोनों देशों के नेताओं के बीच हुई सीधी बातचीत के बाद की गई है। उन्होंने कहा, 'जैसा कि आप सभी ने देखा, राष्ट्रपति ने भारत के साथ एक और बड़ा व्यापार समझौता किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से सीधे बात की; दोनों देशों के बीच बहुत अच्छे संबंध हैं।

ग्रीस में बड़ा हादसा: ग्रीक कोस्ट गार्ड के जहाज से टकराई अप्रवासियों की नौका

चियोस, एजेंसी। ग्रीस के पूर्वी एजियन द्वीप चियोस के पास एक स्पीडबोट और ग्रीक कोस्ट गार्ड की नाव की टक्कर में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। ग्रीक कोस्ट गार्ड ने मंगलवार को बताया कि 24 लोगों को बचाया गया और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। इसमें दो कोस्ट गार्ड अधिकारी भी घायल हुए हैं। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि स्पीडबोट में कुल कितने लोग थे। हालांकि अभी बचाव अभियान जारी है, जिसमें चार गश्ती जहाज, एक हेलीकॉप्टर और डाइवर्स वाली एक निजी नाव शामिल हैं। स्थानीय मीडिया के वीडियो में देखा गया कि एक व्यक्ति को कंबल में लपेटकर कोस्ट गार्ड की नाव से लेकर एंबुलेंस में डाला जा रहा था, और दो बच्चों को भी वहां ले जाया गया। कोस्ट गार्ड ने यह भी बताया कि अभी टक्कर कैसे हुई और मरने वालों की पहचान कौन है, इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

यूरोपीय संघ में प्रवेश का ग्रीस मुख्य रास्ता : बता दें कि ग्रीस यूरोपीय संघ में प्रवेश का मुख्य रास्ता है, खासकर

उन लोगों के लिए जो युद्ध और गरीबी से भागकर आते हैं। इस रास्ते पर सुरक्षा की कमी और तेज समुद्र के कारण कई बार हादसे होते रहते हैं। पिछले कुछ वर्षों में ग्रीस और यूरोपीय संघ की कई देश माइग्रेशन नियम कड़े कर चुके हैं।

इसमें डिपोर्टेशन तेज करना और हिरासत बढ़ाना शामिल है। इतना ही नहीं यूरोपीय देशों में माइग्रेशन पर लगातार बहस होती रहती है। कुछ देशों में दक्षिणपंथी पार्टियों का दबदबा बढ़ा है, और नियम सख्त हो गए हैं। इसके चलते आसाइलम लेने वालों की संख्या अब पहले जैसी नहीं रही।

फ्लाइट में महिला से यौन दुर्व्यवहार के आरोप में भारतीय नागरिक दोषी करार, 7 मई सुनाई जाएगी सजा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका में भारतीय मूल के एक नागरिक को घरेलू उड़ान में महिला सहयात्री से यौन दुर्व्यवहार का दोषी ठहराया गया है। अदालत ने 38 वर्षीय वरुण अरोड़ा को साल 2024 में विमान में सवार होने के दौरान महिला यात्री के साथ यौन उत्पीड़न का दोषी पाया गया है। ऐसे में अब सात मई को होने वाली सुनवाई में उसे अधिकतम दो साल की जेल हो सकती है। यह डी बताया गया कि वो अमेरिका में बिना वैध नागरिकता के रह रहा है।

फ्लाइट में महिला यात्री से गंदी हरकत : वर्जीनिया के पूर्वी जिले में अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक एक संघीय जूरी ने गुरुवार 29 जनवरी को वरुण अरोड़ा को यौन दुर्व्यवहार और हमले के आरोपों में दोषी ठहराया। बताया गया कि यह दोषसिद्धि 29 अगस्त, 2024 को

रोड आइलैंड टीएफ ग्रीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट से रोनाल्ड रीगन वॉशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरने के अंतिम चरण के दौरान हुई एक घटना से जुड़ा है।

हाथ हटाने के बाद भी बार-बार छू रहा था शख्स : अदालती रिकॉर्ड और मुकदमे के सबूतों का हवाला देते हुए अमेरिकी अटॉर्नी के कार्यालय ने कहा कि एक महिला यात्री उस समय जाग उठी, जब वरुण अरोड़ा उसके साथ यौन दुर्व्यवहार कर रहा था। बयान में बताया गया है कि उसने स्लीप मास्क पहन रखा था और सोने का नाटक कर रहा था और पीड़िता के बार-बार उसका हाथ हटाने के बावजूद अपना हाथ उस पर रखता रहा। बगल वाली सीट पर बैठी थी महिला एफबीआई के विशेष एजेंट मार्क एस्पोसिटो की ओर से अदालत में दायर हलफनामे के अनुसार अरोड़ा गलियारे वाली सीट पर बैठा था, जबकि पीड़ित उसके बगल वाली बीच वाली सीट पर सो रही थी। हलफनामे के मुताबिक महिला ने अरोड़ा को अपने प्राइवेट पार्ट को छूने का पहली बार अनुभव करने के बाद खुद को उससे दूर करने की कोशिश की और उसका हाथ हटा दिया। लेकिन आरोपी अपनी हरकतों से बाज नहीं आया और फिर से छूने की कोशिश करने लगा। तस्वीर खींचकर एयरलाइंस को दी सूचना हलफनामे के अनुसार, विमान से उतरते समय उसने उसकी एक तस्वीर ली और अगले दिन इस घटना की सूचना अमेरिकन एयरलाइंस को दी। एफबीआई ने मामले की जांच की और पुष्टि की है कि पीड़ित और संदिग्ध उड़ान में एक दूसरे के बगल में बैठे थे। आंशिक रूप से पीड़ित द्वारा ली गई संदिग्ध की तस्वीर की तुलना अरोड़ा के ड्राइविंग लाइसेंस पर मौजूद तस्वीर से करके। उसे अगस्त 2025 में गिरफ्तार किया गया था और उसी वर्ष अक्टूबर में उन पर आरोप तय किए गए थे।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक के गवर्नर का इस्तीफा, स्टीफन मिरान ने छोड़ा सीईए के चेयरमैन का पद

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के केंद्रीय बैंक के गवर्नर स्टीफन मिरान ने व्हाइट हाउस में अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। वह अब व्हाइट हाउस की आर्थिक सलाहकारों की परिषद (सीईए) के चेयरमैन नहीं रहेंगे। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की।

सितंबर 2025 में स्टीफन मिरान की हुई थी नियुक्ति : दरअसल में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले साल सितंबर महीने में स्टीफन मिरान को फेडरल रिजर्व के सात सदस्यीय बोर्ड में नियुक्त किया था। यह नियुक्ति तब हुई, जब पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन की तरफ से नियुक्त गवर्नर एड्रियाना कुगलर ने अचानक

इस्तीफा दे दिया था। मिरान ने कुगलर का कार्यकाल पूरा किया, जो 31 जनवरी को खत्म हुआ। हालांकि उनका कार्यकाल खत्म हो गया है, लेकिन जब तक सीनेट किसी नए गवर्नर की पुष्टि नहीं कर देती, तब तक मिरान फेड बोर्ड में बने रह सकते हैं। फेड एक गैर-राजनीतिक संस्था मानी जाती है। आमतौर पर कोई भी व्यक्ति व्हाइट हाउस की नौकरी छोड़कर ही फेड में जाता है। लेकिन मिरान ने व्हाइट हाउस की नौकरी छोड़ी नहीं थी, बल्कि बिना वेतन छुट्टी पर थे। इसी वजह से इस व्यवस्था पर सवाल उठे। स्टीफन मिरान ने पहले ही सीनेट से वादा किया था कि अगर वह 31 जनवरी के बाद फेड बोर्ड में बने रहते हैं, तो वे सीईए से इस्तीफा दे देंगे। अब उन्होंने वही किया है। इस पूरे घटनाक्रम से फेडरल रिजर्व में बड़े बदलावों की अटकलें तेज हो गई हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने केविन वार्श को मौजूदा फेड चेयरमैन जेरोम पॉवेल की जगह लेने के लिए नामित किया है। जेरोम पॉवेल का चेयरमैन के तौर पर कार्यकाल 15 मई को खत्म हो रहा है। लेकिन फेड के नियमों में एक 'तकनीकी रास्ता' है।

लीबिया में मारा गया गद्दाफी का बेटा सैफ अल-इस्लाम, 15 साल पहले पिता की हुई थी हत्या

ट्राइपोलि, एजेंसी। लीबिया के पूर्व शासक मुअम्मर गद्दाफी का बेटा सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी, मंगलवार को एक हमले में मारा गया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने उनकी टीम के एक बयान का हवाला देते हुए बताया कि मुअम्मर गद्दाफी के बेटे की मंगलवार को पश्चिमी लीबिया में हत्या कर दी गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक सैफ अल-इस्लाम के घर में घुस आए चार अज्ञात बंदूकधारियों के साथ उनकी सीधी मुठभेड़ हुई और इस दौरान उनकी मौत हो गई। गद्दाफी के करीबी नेता अब्दुल्ला ओथमान अब्दुर्रहीम ने फेसबुक पर इस घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि चार नकाबपोश बंदूकधारियों ने दोपहर में जिंटान शहर में गद्दाफी के आवास पर धावा बोल दिया। हमलावरों ने कथित तौर पर मुठभेड़ से पहले सीसीटीवी कैमरों को क्षतिग्रस्त कर दिया, जिससे हमलावरों की पहचान पता नहीं चल पाई। वहीं सैफ अल-इस्लाम की मौके पर ही मौत हो गई। घटना को लेकर ज्यादा जानकारी फिलहाल सामने नहीं आ पाई है। सैफ की टीम ने लीबियाई कोर्ट और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से हमले की जांच करने, अपराधियों की पहचान करने और इस ऑपरेशन की योजना बनाने वालों को जवाबदेह ठहराने की अपील की है।

कौन थे सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी : लीबिया में 2011 में नाटो समर्थित विद्रोह के बाद भी सैफ यहां एक अहम नेता बने रहे। बता दें कि इस विद्रोह में उनके पिता मुअम्मर गद्दाफी मारे गए थे। गद्दाफी ने चार दशकों से अधिक समय तक

लीबिया में राज किया था। सैफ ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से पढ़ाई पूरी की थी और उन्हें कभी कई सरकारों द्वारा लीबिया का स्वीकार्य, पश्चिमी-अनुकूल चेहरा माना जाता था। कोई आधिकारिक पद ना होने के बावजूद, सैफ अल-इस्लाम को एक समय मेरा तेल समृद्ध उत्तरी अफ्रीकी देश में अपने पिता मुअम्मर गद्दाफी के बाद सबसे शक्तिशाली व्यक्ति माना जाता था। रिपोर्ट्स के मुताबिक सैफ अल-इस्लाम ने कई उच्च-स्तरीय, संवेदनशील राजनयिक मिशनों में मध्यस्थता की। उन्होंने पश्चिम के साथ संबंध बनाए और खुद को एक सुधारक के रूप में पेश किया। साथ ही सैफ ने संविधान और मानवाधिकारों के सम्मान का भी आह्वान किया। हालांकि जब 2011 में गद्दाफी के लंबे शासन के खिलाफ विद्रोह हुआ, तो सैफ अल-इस्लाम ने अपनी दोस्ती के बजाय परिवार और कबीले की वफादारी को चुना और विद्रोहियों पर क्रूर कार्रवाई का मास्टरमाइंड बन गया। 2015 में, त्रिपोली की एक अदालत ने सैफ अल-इस्लाम को युद्ध अपराधों के लिए फायरिंग स्क्वाड द्वारा मौत की सजा सुनाई। इसके बाद 2017 में एक माफी कानून के तहत मिलिशिया द्वारा रिहा किए जाने के बाद से, सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी अंडरग्राउंड होकर जिंटान में रह रहे थे।

55 लाख का गियर पहनता है बलूच विद्रोही, पाक सेना के पास वैसे हथियार नहीं; रक्षा मंत्री का कबूलनामा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में नेशनल असेंबली (संसद) में बलूचिस्तान की सुरक्षा स्थिति पर चर्चा के दौरान एक बड़ा और चौंकाने वाला बयान दिया है। उन्होंने स्वीकार किया कि बलूच विद्रोही- मुख्य रूप से बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के लड़ाके पाकिस्तानी सेना से ज्यादा एडवांस और महंगे हथियार इस्तेमाल कर रहे हैं और पाकिस्तानी सेना के पास ऐसे हथियार नहीं हैं। संसद में बोलते हुए ख्वाजा आसिफ ने हथियारों की कीमतों का हवाला देते हुए अपनी सेना की लाचारी बताई। उन्होंने कहा कि इन विद्रोहियों के पास ऐसी राइफलें हैं जिनकी कीमत 20 लाख रुपये (पाकिस्तानी रुपया) से अधिक है। रक्षा मंत्री ने स्पष्ट कहा- हमारे पास ऐसी राइफलें नहीं हैं। उन्होंने कहा कि विद्रोही 4,000 से 5,000 डॉलर की कीमत वाले थर्मल वेपन साइट्स और लेजर सिस्टम का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे वे रात के अंधेरे में भी सटीक निशाना लगा सकते हैं। पाक रक्षा मंत्री के मुताबिक, एक औसत बलूच विद्रोही का पूरा कॉम्बैट गियर (युद्धक साज-सज्जा) लगभग 20,000 डॉलर (करीब 55 लाख पाकिस्तानी रुपये) का है।

शारीरिक रूप से अक्षम सेना : ख्वाजा आसिफ ने स्वीकार किया कि बलूचिस्तान का विशाल भूगोल पाकिस्तानी सेना के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। यह प्रांत पाकिस्तान के कुल क्षेत्रफल का 40% से अधिक है। उन्होंने कहा- इतने बड़े क्षेत्र को नियंत्रित करना किसी घनी आबादी वाले शहर को संभालने से कहीं ज्यादा मुश्किल है। हमारे सैनिक सक्रिय हैं, लेकिन इतने बड़े इलाके की गश्त और रखवाली करने में वे शारीरिक रूप से अक्षम साबित हो

रहे हैं। यह बयान बलूचिस्तान में हुए हालिया भीषण हमलों के बाद आया है। जनवरी के अंत और फरवरी 2026 की शुरुआत में बीएलए ने पूरे प्रांत में ऑपरेशन हेरोफ के तहत समन्वित हमले किए। बीएलए ने 'ऑपरेशन हेरोफ 2.0' के तहत कई शहरों, जैसे- क्वेटा, ग्वादर, मस्तुंग, नुश्की, खुजदार आदि में पुलिस स्टेशन, सुरक्षा ठिकानों, नागरिक घरों और इंफ्रास्ट्रक्चर पर एक साथ हमले किए। इन हमलों में महिला फिदायीन हमलावर भी शामिल थीं, जैसे आसिफा मेंगल और हवा बलोच।

बीएलए ने मचाया कोहराम : इन झड़पों में आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार लगभग 17 सुरक्षाकर्मी और 33 नागरिक मारे गए, जबकि पाकिस्तान ने 177 विद्रोहियों को मार गिराने का दावा किया है। रक्षा मंत्री ने इस बात पर भी चिंता जताई कि अब विद्रोहों में महिलाओं का इस्तेमाल आत्मघाती हमलावरों (जैसे 'मजीद ब्रिगेड') के रूप में किया जा रहा है। हालांकि बीएलए ने दावा किया है उसने 200 से ज्यादा पाकिस्तानी सैनिक मार गिराए और कई बंधक बनाए। यह बलूचिस्तान में हाल के दशकों का सबसे बड़ा और सबसे घातक संघर्ष माना जा रहा है।

कहां से आ रहे हथियार : पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने इन आधुनिक हथियारों (विशेषकर अमेरिकी निर्मित हथियारों) की मौजूदगी पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि ये हथियार अफगानिस्तान में छोड़े गए अमेरिकी जखीरे से आ सकते हैं। उन्होंने हमेशा की तरह इस अशांति के पीछे विदेशी ताकतों का हाथ होने का दावा किया, हालांकि इसके लिए कोई ठोस सबूत पेश नहीं किए। उन्होंने यह भी कहा कि पेट्रोल की तस्करी और आपराधिक नेटवर्क इन विद्रोहियों को फंड मुहैया करा रहे हैं।

भारत और इंग्लैंड के बीच आज खेला जाएगा यूथ अंडर 19 विश्व कप क्रिकेट

हरारे (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड की टीमें शुक्रवार को यहां यूथ अंडर 19 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेलने उतरेंगी। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को हराकर दसवीं बार फाइनल में प्रवेश किया जबकि इंग्लैंड टीम छठी बार फाइनल में पहुंची है। भारत और इंग्लैंड दोनो ही टीमों ने अपने-अपने सभी मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बनायी है। भी अपने सभी मैच जीते हैं. दोनों टीमों के बीच फाइनल छह फरवरी को हरारे में भारतीय समय के मुताबिक दोपहर एक बजे से खेला जाएगा.

आंकड़ों पर नजर डालें तो भारत और इंग्लैंड की टीमों ने अब तक अंडर 19 में 55 यूथ एकदिवसीय मैच खेले हैं। इस दौरान भारतीय टीम ने 41 मुकाबलों में जीत हासिल की है। वहीं भाररीय टीम को 13 मुकाबलों में उसे हार मिली जबकि एक मैच का परिणान नहीं निकला।। दूसरी ओर इंग्लैंड को 13 मैचों में जीत मिली है। फाइनल में पहुंचने के बाद उत्साहित भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे ने कहा कि यहां पहुंचने का अहसास काफी अच्छा है। हमारे लिए विश्वकप कप फाइनल खेलना सुखद अनुभवी है। सभी प्रशंसकों से मेरी अपील है कि आप इसी प्रकार हमारा समर्थन करते रहें। हम फाइनल मैच में अपनी ओर से जीतने का पूरा प्रयास करेंगे। हम फाइनल मैच को केवल एक गेम की तरह ही रखेंगे।

भारत ने जहां पहले सेमीफाइनल में आरोन जॉर्ज के 115 रनों की शतकीय पारी से अफगानिस्तान को सात विकेट से हराकर आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया है। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड ने दूसरे सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 27 रन से

हराकर फाइनल में जगह बनायी है। उनकी बल्लेबाजी लाइन-अप के साथ-साथ गेंदबाजी यूनिट भी लगातार अच्छा प्रदर्शन करती आई है। ऐसे में फाइनल में इंग्लैंड भारत को कड़ी चुनौती दे सकता है।

टीम इस प्रकार है

भारतीय टीम: आयुष म्हात्रे (कप्तान), आर.एस. अंबरीश, कनिष्क चौहान, डी. दीपेश, मोहम्मद एमान, एरॉन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, किशन कुमार सिंह, विहान मल्होत्रा, उदय मोहन, हेमिल पटेल, खिलान ए. पटेल, हर्षवर्धन सिंह, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी

इंग्लैंड टीम: थॉमस रेव (कप्तान), फरहान अहमद, रॉकी अलर्ट, बिल वीसन, बेन डॉकिन्स, कालेब फॉल्कनर, अली फारूक, एलेक्स फ्रेंच, एलेक्स ग्रीन, ल्यूक हेंडरसन, मैनी लार्डन, बेन मेयर, जेम्स मीटो, जो मूर्स, सेबेस्टियन मॉर्गन

टी20 विश्व कप में सबसे कम स्कोर पर आउट हुई हैं यूगांडा और नीदरलैंड

मुम्बई (एजेंसी)। टी20 विश्वकप शुरु होने में अब कुछ ही दिन शेष हैं। विश्वकप मुकबले भारत और श्रीलंका में संयुक्त रुप से खेले जाएंगे। इसमें कई नये रिकार्ड बन सकते है। अब तक हुए टी20 विश्व कप के आंकड़ों पर नजर डालें तो कि दो टीमें जिनके नाम विश्वकप में सबसे कम स्कोर का रिकार्ड है। 2 टीमें इसमें अब तक 50 रनों के अंदर आउट हुई हैं। ये टीमें यूगांडा और नीदरलैंड हैं। ये दोनो ही टीमें 50 रनों के अंदर ही आउट हुई हैं। ये दोनो ही एसोसिएट टीमें रही हैं। टी20 विश्व कप की शुरुआत साल 2007 में हुई थे। वहीं साल 2014 तक कोई भी टीम 50 या इससे कम के स्कोर पर नहीं सिमटी थी। नीदरलैंड की टीम साल 2014 में श्रीलंका के खिलाफ 39 रनों पर आउट हो गई थी। इसके बाद 4 और बार टीमें 50 से कम के स्कोर पर सिमट गयीं। नीदरलैंड की टीम साल 2021 के टी20 विश्व कप में भी 50 से कम रनों पर आउट हुई थीं। सबसे कम स्कोर पर आउट होने के मामले में युगांडा की टीम सबसे आगे है, वह साल 2024 के टी20 विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ केवल 39 रन पर ही आउट हो गयी थी। वहीं नीदरलैंड की टीम भी साल 2014 में 39 रनों पर आउट हुई थी। वहीं साल 2024 में युगांडा की टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ 40 रन के स्कोर पर आउट हुई। युगांडा एकमात्र टीम है, जो दो बार 40 से कम रनों पर आउट हुई है। वहं सूची में सबसे कम रनों पर आउट होने के मामले में चौथे नंबर पर नीदरलैंड है। वह , साल 2021 में श्रीलंका के खिलाफ केवल 44 रन ही बना पायी थी। पांचवें स्थान पर ओमान की टीम है। वह सला 2024 के टी20 विश्व कप में 44 रनों पर आउट हुई थी।

टी20 विश्वकप में सैमसन नहीं ईशान करेंगे पारी की शुरुआत : सूर्यकुमार

मुम्बई (एजेंसी)। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को इस बार भी शायद ही टी20 विश्वकप खेलने का अवसर मिले। पिछली बार सैमसन टीम में शामिल थे पर उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली थी। वहीं इस बार भी उन्हें अवसर मिलने की संभावनाएं समाप्त हो गयी हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा है कि अभिषेक शर्मा के साथ ईशान किशन पारी की शुरुआत करेंगे। सैमसन इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ हुई सीरीज में असफल रहे थे जबकि ईशान ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था। ऐसे में उन्हें विश्वकप में जगह मिलने की उम्मीद पहले ही समाप्त हो गयी थी। भारतीय टीम पहले अभ्यास मैच मे भी अभिषेक और ईशान के साथ उतरी। ईशान ने इस दौरा अर्धशतक लगाकर अपने चयन को सही साबित किया।

ईशान को न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के अंतिम मुकाबले में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी मिली थी। इससे साफ है कि अब सैमसन की विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर उतरने की संभावना भी समाप्त हो गयी है।

इससे पहले जब टी20 विश्व कप और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम चुनी गई थी तो संजू सैमसन मैन ओपनर और मैन विकेटकीपर थे, लेकिन अब बैकअप ओपनर और बैकअप विकेटकीपर के तौर पर टूर्नामेंट शुरू करेंगे।

सैमसन की इस हालत के कारण वह स्वयं हैं। पांच मैचों की टी20 सीरीज में सैमसन ने पारी की शुरुआत करते हुए केवल 46 रन ही बनाये थे। सीरीज में उनका औसत 9.20 का था। 135.29 का स्ट्राइक रेट उनका रहा। 6 चौके और 2 छक्के पूरी सीरीज में उनके बल्ले से निकले। वहीं, अभिषेक ने 5 मैचों में 182 रन बनाए, बावजूद इसके कि वे दो मैचों में खाता भी नहीं खोल पाये थे। वहीं ईशान ने नंबर 3 पर 4 मैचों में 215 रन बनाए।

दिन-ब-दिन बेहतर महसूस कर रहा हूं: नीदरलैंड के खिलाफ मुकाबले से पहले बोले नागल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु ¬ भारत के नंबर एक एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह नीदरलैंड के खिलाफ भारत के डेविस कप मुकाबले से पहले कूल्हे की मामूली चोट से उबरने के दौरान दिन-ब-दिन बेहतर महसूस कर रहे हैं। नागल खराब फॉर्म और उसके कारण खराब नतीजों की वजह से मुश्किलों से भरे 2025 सत्र के बाद विश्व रैंकिंग में 281वें स्थान पर खिसक गए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन हफ्तों के एकाग्र रिहैबिलिटेशन ने उन्हें मुकाबले में उतरने से पहले आत्मविश्वास दिया है।

नागल ने ट्रेनिंग सत्र के बाद कहा, ‘अच्छा महसूस कर रहा हूं, दिन-ब-दिन बेहतर महसूस कर रहा हूं। मैं पिछले दो-तीन हफ्तों से बहुत मेहनत कर रहा हूं। मेरे लिए शिविर बैंकॉक के ठीक बाद शुरू हो गया था। मुझे वहां इतना अच्छा महसूस नहीं हो रहा था लेकिन मैं उसी रात वापस आ गया, अपना रिहैब शुरू किया और सच कहूं तो मुझे कोई शिकायत नहीं है। मैंने डेविस कप के लिए तैयार होने के लिए वह सब कुछ किया जो मैं कर सकता था।’

इस 27 वर्षीय खिलाड़ी को बैंकॉक में कूल्हे में चोट लगी थी और उन्होंने माना कि उबरने का दौर मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण था। इस सुझाव के बावजूद कि धीमे कोर्ट भारत के लिए बेहतर हो सकते थे नागल ने बेंगलुरु में मुकाबला आयोजित करने के फैसले का समर्थन किया और नीदरलैंड के खिलाड़ियों की ताकत की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, ‘(जेस्पर) डि जोंग और गाय (डेन ओडेन), वे दोनों क्ले कोर्ट पर बहुत अच्छे हैं। उन्होंने उस सतह पर बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए मुझे लगता है कि यह अच्छा हुआ कि हमने बेंगलुरु को चुना। मैं यहां सहज हूं, मैंने अपने करियर में इन परिस्थितियों में खेलते हुए बहुत समय बिताया है।’

नागल ने परिचित माहौल के महत्व पर भी जोर दिया और आयोजन स्थल तय होने के बाद अपना ट्रेनिंग स्थल बेंगलुरु में स्थानांतरित कर लिया था। नागल ने कहा, ‘जब हमें पता चला कि डेविस कप यहां होने वाला है तो हमने अपना शिविर स्थानांतरित कर लिया। मैं डब्ल्यूटीएल के बाद यहीं रुक गया, चैलेंजर के लिए जल्दी आ गया और यहां जितना हो सके उतना समय बिताने की कोशिश की।’

उन्होंने कहा, ‘जब हमें पता चला कि डेविस कप यहां होने वाला है तो

हमने अपना शिविर बदल दिया। मैं डब्ल्यूटीएल के बाद यहीं रुक गया, चैलेंजर के लिए जल्दी आ गया और यहां जितना हो सके उतना समय बिताने की कोशिश की।’ नागल 2025 के उतार-चढ़ाव भरे सत्र के बाद शीर्ष 100 से बाहर हो गए और उन्होंने इसे ‘एक बड़ा सीखने का अनुभव’ बताया। उन्होंने कहा, ‘अगर आप टेनिस में अच्छा प्रदर्शन नहीं करते हैं तो आपकी रैंकिंग गिरती है, पैसे कम मिलते हैं, सब कुछ खत्म हो जाता है। मैं ऐसे मैच हार रहा था जो मुझे जीतने चाहिए थे और करीबी मैच भी नहीं जीत पा रहा था। इसी वजह से रैंकिंग गिरने लगी।’

नागल ने पिछले साल सिर्फ दो एटीपी टूर स्तर की प्रतियोगिता खेली और चैलेंजर सर्किट में सात बार पहले दौर में ही बाहर हो गए। उन्होंने कहा, ‘यह दुर्भाग्यपूर्ण था, बीमार पड़ना, चोट लगना, लय खो देना। 2025 के आखिर में मैंने फिर से बेहतर खेलना शुरू किया लेकिन मैंने एक सीमित कार्यक्रम के अनुसार खेलने का फैसला किया और लंबे सत्र पूर्व कार्यक्रम पर ध्यान देने के लिए अपना सत्र जल्दी खत्म कर दिया।’

जून में शादी के बंधन में बंध सकते हैं रिंकू और प्रिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। क्रिकेटर रिंकू सिंह सपा सांसद प्रिया सरोज के साथ इसी साल जून में शादी के बंधन में बंध सकते हैं। रिंक अभी आईसीसी टी20 विश्वकप के लिए टीम के साथ हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार उनकी शादी की तारीख शीघ्र ही सामने आयेगी। रिंकू और प्रिया की सगाई पिछले साल लखनऊ में हुई थी। इसमें कई दिग्गज राजनेता और क्रिकेटर भी शामिल हुए थे। पहले दोनों के शादी को लेकर 18 नवंबर 2025 की तारीख सामने आई थी पर रिंकू के व्यस्त होने के कारण इसे टाल दिया गया था। रिंकू की सगाई की तस्वीरों को प्रशंसकों ने खूब पसंद किया था। प्रिया के साथ उनके रिश्ते की खबर सोशल मीडिया पर छायी रही थी। सगाई की तस्वीरें और डांस के वीडियो भी प्रशंसकों ने जमकर पसंद किये थे। रिंकू आईपीएल 2024 के बाद से ही भारतीय टीम के साथ हैं। अभी वह टी20 विश्वकप में व्यस्त हैं। विश्वकप 7 फरवरी से शुरु होने वाला है। इसके बाद 26 मार्च से 31 मई के बीच आईपीएल मुकाबले होंगे। इसके बाद ही रिंकू और प्रिया की शादी होगी। रिंकू भारतीय टी20 टीम में शामिल हैं। इसके अलावा वह आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की ओर से खेलते हैं।

टी20 विश्वकप में अभिषेक पर रहेंगी नजरें : शास्त्री

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री मानना है कि टी20 विश्वकप में आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा पर सभी की नजरें रहेंगी। शास्त्री के अनुसार अभिषेक इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम के ट्रंप कार्ड साबित होंगे। इस पूर्व कोच के अनुसार अभिषेक निडर होकर खेलते हैं। उनमें गजब का आत्मविश्वास है और ऐसे में वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से विरोध टीम के गेंदबाजी क्रम को धवस्त कर देते हैं। इसके अलावा उन्हें घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। इससे वह टूर्नामेंट के सबसे खतरनाक बल्लेबाज बनकर उभरेंगे। यहां एक कार्यक्रम में शास्त्री ने अभिषेक की जममर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह विश्वकप में सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी होंगे जो मैच बदलने में सक्षम रहेगा। उनके अनुसार अभिषेक इस समय जबरदस्त लय में हैं जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। जिस प्रकार का आत्मविश्वास उसके अंदर भरा हुआ है। उससे भी उससे एक आक्रामक बल्लेबाज बनने में सहायता मिली है। वह मैदन में उतरते ही विरोधी टीम के गेंदबाजों पर दबाव बना देता है। शास्त्री का मानना है कि अभिषेक की सबसे

बड़ी ताकत उकसा आत्मविश्वास है। वह घरेलू दर्शकों का समर्थन मिलने से और भी खतरनाक हो जाता है। साथ ही कहा , अगर अभिषेक रन बनाते हैं, तो इसका सीधा मतलब है कि भारत मैच में आगे बना रहेगा रहेगा। इससे अंदाजा होता है कि अब भारतीय टीम की सफलता काफी कुछ अभिषेक की बल्लेबाजी पर आधारित रहती है। अभिषेक ने सबसे पहले आईपीएएल 2024 में अपने आक्राम‍म प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा था। इसी कारण उन्हें टी20 विश्व कप के बाद भारतीय टीम में भी अवसर मिला। जिम्बाब्वे के खिलाफ अपनी ही सीरीज में इस बल्लेबाज ने अपनी प्रतिभा दिखायी।

रोनाल्डो ने फीफा वर्ल्ड कप को लेकर की भविष्यवाणी, ये टीम जीतेगी खिताब

रियो डी जेनेरो (एजेंसी)। पूर्व स्ट्राइकर रोनाल्डो ने कहा कि उन्हें इस साल के फीफा वर्ल्ड कप में एक नई ऊर्जा से भरी ब्राजील टीम देखने की उम्मीद है, और उन्होंने मैनेजर कार्लो एंसेलोटी के सकारात्मक प्रभाव की तारीफ की। पांच बार की वर्ल्ड कप विजेता ब्राज़ील क्वालीफायर में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से काफी पीछे थी, 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी ग्रुप में पांचवें स्थान पर रही, जो लीडर और मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना से 10 अंक पीछे थी। लेकिन रोनाल्डो ने कहा कि पिछले साल मई में अपनी नियुक्ति के बाद से एंसेलोटी ने राष्ट्रीय टीम में नया आत्मविश्वास जगाया है।

दो बार के वर्ल्ड कप विजेता ने पत्रकारों से कहा, ‘मैं बहुत आशावादी हूं।हमने कुछ बार मुलाकात की है और छठे खिताब पर विश्वास करने के लिए ब्राजीलियाई फैंस से अपील करते हुए एक मजेदार विज्ञापन भी फिल्माया है। मैं उन्हें जानता हूं, मैं उनके काम करने का तरीका जानता हूं, इसलिए जब वह राष्ट्रीय टीम में शामिल हुए थे, उससे कहीं ज्यादा मैं अब उत्साहित हूं।’ वर्ल्ड कप 11

जून से 19 जुलाई तक संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में खेला जाएगा। ब्राजील 13 जून को मोरक्को के खिलाफ ग्रुप सी अभियान शुरू करेगा, जिसके बाद 19 जून को हैती और 24 जून को स्कॉटलैंड का सामना करेगा। रोनाल्डो, जिन्होंने 2002 में ब्राजील को आखिरी वर्ल्ड कप जीत दिलाई थी, जब उन्होंने आठ गोल किए थे, जिसमें जर्मनी के खिलाफ फाइनल में दो गोल शामिल थे, उन्होंने कहा कि यह टूर्नामेंट देश को एकजुट करेगा। पूर्व बार्सिलोना और रियल मैड्रिड स्टार ने कहा, ‘’यह (वर्ल्ड कप) एक ब्राजीलियाई के लिए सबसे बड़ी खुशी है। यह एक ऐसा आयोजन है जो हमारे छठे खिताब की तलाश में ब्राज़ीलियाई लोगों को एक साथ लाएगा। मुझे लगता है कि हमें इस मौके का फायदा उठाना चाहिए।’ रोनाल्डो ने कहा कि उन्होंने 2024 और 2025 में क्रमशः ब्राजील के क्रूजेरो और स्पेन के वलाडोलिड में अपनी अधिकांश हिस्सेदारी बेचने के बाद फुटबॉल क्लब के स्वामित्व से एक कदम पीछे हटने का फैसला किया है। 49 वर्षीय ने कहा, ‘फुटबॉल टीमों से जुड़े प्रोजेक्ट्स के साथ मेरा कोई वित्तीय लक्ष्य नहीं था। मैं खुद का एक प्रोजेक्ट लीड करने का अनुभव लेना चाहता था, जिसमें मैं इंचार्ज रहूं, और यह बहुत बढ़िया था। लेकिन जब मुझे समझ आया कि क्लब्स को आगे बढ़ाने के लिए मुझे पीछे हटना होगा, तो उसी पल मैंने दोनों स्टेक बेचने का फैसला किया।’ अब वह छोटे बिज़नेस वेंचर्स पर फोकस कर रहे हैं, जैसे साओ पाउलो में एक नए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की योजना जिसमें आर्टिफिशियल वेव पूल होंगे। उन्होंने कहा, ‘जब मैंने वे दोनों टीमें बेचीं, तो मैंने तय किया कि कुछ समय के लिए मैं फुटबॉल इंडस्ट्री से ज्यादा शांत चीजें चाहता हूं।’

महिला हॉकी टीम की फिटनेस पर है ध्यान : कोच

नई दिल्ली (एजेंसी)। ।भारतीय महिला हॉकी टीम इसी साल होने वाले एशियाई खेलों और 2028 ओलंपिक की तैयारियों में लगी है। इसी को देखते हुए मुख्य कोच स्योर्ड मारिज्ने ने कहा है कि उनका पूरा ध्यान टीम की फिटनेस बनाये रखने के साथ ही आपसी तालमेल को बेहतर करने पर रहेगा। मारिज्ने ने कहा कि फिटनेस पर अधिक ध्यान इसलिए दिया जा रहा है क्योंकि ये आजकल के खेल में सबसे जरुरी है। इसी पर टीम का प्रदर्शन आधारित रहता है। इसके अलावा खिलाड़ियों के एक जुट होकर खेलने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब टीम फिट होगी तभी वह बेहतर प्रदर्शन कर पायेंगी क्योंकि दबाव सहने के लिए शारीरिक रुप से मजबूत होना जरुरी है। भारतीय टीम को अभी 8 से 14 तक हैदराबाद में होने वाले एफआईएच महिला विश्व कप क्वालीफायर खेलने हैं। इसके अलावा एशियन गेम्स 2026 और एलए 2028 ओलंपिक चक्र के अन्य बड़े टूर्नामेंट भी खेलने हैं। टीम आजकील बेंगलुरु स्थित साई के क्षेत्रीय केंद्र में राष्ट्रीय कोचिंग कैंप में अभ्यास कर रही है। ये 18 फरवरी तक चलेगा। शुरुआत में इस शिविर में 49 खिलाड़ी शामिल थे, जिनमें 43 सीनियर और छह जूनियर थीं।

फेड कप 2026 चयन विवाद: विनेश फोगाट ने हरियाणा कुश्ती संघ पर साधा निशाना

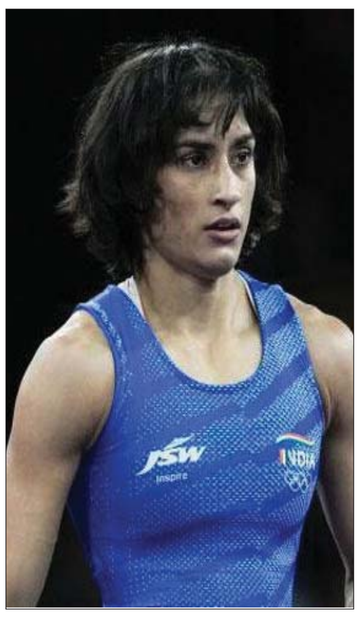

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टार भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने फेडरेशन कप 2026 के चयन को लेकर हरियाणा कुश्ती संघ के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने चयन मानदंडों को ‘अनुचित’ बताते हुए कहा कि मौजूदा नियम न सिर्फ भेदभावपूर्ण हैं, बल्कि कई प्रतिभाशाली पहलवानों के करियर पर भी खतरा बन सकते हैं। विनेश का मानना है कि सीमित ट्रायल नीति भारतीय कुश्ती में निष्पक्षता और नए टैलेंट के विकास दोनों के खिलाफ है।

चयन मानदंडों पर विनेश की कड़ी आपत्ति

विनेश फोगाट ने हरियाणा कुश्ती संघ के उस फैसले पर सवाल उठाए, जिसमें फेड कप 2026 के ट्रायल केवल 2025 के सीनियर राज्य पदक विजेताओं और 2025 में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले पहलवानों तक सीमित कर दिए गए हैं। उनका कहना है कि इस नीति ने हजारों मेहनती खिलाड़ियों को बिना किसी ठोस कारण के बाहर कर दिया है।

2024 के राष्ट्रीय पदक विजेताओं को बाहर क्यों?

विनेश ने खास तौर पर इस बात पर नाराजगी जताई कि 2024 के राष्ट्रीय पदक विजेताओं को चयन प्रक्रिया से बाहर रखा गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या एक साल पहले देश के लिए पदक जीतने वाले पहलवान अचानक अयोग्य हो जाते हैं। उनके मुताबिक, यह फैसला प्रदर्शन आधारित चयन की मूल भावना के खिलाफ है।

उम्र सीमा और चोट से जूझ रहे पहलवानों की अनदेखी

फोगाट ने यह भी कहा कि उम्र सीमा के कारण 2025 सीनियर नेशनल में हिस्सा न ले पाने वाले पहलवान 2026 में पूरी तरह योग्य हैं, फिर भी उन्हें मौका नहीं दिया जा रहा। इसके अलावा, चोटिल खिलाड़ियों को भी चयन से बाहर कर दिया गया है, जो उनके अनुसार अन्यायपूर्ण है क्योंकि चोट खेल का हिस्सा होती है, अपराध नहीं।

‘ये टूर्नामेंट हर खिलाड़ी का सपना होते हैं’

विनेश ने जोर देकर कहा कि एशियाई खेल, विश्व चैंपियनशिप और फेडरेशन कप जैसे इवेंट हर पहलवान के करियर के लिए बेहद अहम होते हैं। उनका मानना है कि मौजूदा चयन नीति खिलाड़ियों के भविष्य पर समय से पहले ब्रेक लगाने जैसा है और सालों की मेहनत को बेकार कर देती है।

निष्पक्ष ट्रायल की कमी से रुक रहा नया टैलेंट

स्टार पहलवान ने राज्य स्तर पर निष्पक्ष ट्रायल न होने को भारतीय कुश्ती की सबसे बड़ी समस्या बताया। उनके अनुसार, जब खिलाड़ियों को खुद को साबित करने का मौका ही नहीं मिलेगा, तो देश के लिए नई प्रतिभाएं सामने कैसे आएंगी।

ओपन ट्रायल की जोरदार मांग

विनेश फोगाट ने खुलकर ओपन ट्रायल की वकालत की। उन्होंने कहा कि असली टैलेंट सिर्फ मैट पर पहचाना जा सकता है, न कि कागजी मानदंडों से। किसी खिलाड़ी को ट्रायल का मौका न देना उसके साथ सबसे बड़ा अन्याय है।

मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की अपील

अपने बयान के अंत में, विनेश ने हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और नायब सैनी से इस मुद्दे में दखल देने की अपील की। उन्होंने कहा कि राज्य के पहलवानों को न्याय दिलाने के लिए सरकार का हस्तक्षेप बेहद जरूरी है।

बांग्लादेश को विश्वकप में शामिल किया जाता है तो पाकिस्तान भी बदलेगा बहिष्कार का फैसला : सेठी

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पूर्व अध्यक्ष नजम सेठी ने कहा है कि अगर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) बांग्लादेश को टी20 विश्वकप में शामिल करने के लिए तैयार हो जाता है तो उनकी टीम भारत के खिलाफ मैच खेलने के लिए तैयार हो जाएगी। वहीं आईसीसी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को चेतावनी दी है कि मैच का बहिष्कार उसे भारी पड़ेगा। ऐसे में उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई हो सकती है। आईसीसी ने यह भी साफ किया है कि

बहिष्कार का कदम खेल और व्यावसायिक हितों के लिए सही नहीं होगा, क्योंकि भारत-पाकिस्तान मुकाबले का महत्व बहुत बड़ा है. हालांकि आईसीसी ने अभी तक ये नहीं बताया है कि वह पीसीबी को किस प्रकार की सजा दे सकती है। वहीं सेठी का मानना है कि हालात अब भी ठीक हो सकते हैं। उन्होंने कहा, 卐मेरे हिसाब से अगर बांग्लादेश को श्रीलंका बुलाया जा सकता है, तो अभी देर नहीं हुई है। वहां कई मैच खेले जा रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि सभी लोगा विश्व क्रिकेट की भलाई को देखते हुए सही फैसला करेंगे। हर कोई भारत-पाकिस्तान मैच देखना चाहता है। साथ ही कहा कि अगर आईसीसी उनकी बात नहीं मानती है तो पाक मैच से बाहर रहने के फैसले पर बना रहेगा। उसने कानूनी मामलों से निपटने के लिए अपने वकीलों से बात की है।

एआई में नए घटनाक्रम ने निवेशकों को डराया, निफ्टी आईटी शेयरों में भारी गिरावट

नई दिल्ली।

वॉलस्ट्रीट पर सॉफ्टवेयर कंपनियों में नुकसान के बाद गुरुवार को भारत में भी आईटी शेयरों में गिरावट आईं। आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) में नए घटनाक्रम ने निवेशकों को डरा दिया। निफ्टी आईटी सूचकांक में 5.87 फीसदी की भारी गिरावट आई, जो 23 मार्च, 2020 के बाद सबसे बड़ी गिरावट है। निफ्टी आईटी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.92 लाख करोड़ रुपए तक घट गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस दोनों के शेयर 7 फीसदी से ज्यादा टूट गए। विप्रो में 3.8 फीसदी की गिरावट आई। पर्सिस्टेंट सिस्टम्स 4.6 फीसदी और एलटीआई माइंडट्री 5.5 फीसदी नुकसान में रहे। बेंचमार्क निफ्टी 0.19 फीसदी बढ़त पर बंद हुआ। सेंसेक्स भी 78.56 अंक की मामूली बढ़त के साथ 83,817.69 पर बंद हुआ।

रिपोर्ट के मुताबिक आईटी क्षेत्र को चिंता तब शुरू हुई जब एआई स्टार्टअप एंथ्रोपिक ने इन-हाउस वकीलों के लिए उत्पादकता टूल पेश किया, जो समूची कार्यप्रणाली को स्वचालित करता है। इससे निवेशकों को चिंता है कि ऐसे एआई टूल के विकास से पारंपरिक कारोबारी मॉडल वाले सॉफ्टवेयर कंपनियों को नुकसान होगा और पूरे उद्योग का मुनाफा घट जाएगा। स्वचालित टूल जारी होने की खबर से मंगलवार को वॉलस्ट्रीट पर बिकवाली शुरू हो गई और नैस्डैक 100 1.55 फीसदी नीचे बंद हुआ था। रिपोर्ट के मुताबिक गोल्डमैन सैक्स समूह के अमेरिकी सॉफ्टवेयर शेयरों का बास्केट 6 फीसदी गिर गया जो अप्रैल में शुल्क की वजह से हुई बिकवाली के बाद से एक दिन में सबसे बड़ी गिरावट है।

हाल ही में एक रिपोर्ट में कहा गया है कि सॉफ्टवेयर की बिकवाली बढ़ गई है और कुछ ही सुरक्षित ठिकाने बचे हैं क्योंकि एआई में तेजी से विकास हो रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि क्लाउड एक ऐसे चैटबॉट से एजेंट में बदल रहा है जो टेक्स्ट-आधारित सवालों के जवाब देता है और आपके मैक की लोकल फाइलों और ब्राउजर पर काम करता है।

अब येस बैंक की कमान संभालेंगे टोंसे, बैंक वृद्धि बहाली अगले चरण में ले जाने की जिम्मेदारी

नई दिल्ली।

येस बैंक में प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्याधिकारी का पदभार संभालने जा रहे विनय मुरलीधर टोंसे पर बैंक को वृद्धि के अगले चरण में ले जाने की जिम्मेदारी है। वह प्रशांत कुमार की जगह लेंगे। हाल की तिमाहियों में बैंक के कारोबार की वृद्धि, खासकर खुदरा क्षेत्र में, सुस्त रही है, क्योंकि बैंक होम लोन और कार लोन जैसे ऋण क्षेत्र से हटकर मिल यील्डिंग सेग्मेंट की ओर बढ़ रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जापान की वित्त क्षेत्र की दिग्गज एसएमबीसी द्वारा बैंक में पिछले साल 25 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के बाद यह नियुक्ति होने जा रही है, जिसे देखते हुए इसे अहम माना जा रहा है। येस बैंक के मौजूदा एमडी और सीईओ प्रशांत कुमार की तरह मुरलीधर टोंसे भी भारतीय स्टेट बैंक में काम कर चुके हैं। वह नवंबर 2025 में स्टेट बैंक से प्रबंध निदेशक पद से सेवानिवृत्त हुए थे।

टोंसे के येस बैंक के एमडी और सीईओ पद पर नियुक्ति पर एक वरिष्ठ बैंकर ने कहा कि उन्हें हर क्षेत्र का अनुभव है। अपनी सेवाओं के दौरान उन्होंने कॉरपोरेट बैंकिंग, मार्केट्स, इंटरनैशनल बैंकिंग और खुदरा समेकत करीब सभी प्रमुख क्षेत्रों का कामकाज देखा है। इसकी वजह से वह इस पद के लिए बेहतर विकल्प हैं।

सूत्रों ने कहा कि एमडी और सीईओ पद के लिए तीन उम्मीदवार दौड़ में थे, जिनमें से दो निजी क्षेत्र से थे। येस बैंक के बोर्ड ने टोंसे को चुना। टोंसे ने 1988 में स्टेट बैंक में प्रोबेशनरी ऑफिसर के रूप काम करना शुरू किया था।

वीवो वी50 5जी पर मिल रहा भारी डिस्काउंट, स्नैपड्रैगन प्रोसेसर व 50एमपी फ्रंट कैमरा भी

नई दिल्ली।

आप स्मार्टफोन खरीदने जा रहे है तो आपको वीवो वी50 5जी पर फिल्पकार्ट शानदार डिस्काउंट दे रहा है। कंपनी ने इस फोन को 39,999 रुपए की कीमत पर पेश किया था, लेकिन बैंक ऑफर्स और फ्लैट डिस्काउंट के बाद तो फोन की कीमत काफी कम हो गई।

वीवो वी50 5जी इस प्राइस पर काफी शानदार फीचर्स ऑफर कर रहा है। डिवाइस में शानदार परफॉर्मेंस, बड़ी और कलरफुल डिस्प्ले, फास्ट चार्जिंग सपोर्ट और शानदार कैमरे देखने को मिल रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक वीवो वी50 5जी की कीमत वैसे तो 39,999 रुपए है लेकिन फिल्पकार्ट अभी इस डिवाइस को सिर्फ 32,999 रुपए में खरीदने का मौका दे रहा है। फोन पर 7,000 रुपए तक का फ्लैट डिस्काउंट देखने को मिल रहा है।

इतना ही नहीं फोन पर जबरदस्त बैंक ऑफर भी मिल रहा है जहां फिल्पकार्ट एसबीआई या फिल्पकार्ट एक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करके 5फीसदी तक का कैशबैक भी मिल सकता है। जबकि कुछ बैंक के क्रेडिट कार्ड नॉन ईएमआई ऑप्शन पर 1500 रुपए तक का डिस्काउंट मिल रहा है। इसके अलावा आप अपना पुराना डिवाइस एक्सचेंज करके भी ज्यादा डिस्काउंट ले सकते हैं। पुराने स्मार्टफोन को एक्सचेंज करके आपको 26,650 रुपए तक का एक्सचेंज वैल्यू मिल सकता है। हालांकि, फाइनल एक्सचेंज वैल्यू आपके पुराने स्मार्टफोन के ब्रांड, मॉडल और फंक्शनैलिटी पर डिपेंड करेगी।

वीवो के इस फोन में 6.77-इंच का एमोलेड डिस्प्ले मिल रहा है। साथ ही फोन में 120एचजेड तक का रिफ्रेश रेट सपोर्ट भी मिलेगा। तेज धूप में यह डिवाइस 4,500 निट्स की पीक ब्राइटनेस भी ऑफर करेगा। फोन में स्नैपड्रैगन 7 जेन 3 चिपसेट देखने को मिल रहा है। साथ ही इस फोन में 12जीबी एलपीडीडीआर4एक्स रैम और 512जीबी तक यूएफएस 2.2 स्टोरेज मिल रही है।

फोटोग्राफी के लिए वीवो वी50 5जी में डुअल कैमरा सेटअप देखने को मिल रहा है जहां 50एमपी का प्राइमरी रियर कैमरा मिल रहा है। साथ ही डिवाइस में एक 50एमपी का सेकेंडरी कैमरा भी मिल रहा है। सेल्फी के लिए इस डिवाइस में 50एमपी का फ्रंट कैमरा मिल रहा है। इस स्मार्टफोन में 6,000मेगाहार्ट की बैटरी और 90वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट भी मिल रहा है।

विदेशी कंपनियों को कर छूट का लाभ लेने के लिए करनी होगी चार शर्तें पूरी

-यह छूट कर वर्ष 2026-27 से लेकर कर वर्ष 2046-47 तक उपलब्ध होगी

नई दिल्ली।

केंद्रीय बजट में डेटा और क्लाउड सेंटर कंपनियों के लिए कर छूट की घोषणा के बाद वित्त मंत्रालय के सूत्रों ने कहा है कि विदेशी कंपनियों को कर छूट का पात्र होने के लिए चार शर्तों को पूरा करना होगा। यह छूट कर वर्ष 2026-27 से लेकर कर वर्ष 2046-47 तक उस विदेशी कंपनी को उपलब्ध होगी, जो भारत समेत विश्व स्तर पर क्लाउड सेवाएं प्रदान करती है। विदेशी कंपनी को छूट प्राप्त करने के लिए चार अनिवार्य शर्तें पूरी करनी होंगी। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि विदेशी कंपनी का अधिसूचित होना जरुरी है और भारत में जिस डेटा सेंटर कंपनी से डेटा सेंटर सेवाएं ली जा रही हैं, उसका भारतीय होना अनिवार्य है। अन्य शर्तों में यह भी शामिल है, डेटा सेंटर का इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा अधिसूचित होना और विदेशी कंपनी द्वारा भारतीय उपयोगकर्ताओं को दी जाने वाली सेवाएं एक भारतीय पुनर्विक्रेता इकाई के जरिए प्रदान की जानी अनिवार्य हैं।

सूत्रों के मुताबिक यह छूट क्लाउड सेवाएं प्रदान करने के व्यवसाय में लगी विदेशी कंपनियों को निश्चितता प्रदान करती है, जो भारत में स्थित डेटा सेंटर से सेवाएं हासिल करती हैं। ऐसी विदेशी कंपनियों को कोई जोखिम नहीं होगा कि उनकी वैश्विक आय पर भारत में कर लगाया जाए। घरेलू आर्थिक गतिविधियों से होने वाली आय पर कर, जैसे कि रेजिडेंट डेटा सेंटर द्वारा वैश्विक इकाई को डेटा सेंटर सेवाएं प्रदान करना और रेजिडेंट पुनर्विक्रेता इकाई द्वारा भारतीय ग्राहकों को क्लाउड सेवाएं बेचना, किसी भी अन्य घरेलू कंपनी की तरह ही कर योग्य रहेगा।

हालांकि, यदि भारतीय डेटा सेंटर किसी विदेशी कंपनी की संबद्ध इकाई है, तो 15 फीसदी का सुरक्षित कर मार्जिन प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि विदेशी क्लाउड सेवा इकाई के साथ व्यवहार समान रहेगा, चाहे डेटा सेंटर भारतीय स्वामित्व वाला हो या वैश्विक इकाई की सहायक कंपनी, जिससे सभी के लिए समान अवसर तय होंगे। भारतीय डेटा सेंटर अब आत्मविश्वास से ऐसी वैश्विक क्लाउड इकाइयों को अपनी सेवाएं प्रदान कर सकते हैं, और बाद वाली इकाइयों को भारतीय डेटा सेंटरों के इस्तेमाल के कारण किसी भी प्रकार के कर जोखिम का सामना नहीं करना पड़ेगा। इस कदम का उद्देश्य बुनियादी ढांचे का विकास करना और डेटा सेंटरों में निवेश को बढ़ावा देना है।

भारत जल्द ही सीमा शुल्क में सुधार का एक और दौर शुरू करेगा: सीतारमण

-ट्रेड डील की घोषणा के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेश आवक की चुनौतियां होंगी खत्म

नई दिल्ली।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते की घोषणा के बाद अब भारत में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश आवक की चुनौतियां खत्म हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि जब साल भर पहले निवेशकों ने पैसा निकालना शुरू किया था, तब भी भारत की वृहद आर्थिक बुनियाद मजबूत थी। उन्होंने कहा कि बुनियादी वृहद आर्थिक संकेतक तब मजबूत थे, बाद में मजबूत रहे और अब भी मजबूत ही हैं लेकिन निवेश की आवक के लिए कुछ और चाहिए। वित्तमंत्री ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के बीच फोन बातचीत पर प्रतिक्रिया देखें तो पता चल जाएगा कि मौसम कितना बदल गया है। इसलिए मुझे उम्मीद है कि देश में निवेश आएगा। उन्होंने कहा कि भारत जल्द ही सीमा शुल्क में सुधार का एक और दौर शुरू करेगा। इससे संकेत मिलता है कि वित्त वर्ष 2027 के बजट में घोषित सीमा शुल्क में कटौती प्रस्तावित बड़ी कवायद की पहली किस्त थी। उन्होंने कहा कि सीमा शुल्क की व्यवस्था में कई स्तर हैं, जिन्हें सरकार सुधारों को एक साथ पूरा करने के बजाय जानबूझकर उन्हें चरणबद्ध तरीके से कर रही है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि मैं यह सब इस बजट में कर सकती थी, लेकिन जितने पर पूरा भरोसा था उसे किया। बाकी के लिए हम जल्दबाजी नहीं करना चाहते थे। कुछ बदलाव तृतीयक संशोधनों के जरिये भी लाए जा सकते हैं या ऐसा कहें कि मेरे पास अभी कुछ और भी है, जिसे बाद में एक साथ लाएंगे लेकिन जितनी जल्दी हो उतना अच्छा।

मारुति सुजुकी की ग्रांड विटारा लगातार सुर्खियों में

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी की ग्रांड विटारा भारतीय कार बाजार में माइलेज को लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। मारुति सुजुकी कंपनी का दावा है कि यह एसयूवी फुल टैंक में करीब 1200 किलोमीटर तक चल सकती है। 10.76 लाख रुपये से 19.57 लाख रुपये की कीमत में उपलब्ध इस मिड-साइज एसयूवी का मुकाबला हुंडई क्रेटा, किया सेल्टोस और होंडा एलिवेट जैसे लोकप्रिय मॉडलों से होता है। इसके बावजूद ग्रांड विटारा मजबूत हाइब्रिड तकनीक और भरोसेमंद परफॉर्मेंस की वजह से अपनी अलग पहचान कायम कर चुकी है। बिक्री के आंकड़े भी इसकी सफलता की पुष्टि करते हैं। पिछले छह महीनों में 50 हजार से अधिक यूनिट्स की बिक्री के साथ यह एसयूवी हर महीने औसतन 8,355 ग्राहकों की पसंद बन रही है। मारुति और टोयोटा की साझेदारी में विकसित इस मॉडल में माइल्ड और स्ट्रॉन्ग दोनों तरह के हाइब्रिड इंजन विकल्प मिलते हैं। स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड वेरिएंट पेट्रोल इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर के संयोजन से 27.97 किमी प्रति लीटर तक का माइलेज देने में सक्षम है। इसमें दिया गया ईवी मोड पूरी तरह इलेक्ट्रिक मोटर पर कार चलाता है, जिससे ड्राइविंग न केवल शांत होती है बल्कि ईंधन की खपत भी काफी कम रहती है। फीचर्स के मामले में भी ग्रांड विटारा किसी से कम नहीं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 13 पैसे की बढ़त के साथ ही 90.33 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया 90.52 पर खुला, फिर कुछ बढ़त के साथ 90.40 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 7 पैसे की बढ़त दिखाता है। सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया एक छोटे दायरे में कारोबार कर रहा था। आज सुबह डॉलर इंडेक्स 0.18 फीसदी बढ़कर 97.79 पर कारोबार कर रहा था।पिछले एक महीने में भारतीय रुपये में 0.36 फीसदी की गिरावट आई है और पिछले 12 महीनों में यह 3.25 फीसदी तक गिरा है।

एआई से भरोसा नहीं: बढ़ी बेचैनी, एशियाई शेयर बाजार लड़खड़ाया

-निवेशक अब टेक दिग्गजों से दूरी बनाकर साइक्लिकल शेयरों की ओर बढ़ रहे

नई दिल्ली। एआई बाजार की बेचैनी बनता जा रहा है। एआई में बढ़ते खर्च को लेकर डर बढ़ते ही गुरुवार को एशियाई शेयर बाजार लड़खड़ा गए। टेक शेयरों पर दबाव साफ दिखा, हालांकि वॉल स्ट्रीट फ्यूचर्स ने संभलने की कोशिश की क्योंकि चिप बनाने वाली कंपनियों में हल्की तेजी आई। गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट ने बाजार बंद होने के बाद मजबूत नतीजे पेश किए, लेकिन असली झटका उसके ऐलान ने दिया। कंपनी ने बताया कि वह इस साल एआई पर 175 से 185 अरब डॉलर खर्च करेगी। यह रकम बाजार की उम्मीद से कहीं ज्यादा थी। इस खबर के बाद अल्फाबेट का शेयर एक समय 6 फीसदी से ज्यादा टूट गया, हालांकि बाद में गिरावट 0.4 फीसदी रह गई। आईजी के एनालिस्ट ने कहा कि एआई पर खर्च में इतनी बड़ी बढ़ोतरी ऐसे वक्त आई है जब निवेशक पहले से ही सॉफ्टवेयर कंपनियों, कैपेक्स और एआई वैल्यूएशन को लेकर बेहद घबराए हुए हैं। निवेशक अब टेक दिग्गजों से दूरी बनाकर साइक्लिकल शेयरों की ओर बढ़ रहे हैं। एआई की वजह से नौकरियों और बिजनेस मॉडल पर खतरे की आशंका बढ़ गई है। एन्थोपिक के कालुडे एआई मॉडल के नए लीगल टूल से शुरू हुई बिकवाली ने 28 जनवरी के बाद से करीब 830 अरब डॉलर की बाजार वैल्यू साफ कर दी है। इस डर के माहौल में एडवांड माइक्रो डिवाइस के कमजोर नतीजों ने आग में घी डाल दिया। चिप निर्माता कंपनी का शेयर रातों-रात 17 फीसदी टूट गया और टेक सेक्टर की हालत खराब हो गई। एआई इंफ्रास्ट्रक्चर पर बढ़ते खर्च की उम्मीद से नविदिया के शेयरों में आफ्टर-आवर्स ट्रेडिंग में करीब 2 फीसदी की तेजी आई। इससे नस्दक फ्यूचर्स 0.6 फीसदी और एसएंडपी 500 फ्यूचर्स 0.4 फीसदी ऊपर दिखे, मानो बाजार ने राहत की सांस ली हो।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 503, निफ्टी 133 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 503.76 अंक नीचे आकर 83,313.93 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 133.20 अंक टूटकर 25,642.80 पर बंद हुआ। बाजार में सबसे अधिक गिरावट डिफेंस क्षेत्र से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में आई। इसमें एचएएल में 4.31 फीसदी, डेटा पैटनर्स 3.63 फीसदी और साइएंट डीएलएम 3.34 फीसदी की सबसे ज्यादा गिरावट रही। सूचकांकों में निफ्टी इंडिया डिफेंस में 2.10 फीसदी, निफ्टी मेटल 1.02 फीसदी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.82 फीसदी, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग और निफ्टी कंजप्शन इंडेक्स में 0.59 फीसदी गिरावट रही। निफ्टी पीएसयू बैंक 0.38 फीसदी और निफ्टी हेल्थकेयर में 0.14 फीसदी की बढ़त रही। वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 166.50 अंक टूटकर की 59,517.10 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 221.20 अंक नीचे आकर 16,983.90 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान

व्यापक बाजार में भी कमजोरी रही। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर 1,737 शेयर लाभ के साथ ही उछले। वहीं 2,447 शेयरों में गिरावट रही। 158 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला। सेंसेक्स हल्की गिरावट के साथ ही 83,757 पर खुला। सुबह यह 273.15 अंक नीचे आकर खुला। वहीं दूसरी ओर निफ्टी भी टूटकर ,755.90 पर खुला। सुबह यह 87.15 अंक फिसलकर 25,685 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो आज सुबह शुरुआती कारोबार में गिरावट रही। यह गिरावट वॉल स्ट्रीट के पिछले सत्र के अनुसार रही। इस दौरान तकनीकी शेयरों में बिकवाली रही। वहीं दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्केई 225 इंडेक्स करीब 2.35 फीसदी नीचे आया 0.49 प्रतिशत तक टूट गए। एसएंडपी 500 और नैस्डैक 100 में 0.51 और 1.8 फीसदी की गिरावट रहीए। निवेशकों को टेक शेयरों के महंगे वैल्यूएशन की आशंका रही।

कॉग्निजेंट ने चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ में 64.8 करोड़ डॉलर कमाए, ट्रेंट का रेवेन्यू बढ़ा

-टाटा पावर का वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 1,194 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली। नैस्डैक पर सूचीबद्ध कंपनी कॉग्निजेंट ने चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ में 64.8 करोड़ डॉलर के साथ 19 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की। इस दौरान राजस्व 4.9 फीसदी बढ़कर 5.3 अरब डॉलर हो गया, जबकि स्थिर मुद्रा में वृद्धि 3.8 फीसदी रही। वृद्धि के ये आंकड़े अधिकांश भारतीय प्रतिस्पर्धियों की तुलना में कहीं बेहतर रहे। कॉग्निजेंट जनवरी-दिसंबर की अवधि को वित्त वर्ष मानती है। कंपनी को उम्मीद है कि साल 2025 में अपने खुद के अनुमान को पार करने के बाद वह 4 से 6.5 फीसदी की वृद्धि दर्ज करेगी। फैशन और लाइफस्टाइल क्षेत्र की खुदरा विक्रेता ट्रेंटफैशन और लाइफस्टाइल क्षेत्र की खुदरा विक्रेता ट्रेंट का समेकित शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2026 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 3.1 फीसदी बढ़ा। पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में इसका परिचालन राजस्व 14.8 फीसदी बढ़कर 5,345.1 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी ने कहा कि लेखा मानकों के कारण हमारे समेकित राजस्व में ट्रेंट हाइपरमार्केट कारोबार का राजस्व शामिल नहीं है। हालांकि इस परिणाम में इस उद्यम के लाभ का आनुपातिक हिस्सा शामिल है और इसकी गणना इक्विटी विधि के आधार पर की गई है। टाटा पावर का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ मामूली रूप से बढ़कर 1,194 करोड़ रुपए पहुंच गया। राजस्व में कमी के बावजूद कंपनी के मुनाफे में यह बढ़त दर्ज की गई है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 1,188 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध लाभ हुआ था। बजाज फिनसर्व का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ लगभग स्थिर रहा और यह 2,229 करोड़ रुपए दर्ज किया गया। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 2,231 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ था।

जनवरी में रेनो की कुल 3,715 यूनिट्स की बिक्री दर्ज

नई दिल्ली । रेनो इंडिया कंपनी की साल के प्रथम महीने जनवरी में कुल 3,715 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की गई। यह बीते साल की तुलना में लगभग 33 प्रतिशत अधिक है। कंपनी की इस सफलता में ट्रीबर और काईगर जैसे मॉडलों की बढ़ती मांग सबसे बड़ी वजह रही। किफायती कीमत, बेहतर परफॉर्मेंस और फैमिली-फ्रेंडली डिजाइन ने ट्रीबर को बजट सेगमेंट में लोकप्रिय विकल्प बनाया है। यह तेज वृद्धि ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री के औसत प्रदर्शन से काफी आगे है और यह दर्शाती है कि रेनो के मॉडल भारतीय उपभोक्ताओं की पसंद में लगातार ऊपर चढ़ रहे हैं। वहीं काईगर ने भी युवाओं और शहरी ग्राहकों के बीच अपनी मज़बूत पहचान बनाई है। इसके साथ ही, जनवरी के अंत में लॉन्च की गई नई जेनरेशन डस्टर ने रेनो ब्रांड के प्रति उत्साह को और बढ़ाया है। एसयूवी सेगमेंट में अपनी अलग पहचान रखने वाली डस्टर की नई अवतार में आधुनिक सुरक्षा फीचर्स, उन्नत तकनीक और अधिक केबिन स्पेस शामिल किए गए हैं। हाइब्रिड इंजन विकल्प की संभावना ने भी ग्राहकों का ध्यान खींचा है, जिससे बिक्री के अनुमान और मजबूत हुए हैं। डीलरशिप पर पूछताछ और बुकिंग के शुरुआती आंकड़े बताते हैं कि यह मॉडल ब्रांड को नई रफ्तार देने में अहम भूमिका निभा सकता है। रेनो इंडिया की चेन्नई स्थित मैन्युफैक्चरिंग यूनिट और देशभर में फैले सेल्स और सर्विस नेटवर्क ने भी कंपनी की ग्रोथ को मजबूती दी है। आसान पहुंच और भरोसेमंद आफ्टर-सेल्स सपोर्ट के कारण ब्रांड की विश्वसनीयता बढ़ी है। जनवरी 2026 के प्रदर्शन और नए मॉडलों के प्रति बढ़ती दिलचस्पी से साफ है कि रेनो इंडिया भारतीय बाजार में अपनी पकड़ को फिर से मजबूत बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

इंडिगो ने बाजार में प्रभुत्व का दुरुपयोग कर प्रतिस्पर्धा पर प्रतिकूल असर डाला

-सीसीआई ने उड़ानें रद्द किए जाने के मामले में इंडिगो के खिलाफ दिया जांच का आदेश

नई दिल्ली।

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने दिसंबर में बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द किए जाने के मामले में गुरुवार को विमानन कंपनी इंडिगो के खिलाफ जांच का आदेश दिया है। सीसीआई ने अपनी शुरुआती जांच में पाया कि इंडिगो ने बाजार में अपने प्रभुत्व का दुरुपयोग करते हुए सेवाओं को प्रतिबंधित करके प्रतिस्पर्धा पर प्रतिकूल असर डाला है। पिछले साल 18 दिसंबर को आयोग ने बयान में कहा था कि उसने 1 से 9 दिसंबर के बीच विभिन्न मार्गों पर हवाई सेवाओं में व्यवधान के संदर्भ में इंडिगो के खिलाफ दायर जानकारी का संज्ञान लिया है।

सीसीआई ने कहा कि हजारों की संख्या में उड़ानें रद्द कर इंडिगो ने अपनी तय क्षमता का एक अहम हिस्सा बाजार से हटा लिया जिससे कृत्रिम अभाव उत्पन्न हो गया और अधिक मांग के समय यात्रियों को हवाई सफर की सुविधा नहीं मिल सकी। आयोग ने कहा कि बाजार में वर्चस्व वाली कंपनी की ओर से ऐसे आचरण को प्रतिस्पर्धा अधिनियम के तहत सेवाओं की आपूर्ति सीमित करना माना जा सकता है। सीसीआई के आदेश के बारे में पक्ष जानने के लिए इंडिगो को ईमेल किया गया लेकिन अभी तक जवाब नहीं आया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीसीआई ने कहा कि प्रथम दृष्टया इंडिगो का यह आचरण भारत में प्रतिस्पर्धा पर प्रतिकूल प्रभाव डालता प्रतीत होता है। इसके मद्देनजर आयोग ने मामले की विस्तृत जांच के लिए अपने महानिदेशक को निर्देश दिए हैं। महानिदेशक कार्यालय को 90 दिनों के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। आदेश से पता चला कि इंडिगो ने सीसीआई को बताया है कि प्रतिस्पर्धा अधिनियम आयोग को क्षेत्रीय नियामक ढांचे की पर्याप्तता या प्रभावशीलता की जांच करने का अधिकार नहीं देता है। इंडिगो ने कहा कि डीजीसीए के विशिष्ट अधिकार क्षेत्र में आने वाले मामलों में आयोग का कोई भी हस्तक्षेप अधिकार क्षेत्र का गलत इस्तेमाल होगा।

सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी। दोनों के भाव वायदा भाव नीचे आये। सुब घरेलू बाजार में सोने के वायदा कीमतें 1,49,00 रुपये, जबकि चांदी की 2,52,750 रुपये के करीब कारोबार रही हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोन-चांदी की कीमतों में नरमी रही। आज सुबह मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल अनुबंध 1,098 रुपये की गिरावट के साथ 1,51,948 रुपये के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,53,046 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 3,964 रुपये की गिरावट के साथ 1,49,082 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,51,948 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,48,455 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। गौरतलब है कि सोने के वायदा भाव पिछले माह 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे थे। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च अनुबंध 10,754 रुपये फिसलकर 2,58,096 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,68,850 रुपये था। यह अनुबंध 16,131 रुपये की गिरावट के साथ ही 2,52,719 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एक समय इसने 2,58,096 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 2,52,719 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। वहीं चांदी के वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये किलो के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे।

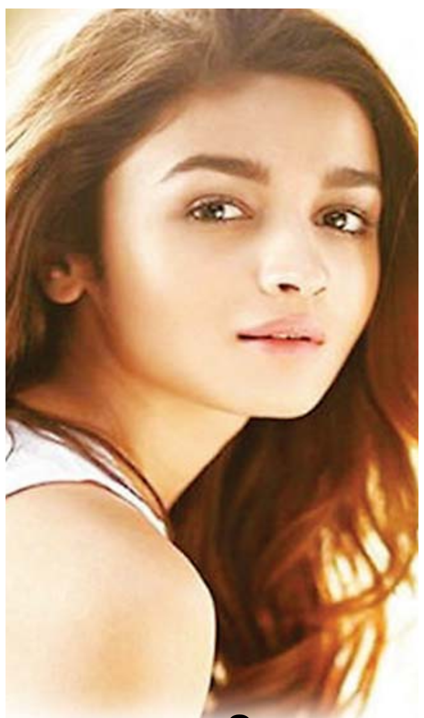

बहन शाहीन के साथ मिलकर फिल्म निर्माण करेंगी आलिया

आलिया भट्ट और शाहीन एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म लेकर आ रही हैं, जिसका नाम है– डोंट बी शाय। यह प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्माण आलिया ने अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ मिलकर किया है।

आलिया भट्ट और शाहीन एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म लेकर आ रही हैं, जिसका नाम है– डोंट बी शाय है। इस फिल्म को इटर्नल सनशाइन प्रोडक्शंसन के तले बनाया गया है। आलिया ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें आलिया कहती हैं– क्या कहानी में सब कुछ है। रोमांस है, दिल टूटता है, गाना है, लड़कियां, लड़के, और एक कछुआ भी...। दरअसल, यह एक ऐसी कहानी जिसके साथ आप बड़े होते हैं।

सेलेब्स और फैंस के कमेंट्स

आलिया की मां सोनी राजदान ने कमेंट में लिखा, वाह, शानदार, बहुत बढ़िया किया आपने, फिल्म निर्माता अशर आस्कन ने लिखा, अब तक की सबसे प्यारी घोषणा, एक फैन ने लिखा, आपकी एक्टिंग मुझे बहुत पसंद है, दूसरे फैन ने लिखा, यह तो बेहद रोमांचक लग रहा है, इतने लंबे समय बाद ऐसी कोई फिल्म आई है, यह कमाल की होने वाली है।

कब रिलीज होगी लव एंड वॉर

आलिया भट्ट लव एंड वॉर में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन संजय लीला भंसाली ने किया है। यह एक रोमांटिक पीरियड ड्रामा फिल्म है। इसमें रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।

मलयालम से अलग है हिंदी दृश्यम 3 की कहानी

क्राइम–थ्रिलर 'दृश्यम' अपने तीसरे पार्ट के साथ फिर लौट रही है। 'दृश्यम 3' मलयालम के साथ हिंदी में भी शुरू हो चुकी है। एक बार फिर विजय सालगांवकर (अजय देवगन) अपनी फैमिली के साथ वापस लौट रहे हैं। अब फिल्म को लेकर अभिनेत्री श्रिया सरन काफी उत्साहित हैं। उन्होंने इस फेंचाइजी के अपने सफर को इमोशनल बताते 'दृश्यम 3' के बारे में बात की है।

दस साल पहले शुरू हुई थी पहले पार्ट की शूटिंग

इंडिया टुडे के साथ बात करते हुए श्रिया सरन ने 'दृश्यम 3' को लेकर खुशी जताई। 'दृश्यम' की दुनिया में अपनी भूमिका को फिर से निभाने के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, 'मैं बेहद उत्साहित हूं। इस बार, कहानी असाधारण रूप से अच्छी तरह से लिखी गई है, बहुत कसी हुई और दिलचस्प है। यह फेंचाइजी का आखिरी पार्ट है। हम अभी इसकी शूटिंग कर रहे हैं। यह मेरे लिए एक बेहद भावुक सफर है क्योंकि जब मैंने हाल ही में फिल्म देखी, तो मुझे एहसास हुआ कि पहला भाग दस साल से भी पहले शूट किया गया था। हम सब बहुत बदल गए हैं। मैं तब से बहुत बदल गई हूं।'

इस वजह से बाकी फिल्मों से अलग है 'दृश्यम'

श्रिया ने बताया कि दृश्यम को जो बात सबसे अलग बनाती है, वह सस्पेंस जॉनर में कहानी को अलग तरह से कहने की कला है। मुझे याद नहीं कि किसी मिस्ट्री फेंचाइजी के तीन पार्ट हों। हमने ड्रामा सीरीज तो देखी हैं, लेकिन एक मिस्ट्री फेंचाइजी, जिसमें पूरी कहानी एक छोटी सी घटना के इर्द–गिर्द घूमती हो, यह कमाल है। यकीन मानिए तीसरा पार्ट बेहद दिलचस्प है। इस दौरान उन्होंने 'दृश्यम 3' के एक बड़े ट्विस्ट की ओर भी इशारा किया।

मलयालम से अलग है हिंदी वर्जन

श्रिया सरन का मानना है कि मलयालम और हिंदी की 'दृश्यम' में अंतर है। यही कारण है कि फिल्म हर भाषा में अलग अनुभव देती है और पसंद की जाती है। उन्होंने कहा कि हिंदी 'दृश्यम 2' मलयालम वर्जन से बहुत अलग थी। यहां तक कि हिंदी 'दृश्यम 3' भी मलयालम वाली फिल्म से काफी अलग है।

2015 में रिलीज हुई थी पहली 'दृश्यम'

'दृश्यम' फेंचाइज की शुरुआत साल 2015 में हुई थी। पहली फिल्म में अजय देवगन के साथ तब्बू, श्रिया सरन, रजत कपूर और इशिता दत्त प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। इसके बाद साल 2022 में 'दृश्यम 2' रिलीज हुई। इसमें अक्षय खन्ना भी प्रमुख भूमिका में नजर आए थे। अब लगभग चार साल बाद फेंचाइजी का तीसरा पार्ट रिलीज होने जा रहा है।

श्रीलीला के साथ पहली बार नजर आएंगे धनुष

धनुष ने हाल ही में अपनी 55वीं फिल्म का एलान किया है, जिसका अस्थाई नाम डी55 है। निर्माताओं ने स्टार कास्ट की घोषणा भी कर दी है। निर्देशक राजकुमार पेरियासामी की अगली फिल्म में धनुष के साथ मुख्य भूमिका में यह अभिनेत्री पहली बार नजर आएंगी। राजकुमार पेरियासामी पहले अमरन फिल्म बना चुके हैं।

धनुष की आगामी फिल्म का नाम

धनुष की आगामी फिल्म का अस्थाई नाम डी55 है। यह अस्थाई नाम इसलिए डी55 रखा गया है क्योंकि यह धनुष की 55वीं फिल्म हैं। इस फिल्म में उनके साथ पहली बार मुख्य अभिनेत्री के रूप में श्रीलीला नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन राजकुमार पेरियासामी करेंगे। धनुष और श्रीलीला पहली बार किसी फिल्म में एक साथ नजर आने वाले हैं।

निर्माताओं ने की घोषणा

फिल्म की प्रोडक्शन कंपनी वंडरबार फिल्म्स ने यह घोषणा की। उन्होंने लिखा, आपने यह उम्मीद नहीं की होगी। खूबसूरत अभिनेत्री श्रीलीला का डी55 में स्वागत है। साथ में धनुष, श्रीलीला और टीम की कई तस्वीरें भी शेयर की गईं, जो बहुत तेजी से फैंस के बीच सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

फिल्म डी55 के बारे में

डी55 एक बड़ा प्रोजेक्ट है। धनुष अपनी कंपनी वंडरबार फिल्म्स के साथ आर टेक स्टूडियोज को मिलकर इसे बना रहे हैं। फिल्म का निर्माण अभी मुंबई में चल रहा है। शूटिंग 2026 के आखिर तक पूरी होने की उम्मीद है। फिल्म का संगीत साई अभ्यंकर दे रहे हैं। यह फिल्म 2027 में रिलीज हो सकती है।

भूमि पेडनेकर ने इंटरनेट स्क्रोलिंग को कहा दलदल

भूमि पेडनेकर की क्राइम बेस्ड सीरीज दलदल में उनके किरदार की दर्शक काफी तारीफ कर रहे हैं। बचपन के ट्रामा और मानसिक हालत को जोड़ कर बनी हुई ये सीरीज कई परतें खोलती हैं। इस इंटरव्यू में अभिनेत्री ने एंटरप्रेन्योर के तौर पर कई बातें साझा की हैं।

भूमि की वेब सीरीज दलदल में आज के दौर में समाज में हो रहे अपराध के पीछे के कारण को भी दिखाया गया है। भूमि से जब उनके सबसे बड़े दलदल के बारे पूछा गया तो भूमि ने कहा, मेरा सबसे बड़ा दलदल इंटरनेट स्क्रोलिंग था। मुझे सोशल मीडिया यूज करते वक्त पता ही नहीं चलता था कि कब कितना समय निकल गया? यह एक ऐसी आदत थी जिससे बाहर निकलना जरूरी था और मैंने इसे धीरे–धीरे बदला भी। आज सोशल मीडिया एक बेहद डरावनी जगह बन गया है। सोशल मीडिया पर अगर किसी के बारे में एक बार कुछ गलत कह दिया जाए तो बाकी लोग भी वही दोहराने लगते हैं और वह चीज एक ट्रेंड बन जाती है। लोगों के लिए जागरुक रहना और खुद को इस दलदल से बाहर निकालना जरूरी है।
बतौर एंटरप्रेन्योर इस फील्ड में जाएंगी भूमि
अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने बातचीत के दौरान सोशल मीडिया के गलत इस्तेमाल पर भी चर्चा की। बतौर एंटरप्रेन्योर,जब भूमि से ये पूछा गया कि क्या एक सच और झूठ बता देने वाला प्लेटफॉर्म बनाना चाहिए तो एक्ट्रेस ने जवाब दिया, यह वाकई एक बहुत अच्छा आइडिया है। मेरे मन में अक्सर आता है कि काश ऐसा कोई स्टार्टअप या प्लेटफॉर्म हो जो सिर्फ फैक्ट चेक पर काम करे। जहां लोग अपनी तरफ से भी वीडियो या जानकारी भेज सकें और यह प्लेटफॉर्म एआई या एक्सपर्ट्स की मदद से तुरंत बता सके कि यह सच है या झूठ ।कई मीडिया हाउस फैक्ट चेक करते हैं जोकि बहुत अच्छा काम है। मैं खुद भी एक एंटरप्रेन्योर हूं और शायद आगे चलकर इस फील्ड में कुछ करना चाहूंगी।

'दलदल' वेब सीरीज ओटीटी पर रिलीज

'दलदल' वेब सीरीज 30 जनवरी से अमेजन प्राइम पर रिलीज हो चुकी है। भूमि पेडनेकर इस सीरीज में मुख्य किरदार में हैं, साथ ही समारा तिजोरी और आदित्य रावल भी सीरीज में अहम भूमिका में हैं। इस वेब सीरीज में बाकी सपोर्टिंग कैरेक्टर्स जैसे की जया भट्टाचार्य, चिनमय मंडलेकर, गीता अग्रवाल, संदीप कुलकर्णी, सौरभ गोयल भी मौजूद हैं।

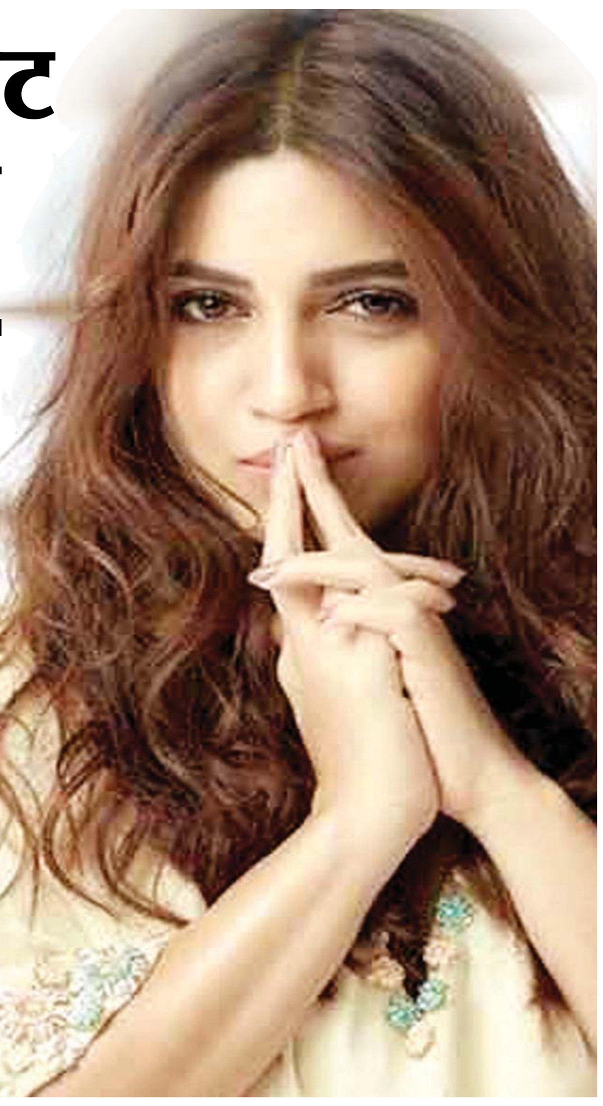

दमदार एक्टर होने के साथ एक फैमिली मैन भी हैं शाहिद कपूर

बॉलीवुड में शाहिद कपूर की शुरुआत साल 2003 में एक लवर बॉय के तौर पर इश्क विश्क से हुई थी। इंडस्ट्री में आम तौर पर एक्टर्स का एक इमेज में बंध जाना जहां स्वभाविक की समस्या बन जाती है, वहीं हरफनमौला शाहिद ने इस बंधन को मानने से इनकार कर दिया। पर्दे पर उन्हें जब वी मेट और विवाह में निहारने वाले दर्शक तब दंग रह गए, जब कमीने, हैदर, कबीर सिंह में उनका इन्टेंस अवतार दिखा। अब वह विशाल भारद्वाज की ओ रोमियो में एक गैंगस्टर के रोल में नजर आने वाले हैं। आप चाहे उनके फैन हो या नहीं, लेकिन उनकी अदाकारी के ग्राफ की तारीफ हर कोई करता है। एक दमदार एक्टर होने के साथ ही शाहिद एक फैमिली मैन भी हैं। बातचीत में उन्होंने करियर और निजी जीवन के बीच के संतुलन, पैरेंटिंग, शादी, परफॉर्मेंस ओरिएंटेड भूमिकाओं, और ओ रोमियो पर बात की है।

अपने परिवार को पॉजिटिव सोच देनी चाहिए

शाहिद कपूर एक बेहतरीन पिता भी हैं। वह मीशा और ज़ैन के प्यारे पापा हैं। आज के दौर में वह बच्चों को वह किस तरह के वैल्यूज देना चाहेंगे? इस सवाल पर एक्टर कहते हैं, 'इस पर तो किताब लिखी जा सकती है। मुझे लगता है कि आपके परिवार के जो मूल्य हैं, वह आपके बच्चों में होने चाहिए। बच्चों को हमेशा पॉजिटिव एनर्जी देनी चाहिए, क्योंकि आजकल के बच्चे और यंगस्टर्स बहुत समझदार हो गए हैं। आजकल के बच्चे हर चीज के लिए बहुत ज्यादा सोचते हैं और नकारात्मक पहलुओं की तरफ उनका फोकस ज्यादा है, तो ऐसे में उन्हें पॉजिटिव सोच देना बहुत जरूरी है। उन्हें बताना जरूरी है कि हम इन फैमिली वैल्यूज में विश्वास करते हैं। बच्चों को बहुत ज्यादा प्यार देने की जरूरत है, एक कनेक्शन स्थापित करना, उनसे कम्युनिकेट करना बेहद आवश्यक है।'

बच्चों पर अपने सपने ना थोपें

शाहिद से जब पूछा गया कि वह अपने बच्चों को किस चीज से बचाना चाहेंगे? तो जवाब मिला, 'मुझे लगता है कि मां–बाप को अपने बच्चों को अपनी ख्वाहिशों और महत्वाकांक्षाओं से बचाना चाहिए। बच्चों पर अपने सपने न थोपें। ऊपर वाले ने उन्हें अपनी एक यात्रा पर भेजा है और बच्चों को उस सफर पर जाने दें।'

शादी में एक–दूसरे को वक्त देना बहुत जरूरी है

पत्नी मीरा राजपूत के साथ बॉन्डिंग के बारे में शाहिद कहते हैं, 'मैं हमेशा कहता हूं कि शादी डेली वर्क है। अपनी शादी देखकर हर किसी को लगता है कि दूसरे की शादी अच्छी है, पर ऐसा नहीं होता। जिस तरह से आप आज इंस्टाग्राम या यूट्यूब पर फोकस करते हैं, उसी तरह से अपनी रिलेशनशिप पर भी ध्यान देना जरूरी है। जब आप अपने पार्टनर पर ध्यान देते हैं और उसे इज्जत देते हैं, तो वह सामने वाले को भी महसूस होता है। शादी में पार्टनर को वक्त और सम्मान देना बहुत आवश्यक है। मैं–मीरा ये ही कोशिश करते हैं।'

आप तभी ट्रांसफॉर्म होते हैं, जब खुद को चुनौती देते हैं

शाहिद कपूर ने लवर बॉय से अपने करियर की शुरुआत की थी और फिर इंटेंस और टफ भूमिकाओं में नजर आए। इस ट्रांसफॉर्मेशन पर वह कहते हैं, 'आप ट्रांसफोर्म तभी हो पाते हैं, जब आप रिस्क लेना या खुद को चुनौती देना शुरू करते हैं। इससे आप मुश्किल भूमिकाएं कर पाते हैं और फिर उस सफर का आनंद उठाने लगते हैं। जब लोग उस चीज को देखते हैं और पसंद करते हैं, तब वे उस तरह के रोल्स का प्रस्ताव आपके पास लाने लगते हैं और एक सिलसिला चल निकलता है।

ओ रोमियो डरावनी भी है, रोमांटिक भी, इमोशनल भी

शाहिद आगे कहते हैं, अब विशाल सर के साथ ही ओ रोमियो मेरी चौथी फिल्म है। ये नब्बे के गैंगस्टर की प्रेम कहानी है और सभी जानते हैं कि विशाल भारद्वाज की फिल्मों की दुनिया थोड़ी अनोखी और अजीब होती है। फिल्म के अंदर एक ड्रामा है, पर यह फिल्म थोड़ी क्विर्की है। ये एक ही साथ में डरावनी भी है, रोमांटिक भी और इमोशनल भी।'

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः जितेन्द्र चौधरी, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in